* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

14 जून, 2023
आषाढ़, कृष्ण पक्ष, एकादशी
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
बुधवार, वर्ष 08, अंक 234

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

व्यवसायी विष्णु अग्रवाल को इडी ने 21 को बुलाया

शिबू सोरेन जिन्दाबाद

झामुमो जिन्दाबाद

झारखण्ड मुक्ति मोर्चा
JMM

हेमंत सोरेन जिन्दाबाद

मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर का डेढ़ साल बेमिसाल

गढ़वा में आज होगा ऐतिहासिक एवं भव्य शिलान्यास कार्यक्रम

- तीन वर्ष के कार्यकाल में से डेढ़ वर्ष कोरोना काल में समाप्त।
- शेष बचे डेढ़ वर्ष के कार्यकाल के दौरान क्षेत्र में हुआ चौतरफा विकास। चार सौ करोड़ की लागत से 400 योजनाएं धरातल पर उतरेगी।
- माननीय मंत्री के अथक प्रयास से इन योजनाओं का हुआ काम।
- इस ऐतिहासिक शिलान्यास के लिए माननीय मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर का आभार।

मिथिलेश कुमार ठाकुर

मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
झारखंड सरकार
-सह- विधायक गढ़वा-रंका विधानसभा

उपलब्धियां

- गढ़वा को नेशनल ग्रिड लहलहे से जुड़वाकर जिले में 20 से 22 घंटा निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति बहाल कराया।
- केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितीन गडकरी से मिलकर गढ़वा में बाइपास सड़क का निर्माण कार्य पूरा कराया।
- विधायक निधि की 12 करोड़ रूपए की राशि से गढ़वा-रंका विधानसभा क्षेत्र के सभी पंचायत और गांव में समानुपातिक रूप से पीसीसी सड़क, चबूतरा, नाली और चौपाल का निर्माण कराया।
- अतिउग्रवाद प्रभावित क्षेत्र चफला तहले होते हुए चिनियां कदवा मोड़ तक सौ करोड़ की लागत से (साज) स्टेट हाइवा सड़क का निर्माण कराया।
- 80 करोड़ की लागत से रंका-रमकंडा पीडब्लूडी सड़क का निर्माण कराया। हुर मोड़ से गोवावल क्षेत्र होते हुए माया डंडा से पलामू सिवाना तक सड़क का निर्माण कार्य कराया।
- मतौली मोड़ से पलामू सिवाना तक 75 करोड़ की लागत से सड़क निर्माण।
- गढ़वा से चिनियां पीडब्लूडी सड़क के चौड़ीकरण का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर शुरू।
- गढ़वा शहर में करीब आठ करोड़ की लागत से नीलाम्बर-पीताम्बर बहुउद्देशीय भवन का निर्माण।
- कल्याणपुर में 60 करोड़ की लागत से नया समाहरणालय भवन।
- सदर प्रखंड के प्रतापपुर में साढ़े 14 करोड़ की लागत से अल्पसंख्यक छात्रावास भवन।
- रंका में 12 करोड़ की लागत से डिग्री कॉलेज का भवन।
- मेराल प्रखंड के ओखरगाड़ा में साढ़े 13 करोड़ की लागत से पिछड़ा वर्ग आवासीय विद्यालय का निर्माण।
- गढ़वा बस स्टैंड का चार करोड़ की लागत से सुंदरीकरण का कार्य।
- चिनियां के खुरी में कनहर नदी पर दस करोड़ की लागत से उच्चस्तरीय पुल निर्माण।
- रमकंडा के चेटे में चार करोड़ की लागत से उच्चस्तरीय पुल का निर्माण।
- रमकंडा के उदयपुर के ललेहा में तीन करोड़ की लागत से पुल का निर्माण।
- हरहे के घाटू नदी पर चार करोड़ की लागत से पुल का निर्माण।
- रंका-रमकंडा के बबनदाहा नदी पर चार करोड़ की लागत से उच्चस्तरीय पुल का निर्माण।
- 35 करोड़ की लागत से रंका, रमकंडा, चिनियां और मेराल प्रखंड कार्यालय में स्टॉप क्वार्टर का निर्माण।
- चिनियां में दस करोड़ की लागत से अस्पताल भवन।
- जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल में 24 करोड़ की लागत से क्रिटिकल केयर सेंटर की स्थापना।
- इसमें पारा मेडिकल स्टॉफ क्वार्टर का भी कराया गया निर्माण।
- कल्याणपुर में 15 करोड़ की लागत से बिरसा मुंडा पार्क सह हेलीपैड का निर्माण।
- बालिका मीडिल स्कूल के मैदान में साढ़े छह करोड़ की लागत से फुटबॉल स्टैडियम का निर्माण।
- कल्याणपुर में समाहरणालय भवन के पीछे डेढ़ करोड़ की लागत से सहकारिता भवन का निर्माण।
- क्षेत्र में आरइओ, एनआरईपी और पीडब्लूडी विभाग से 12 सौ किलोमीटर सड़क का निर्माण कार्य कराया। साथ ही विभिन्न जगहों पर पुल-पुलिया का निर्माण कराया।
- शिक्षा के क्षेत्र में 15 करोड़ रूपए की लागत से जिला मुख्यालय के बालिका हाई स्कूल, आदिवासी छात्रावास, कस्तूरबा गांधी आवासीय स्कूल और रामासाहू हाई स्कूल का भवन निर्माण।
- 12 सौ करोड़ रूपए की लागत से सोन-कनहर पाइप लाइन योजना का निर्माण कार्य जारी।
- 70 करोड़ रूपए की लागत से नामधारी कॉलेज से चामा, महुलिया होते हुए अंबिकापुर मार्ग तक सड़क निर्माण कार्य जारी।
- 1221 करोड़ की लागत से सोन कनहर पाइप-लाईन सिचाई योजना का निर्माण।
- 73 करोड़ रूपए की लागत से शहरी जलापूर्ति योजना का कार्य।
- 1237 करोड़ की लागत से ग्रामीण जलापूर्ति की 29 योजनाएं का हो रहा हैं निर्माण कार्य।

मंत्री ने निजी कोष से इन योजनाओं पर कराया है काम

- रंका मोड़ पर घंटाघर का निर्माण।
- खोनहरनाथ मंदिर का तोरणद्वार।
- जिला मुख्यालय समेत कई स्थानों पर छठघाट का निर्माण।
- गढ़वा-रंका विधानसभा क्षेत्र सहित जिले के कई जगहों पर मंदिर, मस्जिद और ईदगाह के निर्माण कार्य में सहयोग।
- गरीब और असहाय लड़कियों की शादी में सहयोग।
- जिले के लोगों का रिम्स में बेहतर ईलाज के लिए रिम्स में निजी सहायक को किया गया हैं प्रतिनियुक्त। ताकि लोगों को ईलाज में कठिनाई नहीं हो।
- गढ़वा जिले में 15 करोड़ की लागत से सरकारी महिला महाविद्यालय का निर्माण।
- जिला मुख्यालय में 50 करोड़ की लागत से 100 बेड का सदर अस्पताल का निर्माण।
- गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के सभी 73 पंचायत के सैकड़ों गांवों में पुल-पुलिया बना कर सीधा मुख्यालय से जोड़ने का कार्य किया।
- 10 करोड़ की लागत से रंका में अस्पताल का निर्माण।

कार्यक्रम स्थल : डुमरो (बाईपास रोड), नारायणपुर
दिनांक 14 जून 2023, दिन बुधवार, समय : 11 बजे से

तनवीर आलम
जिलाध्यक्ष, झामुमो, गढ़वा

नीतेश कुमार सिंह
जिला उपाध्यक्ष, बीस सूत्री, गढ़वा जिला

निवेदक : झामुमो जिला कमेटी, गढ़वा

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

सर्राफा
सोना (बिक्री) 56,200 रु./10 ग्राम
चांदी 74,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 14 जून, 2023
www.azadsipahi.in
02

बिहार समेत ये राज्य भाजपा को दे रहे हैं चेतावनी के संकेत

■ मिशन 2024 को पूरा करने में लगी पार्टी को बनानी होगी ठोस रणनीति

■ झारखंड और बंगाल की राजनीतिक स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है

■ इन राज्यों में भाजपा का बेड़ा पार नहीं लगा सकता अयोध्या और विंध्याचल का मुद्दा

2024 में होनेवाले संसदीय तैयारियों के क्रम में अब इस सवाल पर गौर किया जाने लगा है कि किस पार्टी की क्या संभावनाएं हो सकती हैं। जाहिर है कि इस सवाल का जवाब तलाशने के क्रम में पिछले दो चुनावों में ऐतिहासिक कामयाबी हासिल करनेवाली भारतीय जनता पार्टी की संभावनाओं का आकलन सबसे पहले किया जा रहा है। अब यदि भाजपा की संभावनाओं पर गौर किया जाये, तो एक बात साफ हो जाती है कि भले ही पीएम मोदी आज दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हों और उनके नेतृत्व में भारत का डंका पूरी दुनिया में बज रहा हो, घरेलू राजनीतिक परिस्थितियां भाजपा के लिए बहुत अनुकूल नहीं दिख रही हैं। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव हारने के बाद से दक्षिण भारत का दरवाजा पार्टी के लिए लगभग बंद सा हो गया है, तो अब पार्टी उत्तर भारत पर तवज्जो दे रही है। लेकिन बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड के साथ महाराष्ट्र की तेजी से बदलती राजनीतिक परिस्थितियों में भाजपा 2024 के चुनाव तक कितना सफर तय कर सकेगी, मंथन इसी बात पर चल रहा है। इसके अलावा इस साल के अंत में जिन तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, वहां भी भाजपा की स्थिति बहुत अच्छी नहीं कही जा रही है। ऐसे में पार्टी के लिए 2024 का सफर बेहद मुश्किल भरा होनेवाला है, इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। भाजपा के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पहले ही चेतावनी की घंटी बजा दी है और अब राज्यों की तेजी से बदल रहीं परिस्थितियां उसकी पेशानी पर बल डाल रही हैं। ऐसे में क्या है देश की सियासी तस्वीर और भाजपा उसमें अपना रंग किस हद तक भर सकती है, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

आजाद सिपाही विशेष

राकेश सिंह

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने नौ वर्ष पूरे कर लिये हैं और अब वह लगातार तीसरी बार इस पद को हासिल करने की कोशिशों में जुट गये हैं। इन नौ सालों में देश ने और पीएम के रूप में मोदी ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे। दुनिया में एक अलग छाप छोड़ने में वह कामयाब रहे। पार्टी के रूप में जो तरक्की भारतीय जनता पार्टी ने नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्रित्व काल में देखी, वह बहुत जबरदस्त रही, लेकिन आंकड़ों की दृष्टि से भाजपा अब उतार की ओर जाती हुई दिखायी दे रही है। यह भी कहा जा सकता है कि साल 2024 के लोकसभा चुनाव में साल 2019 का रिजल्ट दोहराना भाजपा नेतृत्व के लिए किसी बड़ी और तगड़ी चुनौती से कम नहीं होगा।

यह कहा जा सकता है कि नरेंद्र मोदी के सत्ता संभालने के बाद भाजपा का विकास बहुत तेजी से हुआ। फिर अगले पांच साल में गिरावट आयी। हालांकि, तरक्की की रफ्तार तेज थी और गिरने की रफ्तार धीमी है। पर गिरावट आयी है। कोई व्यक्ति या संगठन इससे इनकार कर सकता है, लेकिन आंकड़े और राजनीतिक परिस्थितियां गवाही दे रही हैं कि भाजपा की तरक्की की राह में रोड़े आ गिरे हैं।

ऐसे बढ़ता रहा भाजपा का कारवां

26 मई, 2014 को नरेंद्र मोदी ने जब पहली बार पीएम के रूप में शपथ ली थी, तब राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और गोवा में भारतीय जनता पार्टी राज कर रही थी। पंजाब और आंध्रप्रदेश की सत्ता में वह साझीदार थी। कहने की जरूरत नहीं कि साल 2014 के आम चुनाव में नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ने वाली भाजपा को सबसे ज्यादा 282 सीटों पर विजय मिली थी।

समय आगे बढ़ा। धीरे-धीरे पीएम के रूप में मोदी का प्रभाव बढ़ता गया। इसका फायदा भाजपा को भी लगातार मिला। साल 2019 लोकसभा चुनाव के ठीक एक साल पहले हालत यह बनी कि भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत और सत्ता में साझीदार होते हुए भाजपा की 21 राज्यों में सरकार थी। चार साल में सीधे तीन गुना राज्यों में भाजपा का सरकार के रूप में विस्तार हुआ। उस समय देश के नक्शे में दूसरे दलों की सरकार तलाशने की स्थिति बनी हुई थी। साल 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने फिर मोदी के चेहरे और केंद्र सरकार के काम पर चुनाव लड़ा और रिजल्ट आने पर भाजपा को अब तक की सर्वाधिक 303 सीटें मिल चुकी थीं। मोदी जी ने पीएम के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए फिर शपथ ली।

क्या नहीं खुलेंगे दक्षिण के दरवाजे!

कर्नाटक में पराजय के बाद संकेत यह भी हैं कि जब तक दक्षिणी राज्यों के दरवाजे भाजपा के लिए नहीं खुलेंगे, यह मुश्किल बनी रहेगी। हालांकि नयी संसद में बैठने की व्यवस्था यह बता रही है कि साल 2029 का चुनाव नये परिसीमन के हिसाब से होगा और तब भारतीय जनता पार्टी के मौजूदा प्रभाव वाले इलाकों में संसदीय सीटें बढ़ चुकी होंगी। तमाम विपरीत हालातों के बावजूद भाजपा के सामने साल 2024 के चुनाव में कोई बड़ा संकट नहीं है। लेकिन मौजूदा हालात में 2019 को दोहराना चुनौती है। तीन राज्यों, बिहार, महाराष्ट्र और बंगाल भाजपा के लिए बड़ी चुनौती हैं। झारखंड की परिस्थितियां भी तेजी से बदली हैं। यहां भी भाजपा के पक्ष में अब 2019 वाली स्थिति नहीं है।

क्या है 2024 की तस्वीर

अब ठीक एक साल बाद फिर आम चुनाव है, लेकिन राज्यों में भाजपा की तस्वीर उलट गयी है। कई जगह भाजपा सरकार में नहीं है, जहां वह 2018 में थी। हालांकि, समर्थक कहते हैं कि चुनाव में हार-जीत लगी रहती है। कोई जीतता है, तो किसी को हारना होता है। पर आंकड़े एक नयी कहानी कहते हुए दिखाई दे रहे हैं। साल 2018 के बाद राज्यों में भारतीय जनता पार्टी का नुकसान होता हुआ दिखाई दे रहा है। आज सिर्फ 14 राज्य ऐसे हैं, जहां भाजपा पूर्ण बहुमत में या सरकार में साझीदार है। यानी पहले कार्यकाल के शुरुआती चार साल की यात्रा में राज्यों का गणित सात राज्य से जहां 21 तक पहुंच गया था, वहीं दूसरे कार्यकाल के चार साल या यूं भी कहें कि बीते पांच साल में एक तिहाई राज्य भाजपा के हाथ से खिसक गये हैं।

तमिलनाडु, केरल, आंध्रप्रदेश चुनौती

दक्षिण भारत के राज्य तमिलनाडु, केरल, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना अभी भी भाजपा के लिए चुनौती बने हुए हैं, तो कर्नाटक में भाजपा की सरकार हाल ही में चली गयी। इन राज्यों में संख्या के हिसाब से एमएलए बमुश्किल 10 फीसदी बचे हैं। दक्षिण भारत से कुल 130 सांसद चुन कर आते हैं। इसमें 29 भाजपा से हैं और बाकी दूसरे दलों से चुन कर आये हैं। ये 29 भी सिर्फ दो राज्यों, कर्नाटक से 25 और तेलंगाना से चार हैं। केरल, आंध्रप्रदेश और तमिलनाडु से भाजपा का कोई सांसद नहीं है। ऐसे में आज दक्षिण भारत भाजपा की सबसे बड़ी चिंता है। इसके बाद पश्चिम बंगाल, ओड़िशा, झारखंड, बिहार, राजस्थान, पंजाब, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक में अब भाजपा की सरकार नहीं है। पूर्वोत्तर में असम, मणिपुर, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार है। मध्यप्रदेश और गुजरात में भाजपा की सरकार है। महाराष्ट्र में शिंदे गुट को भाजपा ने समर्थन दिया है। उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा में भी भाजपा की सरकार है।

2024 का चुनाव बड़ी चुनौती

अब भाजपा के सामने साल 2024 के चुनाव में तगड़ी चुनौती यह है कि जिन 303 लोकसभा सीटों के साथ अपने सर्वोच्च प्रदर्शन पर पिछले चुनाव में पहुंची थी, उसमें उसने दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, त्रिपुरा, उत्तराखंड, हरियाणा की सभी सीटें जीत ली थीं। मध्यप्रदेश में 28, कर्नाटक में 25, यूपी में 64, छत्तीसगढ़ में नौ, बिहार-महाराष्ट्र में बने गठबंधन की वजह से 80 सीटें मिली थीं। पार्टी की चिंता यह है कि नये इलाकों में विस्तार हुआ नहीं और पुराने में जहां सर्वोच्च संख्या मिल चुकी है, वह सब फिर से जीत लेंगे, यह भरोसा पार्टी को भी नहीं है। ऐसे में 2019 दोहराने के लिए जरूरी है कि भाजपा को नये क्षेत्र में स्थान मिले। बिहार में जो सीटें मिली थीं, वे जदयू के साथ मिल कर लड़ने के बाद मिली थीं। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसके पास अब अपना नेता तक नहीं है। टीएमसी या कांग्रेस से आयातित नेता ही उसकी गाड़ी खींच रहे हैं।

महाराष्ट्र में क्या गुल खिलायेगा गठबंधन

महाराष्ट्र में भी पुराना गठबंधन है नहीं और जो नया गठबंधन बना हुआ है, क्या गुल खिलायेगा, किसी को पता नहीं है। वैसे भी सत्ता में नहीं रहने के बावजूद उद्धव ठाकरे का जो व्यक्तित्व है, वह शिंदे का नहीं है। ऐसे में पीएम नरेंद्र मोदी के सामने चैलेंज तगड़ा है। यद्यपि वे लड़ाका हैं। अंतिम क्षण तक कोशिश करेंगे, पर चिंता की बात है। अब देखना यह होगा कि इस साल राजस्थान, मध्यप्रदेश और छतीसगढ़ के विधानसभा चुनाव परिणाम किस करवट बैठते हैं। अगर मध्यप्रदेश में भाजपा फिर आती है, राजस्थान-छत्तीसगढ़ में उसकी सरकार बनती है, तो उसे नये सिरे से ऊर्जा तो मिलेगी, लेकिन सवाल फिर भी शेष रहेगा, क्योंकि इन सभी चुनावी राज्यों में भाजपा के पास लोकसभा में ज्यादातर सीटें हैं।

झारखंड को बिचौलियों ने किया बदनाम: बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधा है। एक के बाद एक किये गये तीन ट्वीट में बाबूलाल मरांडी ने हेमंत के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा, दूसरे राज्यों में झारखंड की बन रही छवि और झारखंड में शराब में हुए घोटाले को लेकर निशाना साधा है।

पीके मिश्रा का बेहतर इलाज कराइये

हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा की खराब होती तबीयत पर हेमंत सोरेन से बेहतर इलाज कराने की अपील की है। बाबूलाल मरांडी ने कहा, खबर आ रही है कि साहिबगंज में लगभग 1000 करोड़ के खनन घोटाले के प्रमुख आरोपी पंकज मिश्रा, जो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि भी हैं, की तबीयत ज्यादा खराब है। कैदी के रूप में उन्हें इलाज के लिए दिल्ली ले जाया गया है। उनका स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अनुरोध है कि आप यूज एंड थ्रो मत करिये। पंकज को यूं ही उसके हाल पर भगवान भरोसे मत छोड़िये।

खराब हो रही है झारखंड की छवि

बाबूलाल मरांडी ने दूसरे राज्यों में बन रही झारखंड की छवि की चर्चा करते हुए ट्वीट कियाः पिछले दिनों जब मैं मध्यप्रदेश के दौरे पर था, तब कई बार लोगों के झारखंड के संदर्भ में पूछे गये प्रश्नों पर असहज हो गया। पत्रकार बंधुओं के साथ-साथ आम लोग भी जब मिल रहे थे, तो उनका एक ही प्रश्न था, झारखंड में क्या हो रहा है? हेमंत सोरेन भी इस महालूट में शामिल हैं क्या? उनकी भी गिरफ्तारी होगी? मैं उनसे इतना ही कहता था कि झारखंड को लुटेरों ने लूटा है, लेकिन सबका हिसाब हो रहा है। कुछ का बाकी है, जो आनेवाले दिनों में होगा। एक झारखंडी होने के नाते मन बहुत तकलीफ से भर जाता है कि देश में हमारे राज्य की छवि को कुछ बेईमान अफसरों, दलालों और बिचौलियों के गिरोह ने बदनाम कर दिया है। बाहर हम प्राकृतिक संसाधन संपन्नता, प्राकृतिक सुंदरता और परिश्रमी राज्य के रूप में नहीं, बल्कि पूजा सिंघल, बीरेंद्र राम, छवि रंजन, प्रेम प्रकाश, पंकज मिश्रा और अमित अग्रवाल जैसे लुटेरे अधिकारियों-बिचौलियों के कारनामे के कारण पहचाने जा रहे हैं।

जांच एजेंसियों के हाथ बड़े लंबे हैं

बाबूलाल मरांडी ने झारखंड की शराब नीति पर भी निशाना साधा है। ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा, मेरे गृह ज़िले गिरिडीह में शराब कंपनी और सेल्समैन की साठगांठ से करोड़ों रुपये के गबन का मामला प्रकाश में आया है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें भी उसी छत्तीसगढ़ी कंपनी की संलिप्तता सामने आयी है, जो वहां जांच की आंच में फंस चुकी है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार ने शराब नीति के नाम पर घोटाले का ऐसा जाल बुना कि इसमें झारखंड को भी फंसा लिया। राजस्व की हो रही भारी क्षति की जिम्मेदारी कौन लेगा? हां, जांच एजेंसियों के हाथ बड़े गले तक भी जायेंगे, तय मानिये। बस इंतजार करिये और आगे-आगे देखते जाइये।

झारखंड हाइकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा

सात साल से क्यों लंबित है जेटेट परीक्षा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा से संबंधित दायर एक याचिका पर मंगलवार को झारखंड हाइकोर्ट में सुनवाई हुई। यह सुनवाई चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने की। सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार से पूछा है कि साल 2016 के बाद से अब तक झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा क्यों नहीं हुई है। अदालत ने राज्य सरकार को एक सप्ताह में शपथ पत्र दाखिल कर जवाब देने को कहा है।

20 को होगी सुनवाई

जेटेट से संबंधित याचिका झारखंड सीटेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी संघ की ओर से दायर की गयी है। संघ की ओर से सूरज बिहारी मंडल और अन्य ने रिट याचिका दाखिल की है। मंगलवार को हुई सुनवाई के बाद कोर्ट ने 20 जून को अगली सुनवाई की तारीख रखी है। प्रार्थी की ओर से वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार, अधिवक्ता कुशल कुमार और विशाल कुमार ने पैरवी की।

क्या है दायर याचिका में

झारखंड सीटेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी संघ की ओर से दायर जनहित याचिका में अदालत से यह गुहार लगायी गयी है कि वह राज्य सरकार को जल्द से जल्द टेट लेने का आदेश दे। प्रार्थी ने याचिका में कहा है कि बीते 7 वर्षों से झारखंड में जेटेट की परीक्षा आयोजित नहीं हुई है।

चार लाख छात्र नियुक्ति से हो जायेंगे वंचित

दायर याचिका के माध्यम से प्रार्थियों ने कोर्ट को बताया है कि राज्य सरकार वर्ष 2016 के बाद से बिना जेटेट लिये शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। ऐसा होने से करीब चार लाख अभ्यर्थी शिक्षक नियुक्ति परीक्षा में शामिल होने से से वंचित हो जायेंगे। झारखंड में पिछले 12 वर्ष में मात्र दो बार जेटेट की परीक्षा हुई।

बीरेंद्र राम की पत्नी और पिता ने इडी कोर्ट से मांगी अग्रिम जमानत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जेल में बंद ग्रामीण विकास विभाग के पूर्व चीफ इंजीनियर बीरेंद्र राम की पत्नी और पिता ने अग्रिम जमानत अर्जी इडी कोर्ट में दाखिल की है। बीरेंद्र राम के पिता गेंदा राम और पत्नी राजकुमारी देवी ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है। फिलहाल दोनों पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। टेंडर मैनेज कर करोड़ों रुपये की अवैध कमाई करने के इडी के केस में दाखिल प्रॉसिक्यूशन कंप्लेन में बीरेंद्र राम के पिता गेंदा राम और पत्नी राजकुमारी देवी का नाम भी शामिल था, जिसके बाद कोर्ट ने दोनों के खिलाफ समन जारी किया है।

22 फरवरी को इडी ने इंजीनियर वीरेंद्र राम को किया था गिरफ्तार

बता दें कि इडी ने बीते 22 फरवरी को आय से अधिक संपत्ति मामले में इंजीनियर बीरेंद्र राम को गिरफ्तार किया था। इससे एक दिन पहले 21 फरवरी को इडी ने पूर्व चीफ इंजीनियर बीरेंद्र राम के 24 ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान इडी नेलगभग डेढ़ करोड़ के जेवरात सहित देश के कई शहरों में करोड़ों के निवेश से जुड़े दस्तावेज बरामद किये थे। इस केस में इडी बीरेंद्र राम के रिश्तेदार आलोक रंजन को भी गिरफ्तार कर चुकी है।

लोगों को आतंकित करने के लिए की गयी थी नरेश भोक्ता की हत्या

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) की जांच में खुलासा हुआ है कि लोगों को आतंकित करने के उद्देश्य से नरेश सिंह भोक्ता की हत्या की गयी थी। इस साजिश में भाकपा माओवादी के शीर्ष कमांडरों की संलिप्तता का भी खुलासा हुआ है। नरेश सिंह

एनआइए जांच में खुलासा

भोक्ता की हत्या में प्रयुक्त हथियार और वाहन बरामद कर लिए गये हैं। **तीन नक्सलियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल :** नरेश भोक्ता हत्याकांड मामले में एनआइए ने चार्जशीट दाखिल की है। एनआइए ने विनय यादव, नवल और जिलेबिया यादव के खिलाफ आइपीसी और यूए (पी) अधिनियम 1967 की विभिन्न धाराओं के तहत चार्जशीट दायर की है। बता दें कि एनआइए द्वारा मामले में झारखंड और बिहार में सात ठिकानों पर तलाशी ली गयी थी। इस मामले में अब तक नौ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

www.epaper.azadsipahi.in

14 जून, 2023
आषाढ़, कृष्ण पक्ष, एकादशी
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
बुधवार, वर्ष 08, अंक 234

बंगाल में ओबीसी का आरक्षण छीन देशद्रोही ताकतों को दिया जा रहा बढ़ावा : नड्डा

केंद्र सरकार का आठ महीने में छठा रोजगार मेला

हमने नौकरी से खत्म किया भाई-भतीजावाद : नरेंद्र मोदी

● प्रधानमंत्री ने 70 हजार से ज्यादा लोगों को नियुक्ति पत्र दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस, टीएमसी और राष्ट्रीय जनता दल सहित तमाम विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधा है। उन्होंने बिना नाम लिये कहा कि वंशवादी दल भाई-भतीजावाद की राजनीति करते हैं और भ्रष्टाचार की राजनीति में लिप्त हैं। वहीं भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारें युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। प्रधानमंत्री मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित कर रहे थे। केंद्र सरकार का यह आठ महीने में छठा रोजगार मेला था। इस दौरान उन्होंने विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में लगभग 70 हजार नियुक्ति पत्र वितरित किये। अब तक 4.33 लाख युवाओं को नौकरी मिल चुकी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे खुशी है कि आज नौकरी भाई-भतीजावाद की राजनीति से मुक्त हो गयी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक तरफ वंशवादी पार्टियां हैं, जो भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, युवाओं की लूट में लिप्त हैं। उनका तरीका है 'रेट कार्ड', जबकि हम युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की रक्षा के लिए काम करते हैं। रेट कार्ड आपके सपनों को नष्ट कर देते हैं। जबकि हम सपनों को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। देश तय करेगा कि युवाओं का भविष्य रेट कार्ड से चलेगा या सेफगार्ड से।

मोदी ने पश्चिम बंगाल में हुए शिक्षक भर्ती घोटाले और रेलवे में जमीन के बदले नौकरी का भी जिक्र किया। उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा कि घोटाला और जनता के पैसे का दुरुपयोग पहले के शासन की पहचान थी। जबकि आज, भारत अपनी राजनीतिक स्थिरता, एक निर्णायक सरकार वाले देश के रूप में पहचाना जाता है। आज भारत सरकार को उसके प्रगतिशील आर्थिक और सामाजिक फैसलों के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक एजेंसियां ईज ऑफ लिविंग, इंफ्रास्ट्रक्चर बिल्डिंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में काम को स्वीकार कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा रोजगार सृजन के लिए शुरू किये गये विभिन्न कदमों का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी के अमृतकाल में जिन युवाओं को नौकरी मिली है, अगले 25 साल में इन लोगों को विकसित भारत के सपने को साकार करना है।

रांची में 151 लोगों को दिया गया नियुक्ति पत्र

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड की राजधानी रांची में रोजगार मेला कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑनलाइन जुड़े। यहां जनजातीय कार्य मंत्रालय के मंत्री अर्जुन मुंडा ने कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने राज्य के 151 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिये। इन युवाओं की नियुक्ति वित्तीय सेवा विभाग, डाक विभाग, स्कूली शिक्षा विभाग, उच्चतर शिक्षा विभाग, रक्षा मंत्रालय, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, रेल मंत्रालय, लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग तथा गृह मंत्रालय आदि विभिन्न विभागों में हुई है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, विधायक सीपी सिंह और समरी लाल, आर्थिक सलाहकार सुधीर श्याम, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के महाप्रबंधक मनोज कुमार, उप-महाप्रबंधक रणवीर सिंह, बैंक ऑफ इंडिया, रांची अंचल के संजीव कुमार सिंह समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

वृंदावन में प्रेम मंदिर के गोदाम में लगी भीषण आग

मथुरा। मथुरा के वृंदावन में प्रेम मंदिर के गोदाम में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि धुएं का गुबार एक किलोमीटर दूर तक देखा जा रहा था। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गयीं। आग पर काबू पाने के लिए प्रयास शुरू कर दिये हैं। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। आग शाम के समय लगी। गोदाम से आग की लपटों को उठता देख मौजूद कर्मचारियों के होश उड़ गये। फायर विभाग को सूचना देने के साथ ही आग पर काबू पाने के लिए प्रयास शुरू कर दिये गये, लेकिन आग तेजी से बढ़ती ही जा रही थी। सूचना मिलने के बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गयीं। दमकल कर्मियों ने आग बुझायी।

भूमि घोटाला : इडी ने भेजा समन, होगी पूछताछ

व्यवसायी विष्णु अग्रवाल को इडी ने 21 को बुलाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने जमीन घोटाला मामले में एक बार फिर व्यवसायी विष्णु अग्रवाल को समन भेजा है। उन्हें 21 जून को हिनू स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने को कहा है। इससे पहले इडी ने आठ मई को अग्रवाल को पूछताछ के लिए बुलाया था। वह इडी कार्यालय पहुंचे भी थे और हाल में ऑपरेशन होने की बात कही थी। डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी थी। अग्रवाल ने इडी अधिकारियों को स्वास्थ्य से संबंधित जरूरी कागजात दिखाये थे। इडी ने उनसे बिना पूछताछ किये, उस दिन जाने की अनुमति दे दी थी।

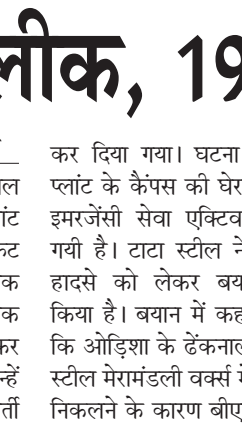

इडी ने एक बार फिर उन्हें 21 जून को पेश होने के लिए समन भेजा है। इस मामले में इडी ने अब तक रांची के पूर्व उपायुक्त निलंबित आइएएस छवि रंजन, कारोबारी अमित अग्रवाल समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये सभी हिरासत में हैं।

इडी ने इनके खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल कर दिया है। इस मामले में व्यवसायी विष्णु अग्रवाल का भी नाम सामने आया था। उन्होंने भी भूमि खरीदी है। इडी उनसे इस संबंध में पूछताछ करेगी।

अभिषेक विदेशी करेंसी का नहीं दे पाये सबूत

रांची (आजाद सिपाही)। मनी लांड्रिंग मामले के आरोपी निलंबित आइएएस पूजा सिंघल के पति अभिषेक झा अब तक विदेशी करेंसी भारत लाने का कोई पुख्ता साक्ष्य नहीं दे पाये हैं। अभिषेक झा ने डॉलर को रुपये में एक्सचेंज किये गये पैसों को भारतीय बैंक में जमा तो किये, लेकिन यह स्पष्ट तौर पर नहीं बताया कि पैसा आने का जरिया क्या था। अभिषेक झा ने 2009 और 2011 के बीच सात बार ऑस्ट्रेलिया और भारत की ट्रिप से 74 हजार 450 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर लाये। उन्होंने यह दावा किया है कि यह रकम उन्होंने अपनी नौकरी के दौरान अर्जित की थी। भारतीय करेंसी में इस पैसे की कीमत 31.89 लाख रुपये है। नियमों के मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति पांच हजार या उससे ज्यादा डॉलर लाता है और उसे भारतीय रुपयों में बदलता है, तो करेंसी डिक्लेरेशन फॉर्म भरना जरूरी होता है। अभिषेक झा ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने सबसे ज्यादा पैसे पलामू में जमा किये, जहां निलंबित आइएएस पूजा सिंघल 19 जुलाई 2010 से लेकर 8 जून 2013 तक डीसी थीं।

ओड़िशा के टाटा स्टील प्लांट में भाप लीक, 19 लोग झुलसे

आजाद सिपाही संवाददाता

ढेंकनाल। ओड़िशा के ढेंकनाल स्थित टाटा स्टील के एक प्लांट में मंगलवार को स्टीम पाइप फट गयी। इससे प्लांट में भाप लीक होने लगी। जानकारी के मुताबिक इस हादसे में साइट पर काम कर रहे 19 कर्मचारी झुलस गये। उन्हें पहले कैंपस के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां शुरुआती इलाज के बाद उन्हें कटक रेफर कर दिया गया। घटना के बाद प्लांट के कैंपस की घेराबंदी कर इमरजेंसी सेवा एक्टिव कर दी गयी है। टाटा स्टील ने भी इस हादसे को लेकर बयान जारी किया है। बयान में कहा गया है कि ओड़िशा के ढेंकनाल में टाटा स्टील मेरामंडली वर्क्स में भाप के निकलने के कारण बीएफपीपी-2 पावर प्लांट में दुर्घटना की खबर है। इससे कुछ कर्मचारी प्रभावित हुए हैं। घटना मंगलवार दोपहर एक बजे के आसपास हुई। हम घटना से प्रभावित कर्मचारियों के परिवार से संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उनकी मदद की जा सके। कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। हम अधिकारियों के साथ मिल कर दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

मांझी के बेटे ने नीतीश कैबिनेट से दिया इस्तीफा

● नीतीश कैबिनेट में दो नये मंत्री बनाये जाने की चर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार ने 23 जून को पटना में विपक्षी एकता के लिए 18 दलों की बैठक बुलायी है। बैठक से 10 दिन पहले मंगलवार को बिहार की महागठबंधन सरकार से हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के एक मंत्री ने इस्तीफा दे दिया। हम के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के बेटे संतोष सुमन ने नीतीश कुमार को इस्तीफा भेज दिया है। सरकार ने इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। सुमन अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण मंत्री थे। बिहार में पार्टी के चार विधायक हैं। इधर, इस्तीफे के बाद नीतीश कैबिनेट का विस्तार करने की चर्चा है। दो नये मंत्री बनाये जा सकते हैं।

इस्तीफा देने के बाद संतोष सुमन ने कहा कि नीतीश कुमार हमारा अस्तित्व खत्म करना चाहते हैं। वह हमारी पार्टी हम का विलय अपनी पार्टी जदयू में करवाना चाहते हैं। पार्टी बचाने के लिए हमने इस्तीफे का विकल्प चुना है। अभी हम सरकार से अलग हुए हैं, महागठबंधन से नहीं। महागठबंधन में रखना है या नहीं, यह लालू और नीतीश तय करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, मांझी के एनडीए में जाने की चर्चा है। हालांकि संतोष सुमन ने कहा कि इस पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। हम अकेले भी चुनाव लड़ सकते हैं। फिलहाल हम महागठबंधन के साथ हैं।

इस्तीफे के बाद डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव सीएम नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे। दोनों में चर्चा हुई। फिर सरकार में शामिल सभी दलों की मीटिंग बुलायी गयी। बताया जा रहा है कि कांग्रेस और जदयू के कोटे से मंत्री बनाये जायेंगे। संतोष सुमन की जगह रत्नेश सदा को मंत्री बनाया जा सकता है। वह मांझी समाज से आते हैं और सहरसा के सोनवर्षा से जदयू विधायक हैं।

तूफान : बिपरजॉय से पहले गुजरात-मुंबई के तटीय इलाकों में आंधी-बारिश

मुंबई, भुज और राजकोट में सात की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

पोरबंदर/मुंबई। अरब सागर में उठा तूफान बिपरजॉय गुजरात की ओर बढ़ रहा है। यह तूफान 15 जून की दोपहर को कच्छ जिले के जखौ पोर्ट से टकराने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को तूफान कुछ कमजोर हुआ है। हालांकि यह अब भी खतरनाक ही है। 15 जून को जब यह गुजरात तट से टकरायेगा, तो 150 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है। तूफान के चलते गुजरात और मुंबई के तटीय इलाकों में आंधी-बारिश का दौर जारी है, जिसमें सात लोगों की मौत की खबर है।

जानकारी के मुताबिक तूफान के चलते गुजरात और महाराष्ट्र में हुई पांच मौतों में दो बच्चे भी शामिल हैं। ये बच्चे भुज के हैं। इन पर दीवार गिर गयी थी। राजकोट में एक महिला पर पेड़ गिर गया।

वहीं, मुंबई के जुहू बीच पर घूमने गये पांच में से चार लड़के समुद्र में डूब गये थे। मंगलवार को इनके शव बरामद हुए। कच्छ, द्वारका, पोरबंदर, जामनगर, राजकोट, जूनागढ़ और मोरबी जिले में 14-15 जून के दौरान अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गयी है। तूफान के चलते 15 जून को कच्छ, द्वारका, जामनगर में 20 जून तक बारिश होने की संभावना है। इसके चलते निचले इलाकों में बाढ़ आने का अनुमान है। मछुआरों को 16 जून तक समुद्र में ना जाने को कहा गया है। गुजरात में 14 जून के लिए ऑरेंज अलर्ट और 15 जून के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। मुंबई के समुद्र किनारे रेड अलर्ट के लिए फ्लैग लगाया गया है।

गुजरात की 67 ट्रेनें रद्द, 25 ट्रेन दूसरे स्टेशनों से चलेंगी

बिपरजॉय के चलते पश्चिम रेलवे ने चक्रवात संभावित क्षेत्रों में एहतियात के तौर पर 67 ट्रेन को पूरी तरह से रद्द करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही सौराष्ट्र के ओखा, पोरबंदर और जामनगर से चलने वाली 25 ट्रेन अब राजकोट, सुरेंद्रनगर और अहमदाबाद से चलेंगी।

लोगों को सेफ जगह पहुंचाने को कहा

तूफान की स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक इमरजेंसी मीटिंग की, जिसमें गृह मंत्रालय, ठउक्क्ष और सेना के अधिकारी मौजूद रहे। ढट ने खतरे वाली जगहों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम 24 घंटे खुले रहें और हालात पर नजर रखें।

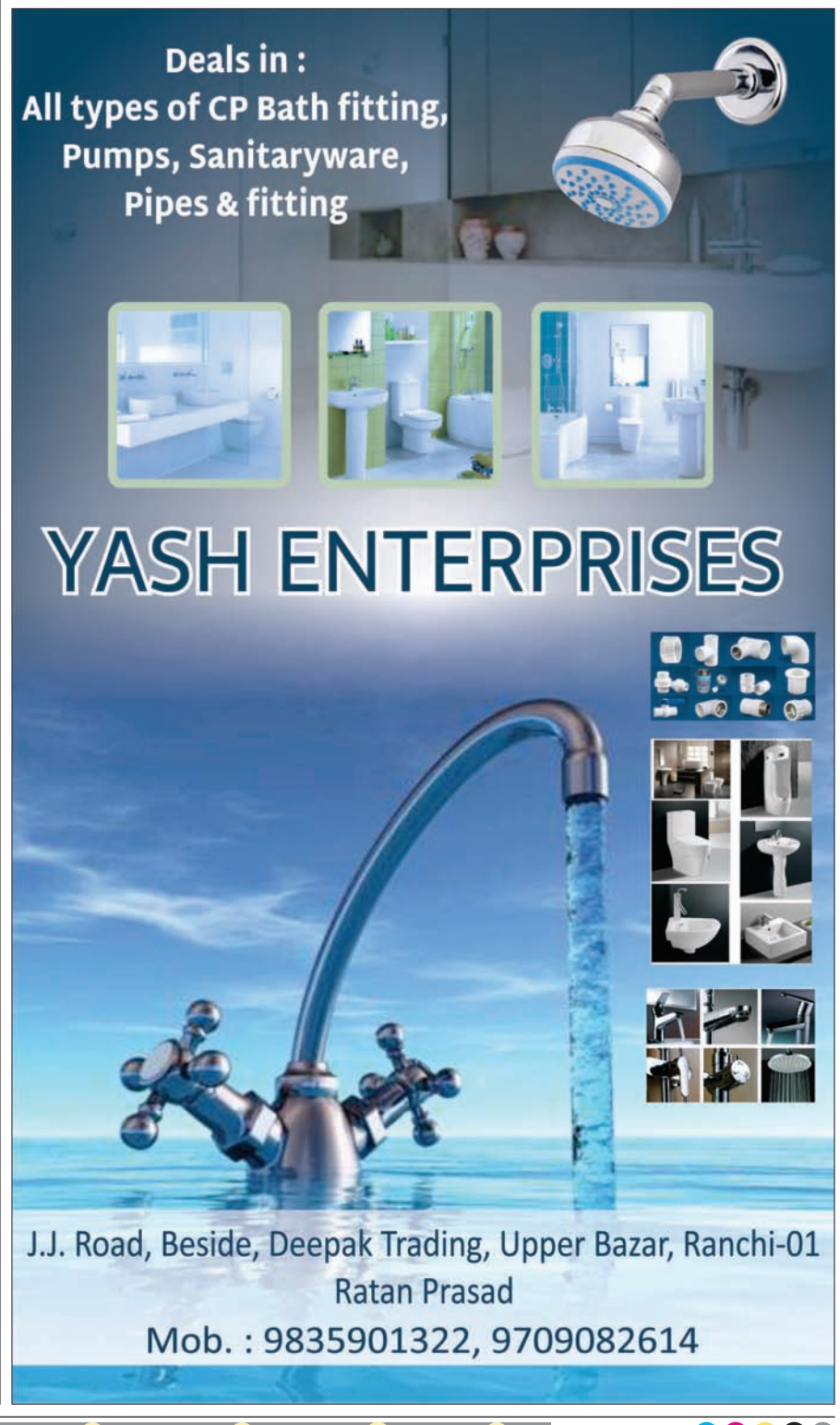

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

यौन उत्पीड़न की शिकार बेटियों से सबूत मांगना शर्मनाकः झामुमो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झामुमो पार्टी महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने मंगलवार को पार्टी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि ओलंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियन गेम्स में देश को गौरवान्वित करनेवाली महिला पहलवान और दूसरे खिलाड़ी जनवरी से दिल्ली में आंदोलनरत हैं। इस दौरान सुप्रियो ने भाजपा सांसद बृज भूषण सिंह पर कुछ महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोप और इस मामले में दिल्ली पुलिस की जांच को लेकर सवाल उठाये। कहा कि पिछले दिनों गृह मंत्री ने खिलाड़ियों से कहा था कि कानून अपना काम करेगा। फिर खेल मंत्री ने कहा कि 15 जून तक चार्जशीट दायर हो जायेगी, अब दिल्ली पुलिस सांसद के खिलाफ आरोप लगानेवाली महिलाओं से सबूत मांग रही है। उन्होंने मारपीट की शिकायत दर्ज नहीं करायी थी, जो चोट के निशान दिखा पाती। यौन शोषण, यौन अत्याचार की भुक्तभोगी महिलाएं कहीं वीडियो रिकॉर्डिंग रख सकती हैं क्या। पीड़ित महिलाओं के अंगों को गलत नीयत से स्पर्श किया गया, आलिंगन किया गया, इसकी रिकॉर्डिंग कैसे संभव है। ऐसे में लगता है कि केंद्र अपने एक सांसद के जघन्य अपराध को गौरवान्वित कर रहा है। गृह मंत्री बतायें कि कानून किस दिशा में और कैसे काम कर रहा है। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि सांसद बृज भूषण सिंह के खिलाफ यौन शोषण, यौन अत्याचार का आरोप लगाते हुए कई खेल रत्न दिल्ली में धरना पर बैठे। तब खेल मंत्री ने जांच कमिटी बनायी, इसकी रिपोर्ट सामने नहीं आयी। लोग पूछने लगे कि एफआइआर क्यों दर्ज नहीं हो रही। अंततः सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के बाद सांसद के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई। पोक्सो एक्ट लगा, पर नियमतः गिरफ्तारी नहीं हुई। उल्टा उसकी ओर से दबाव देकर बयान बदलवाया गया। अब तो इस एक्ट को भी हटा लिया गया है। 28 मई को अब संसद के नये भवन का पीएम उद्घाटन कर रहे थे, तो पहलवानों को घसीटा गया, पीटा गया, कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हुए। जब समाज सामने आया, तो गृह मंत्री ने अपने पास पहलवानों को बुलाया और कहा कि कानून अपना काम करेगा। फिर खेल मंत्री ने भी बुलाया, सहमति बनी कि 15 जून तक चार्जशीट जमा हो जायेगी, पर अब खबर सामने आयी है कि दिल्ली पुलिस आरोपियों से सबूत मांग रही है। यौन शोषण, यौन अत्याचार का सबूत कोई कैसे दे सकता है।

बिट्टू खान हत्याकांड का खुलासा, पांच गिरफ्तार

जेल में बंद राज वर्मा के निर्देश पर हुई थी तनवीर की हत्या

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। बरियातू थाना पुलिस ने तनवीर अहमद उर्फ बिट्टू खान हत्याकांड का खुलासा करते हुए पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में डोरंडा निवासी रोहन कुमार उर्फ रोहन श्रीवास्तव, मो आरीफ, अंकित कुमार सिंह, दीपक कुमार सिंह और अंकुश कुमार सिंह उर्फ लकी शामिल हैं। इनके पास से 7.65 एमएम की दो देशी पिस्तौल, तीन गोली, दो बाइक, चार मोबाइल बरामद किया गया है। एसएसपी किशोर कौशल ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि गत 6 जून को तनवीर अहमद उर्फ बिट्टू की गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी। मामले को लेकर तनवीर की मां नाजमा खातून ने थाने में हत्या का मामला दर्ज कराया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी एसपी शुभांशु जैन और सदर डीएसपी प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में एक विशेष अनुसंधान दल (एसआइटी) का गठन किया गया। एसआइटी ने तकनीकी अनुसंधान के सहयोग से हत्या में शामिल पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया। एसएसपी ने बताया कि तनवीर को मारने का प्लान दो-तीन माह पूर्व ही बनाया गया था। अंकित कुमार सिंह को एदलहातू टीओपी और दीपक कुमार सिंह को तनवीर के घर की रेकी का काम सौंपा गया था। 3 जून को जेल में बंद राज वर्मा से निर्देश प्राप्त करने के लिए दीपक कुमार सिंह और अंकुश कुमार सिंह जेल में मिलने गये थे। जेल में बंद राज वर्मा के निर्देश पर घटना को अंजाम दिया गया। घटना के दिन एक बाइक पर दुर्गा और अभिषेक मल्लिक था। बाइक दुर्गा चला रहा था। अभिषेक मल्लिक के पास पिस्तौल थी। दूसरी बाइक पर रोहन श्रीवास्तव और रोहित मुंडा उर्फ बीड़ी बैठा था। रोहित मुंडा उर्फ बीड़ी पिस्तौल लेकर पीछे बैठा था। दोनों ने तनवीर पर फायरिंग की और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी थी। घटना को अंजाम देने के बाद डोरंडा के मो आरिफ के पास आर्म्स और बाइक छिपाने के लिए दिया गया था। एसएसपी ने बताया कि रोहन कुमार उर्फ रोहन श्रीवास्तव के खिलाफ रांची के चार थानों में पूर्व से मामला दर्ज है, जबकि मो आरिफ के खिलाफ पूर्व से पांच मामले दर्ज हैं। दीपक कुमार सिंह पर दो मामले पूर्व से दर्ज हैं।

डॉ पीके चौधरी रांची विवि के समाजशास्त्र विभाग के प्रमुख बने

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 2000 के प्रावधानों के तहत निहित शक्ति का प्रयोग करते हुए, कुलपति ने डॉ पीके चौधरी, वर्तमान में एसोसिएट प्रोफेसर को दो साल या सेवानिवृत्ति की तारीख तक के लिए रांची विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग का प्रमुख बनया है।

श्री राधा कृष्ण मंदिर में सुंदरकांड पाठ का समापन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मां भवानी सेवा मंडल के द्वारा 8 दिनों से चल रहे श्री हनुमान चालीसा और सुंदरकांड के पाठ का समापन किया गया। इस अवसर पर सामूहिक रूप से प्रतिदिन शाम 4:00 बजे से 6:00 बजे तक सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ महिलाओं और पुरुषों के द्वारा किया गया। श्री राधा कृष्ण मंदिर के मीडिया प्रभारी अरुण जसूजा से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 16 जून को वन बंधु परिषद रांची चैप्टर के द्वारा अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त एकल सुर ताल के कलाकार वृंद के द्वारा प्रातः 8:00 बजे से श्री सुंदरकांड का पाठ किया जायेगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रधान मनोहर लाल जसूजा, चंद्रभान जी तलेजा, रामचंद्र जी तलेजा, केसर पपनेजा, मनोज किंगर, हरीश अरोड़ा, कौशल्या देवी, पूनम तलेजा, लाजवंती किंगर, राज देवी मनुजा, शकुंतला देवी मुंजाल, ज्योति अरोड़ा, नीलम अरोड़ा, राधा देवी तलेजा, बबीता पपनेजा, शशि किंगर, रेखा घई, रूबी अरोड़ा, निशा तलेजा, करुणा मुंजाल, श्वेता चावला, सुनीता कात्यान, कामना खत्री, संगीता मिढा, रश्मि कटपाल, संगीता मादनपोत्रा, दीपाली अरोड़ा, रिया घई, भावना किंगर और इनके और इनके अलावा समाज के कई लोगों का योगदान रहा।

राजनयिकों के साथ बैठक में शामिल हुए सांसद संजय सेठ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय संसदीय दल की ब्राजील यात्रा के दूसरे दिन मंगलवार को वहां के राजनयिकों के साथ बैठक हुई। इस दौरान ब्राजील में संसदीय दल ने केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी के साथ महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सांसद संजय सेठ ने कहा कि महात्मा गांधी न सिर्फ भारत, बल्कि दुनिया के आदर्श हैं। उनका पूरा जीवन, उनका विचार पूरी दुनिया में स्वीकार्य है। बैठक के बाद सांसद ने बताया कि बैठक में राजनीतिक सहभागिता, व्यापारिक संबंध, निर्यात में वृद्धि, ऊर्जा सुरक्षा, इथेनॉल, खाद्य सुरक्षा, किसानों की आय दोगुना करना, रक्षा सहयोग सहित कई मुद्दों पर बातचीत हुई। बताया कि भारत और ब्राजील के बीच राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूर्ण हुए। भारत और ब्राजील दो विकासशील देश हैं, जो लोकतंत्र बहुलवाद और अन्य बुनियादी मूल्यों को एक दूसरे से साझा करते हैं। जी20, ब्रिक्स और जी 4 के सदस्य के रूप में दोनों का एक दूसरे से करीबी लगाव है। दोनों देशों के बीच व्यवसाय, राजनयिक संबंधों पर भी चर्चा हुई। ब्राजील भारतीय सामानों के लिए आठवां सबसे बड़ा बाजार है और इसमें लगातार उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। वहीं ऊर्जा सुरक्षा को लेकर भारत और ब्राजील दोनों ही मिल कर बेहतर काम कर रहे हैं। सांसद ने कहा कि ब्राजील भारत के लिए खाद्य तेलों का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। विशेष रूप से सोया और सूरजमुखी के तेल की आपूर्ति ब्राजील बड़ी मात्रा में भारत को करता है। दुग्ध उत्पादन के माध्यम से किसानों की आय दोगुनी हो, इसे लेकर दोनों ही देशों के बीच कई प्रकार के कार्यक्रम चलते हैं। दोनों देश आपसी समन्वय के साथ गायों के दूध देने की क्षमता में वृद्धि हो, इस पर काम करते हैं। यही वजह है कि भारत में गिर गायों की नस्ल में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है।

मतदाता सूची का अंतिम पुनरीक्षण कार्यक्रम 17 अक्टूबर से शुरू होगा

हर नागरिक प्रजातंत्र के उत्सव चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाये : के रवि कुमार

एक हजार पुरुष मतदाता के अनुपात में 946 महिलाएं

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा है कि मतदाता सूची से छूटे हर नागरिक को सूची से जोड़ा जायेगा। इसके लिए वृहद कार्यक्रम बनाया गया है। चुनाव आयोग का उद्देश्य है कि हर नागरिक प्रजातंत्र के उत्सव चुनाव में अपनी सक्रिय भूमिका निभाये। लोकसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए मतदाता सूची का अंतिम पुनरीक्षण कार्यक्रम 17 अक्टूबर से शुरू होगा। इससे पहले पहले पुनरीक्षण गतिविधियां होंगी, जिसके तहत 21 जुलाई से 21 अगस्त तक बूथ लेवल ऑफिसरों द्वारा घरों का सत्यापन किया जायेगा। इस दौरान बूथ लेवल ऑफिसर दो बार घरों का भ्रमण करेंगे। 22 अगस्त से 29 सितंबर तक मतदाता सूची और फोटो पहचान पत्र में त्रुटियों का निराकरण किया जायेगा। इसके साथ ही मतदान केंद्रों का रेशनलाइजेशन होगा। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने मंगलवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण की गतिविधियां 17 अक्टूबर को मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ शुरू होंगी। उन्होंने कहा कि 17 अक्टूबर से 30 नवंबर तक इस पर आपत्तियां ली जायेंगी। दावा और आपत्ति समर्पित करने की अवधि के दौरान दो शनिवार तथा दो रविवार विशेष अभियान चलाया जायेगा। 26 दिसंबर तक प्राप्त दावा और आपत्ति का निराकरण किया जायेगा। इसके बाद 5 जनवरी 2024 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जायेगा। इसी मतदाता सूची का उपयोग अगले वर्ष होनेवाले लोकसभा चुनाव में होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग का प्रयास है कि कोई भी योग्य मतदाता मतदान से वंचित न हों। नये मतदाता जिन्होंने 1 अप्रैल 2023, 1 जुलाई 2023 और 1 अक्टूबर 2023 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका है, वह भी मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए रजिस्ट्रेशन करा सकता है। उन्होंने कहा कि आयोग का महिला, दिव्यांग, बुजुर्ग, थर्ड जेंडर, सेक्स वर्कर और आदिम जनजाति को मतदाता सूची से जोड़ने पर विशेष फोकस रहेगा। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची से जोड़ने की पूरी प्रक्रिया डिजिटल होने से अब त्रुटि की गुंजाइश हद तक खत्म हो गयी है। यही कारण है कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने के 28 दिन के भीतर स्पीड पोस्ट से वोटर कार्ड मतदाता के पते पर पहुंच जाता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के मुकाबले शहरी क्षेत्रों में मतदाता सूची से लोगों को जोड़ने में थोड़ी परेशानी आती है। इसका कारण शहर का विस्तार और नयी जगहों पर मकान, अपार्टमेंट आदि का लगातार निर्माण है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि झारखंड में महिला-पुरुष मतदाता अनुपात लगातार सुधर रहा है। एक हजार पुरुष मतदाता के अनुपात में पहले 909 महिलाएं थीं, जो अब 946 हो गया है।

डुमरी विधानसभा उपचुनाव की घोषणा कभी भी

डुमरी विधानसभा उपचुनाव के एक सवाल पर के रवि कुमार ने कहा कि केंद्रीय निर्वाचन आयोग कभी भी इसकी घोषणा कर सकता है। दो महीने से अधिक समय से यह सीट रिक्त है। हालांकि, अभी आयोग से कोई निर्देश नहीं आया है।

आरयू मास कॉम के छात्रों ने सीखा रेडियो प्रोडक्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। स्कूल आफ मास कम्युनिकेशन के छात्रों ने रांची विश्वविद्यालय के कम्यूनिटी रेडियो खांची का भ्रमण कर रेडियो प्रोडक्शन, डिजिटल रिकार्डिंग तकनीक, साउंड एडिटिंग तथा प्रसारण विधि को देखा और सीखा। रेडियो खांची के एंकर तथा प्राड्यूसर वैभवी और रंजन ने छात्रों को सभी चीजों को बारीकी से बताया। छात्रों ने कहा कि वह अब तक रेडियो प्रोडक्शन और प्रसारण के बारे में सिर्फ थ्योरी पढ़ते आये थे, पर आज सारी प्रक्रियाओं को प्रायोगिक तौर पर देखना, सीखना बिल्कुल ही नया और रुचिकर अनुभव है।

मेला : रथ के निर्माण और रंगरोगन के साथ कलाकृति के लिए ओड़िशा के पुरी से कारीगर आये हैं

जगन्नाथ रथयात्रा मेला को लेकर तैयारियां शुरू, सजने लगीं दुकानें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के जगरनाथपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर में हर साल की तरह इस बार भी भव्य और हर्षोल्लास के साथ रथ मेला का आयोजन होनेवाला है। इसे लेकर तैयारियां शुरू हो गयी हैं। रथ निर्माण का कार्य भी जोरों से चल रहा है। रथों के निर्माण और रंगरोगन के साथ कलाकृति के लिए ओड़िशा के पुरी से कारीगर आये हैं। वे तेजी से अपना काम कर रहे है।

सजने लगी दुकानें और स्टॉल

रथ मेला को लेकर मेला परिसर में अभी से स्टॉल और दुकानें सजने लगी हैं। कई बड़े-बड़े मनोरंजन के साधन भी लगाये जा रहे हैं। आपको बता दें, रथ यात्रा मेला में शहर की दुकानों में ना मिलने वाले सामान आसानी से मेला परिसर में आपको मिल जायेगा। इसे लेकर दुकानदार अभी से तैयारी में जुट गये हैं। जगह-जगह पर अपने स्टॉल और दुकानें लगा रहे हैं। इस मेला में शामिल होने के लिए लोग दूसरे राज्य से और राज्य के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ का दर्शन करने पहुंचते हैं। भगवान जगन्नाथ का 4 जून (रविवार) दोपहर 1:00 बजे महास्नान का अनुष्ठान हुआ था। उसके बाद करीब 3:30 बजे भगवान जगन्नाथ अपनी बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के साथ एकांतवास में चले गये हैं। एकांतवास 15 दिन बाद यानी 19 जून को खत्म होगा। एकांतवास खत्म होने के बाद भगवान जगन्नाथ का श्रृंगार किया जायेगा। इसके बाद उन्हें गर्भगृह से बाहर निकाला जायेगा और तब श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ का दर्शन कर पायेंगे। इस बीच कई अनुष्ठान होंगे, जिसके बाद वे अपने मौसी के यहां मौसीबाड़ी के लिए प्रस्थान करेंगे। बता दें कि भगवान 19 जून को एकांतवास खत्म कर गर्भगृह से वापस लौटेंगे। इस दिन रात के 9 बजे पट्ट को फिर से खोला जायेगा। पट्ट खोलने के बाद महास्नान, षोडशो उपचार, पूजन, गर्भगृह का पूजन, महा श्रृंगार के बाद 20 जून की सुबह आरती के बाद श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ, भाई बलराम और बहन सुभद्रा का दर्शन कर पायेंगे। 20 जून को रथयात्रा मेला का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ होगा। इस दिन भगवान जगरनाथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ में सवार होकर अपनी मौसी के यहां जायेंगे। इसे मौसीबाड़ी के नाम से जाना जाता है। इस दिन लाखों की तादाद में श्रद्धालु शामिल होंगे और भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा का दर्शन करेंगे। भगवान जगन्नाथ अपनी मौसी के यहां नौ दिनों तक रहेंगे यानी अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ भगवान जगन्नाथ का नौ दिनों का प्रवास होगा और इस बीच नौ दिन उत्सव होता है। वहीं नौ दिनों तक अपनी मौसी के यहां प्रवास के बाद भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ 29 जून को मौसीबाड़ी से मुख्य मंदिर वापस लौटेंगे। इस दिन को श्रद्धालु घूरती रथ मेला के तौर पर मनाते हैं और इसी के साथ जगन्नाथ रथ यात्रा मेला का समापन होता है। आपको बता दें, यह मेला लगातार पिछले 333 वर्षों से जारी है।

उपायुक्त ने तैयारी को लेकर की बैठक, दिये कई निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने मंगलवार को जगन्नाथपुर रथ मेला को लेकर बैठक की। बैठक में सर्वप्रथम उपायुक्त ने सभी समितियों के सदस्यों से मेले के आयोजन के संबंध में जानकारी ली। समिति के सदस्यों ने अपनी आवश्यकताओं के संबंध में उपायुक्त को अवगत कराया । बैठक में उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश दिये। इनमें मेले में सुरक्षा के दृष्टिकोण से पांच मुखी मुहाने पर वाच टावर लगाने एवं माइक लाइट की व्यवस्था करने, मेले में पेयजल की व्यवस्था के लिए डीप बोरिंग करने, बिजली-जेनरेटर की व्यवस्था करने, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रथ यात्रा के मार्ग पर मिट्टी- स्टोन डस्ट डालने, मेला परिसर में साफ सफाई रखने, मांस मछली एवं शराब के विक्रय पर प्रतिबंध लगाने, प्रशासनिक शिविर और मीडिया शिविर बनाने, जगरन्नाथ मंदिर एवं मौसीबाड़ी तक सुरक्षा बलों को तैनात करने, सीसीटीवी कैमरा लगाने सहित अन्य निर्देश शामिल है। बैठक में एसएसपी किशोर कौशल, सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

चतरा में राज्यपाल ने किया लोगों से संवाद, करोड़ों की परिसंपत्ति बांटी

आम जनता से जुड़ना राज्यपाल का कर्तव्य: सीपी राधाकृष्णन

- राज्यपाल को दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर
- उपायुक्त ने राज्यपाल को पौधा देकर किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। आम जनता से संवाद कर सरकारी योजनाओं के लाभ की जानकारी लेना और उनकी समस्या से अवगत होना और सरकार तक उसे पहुंचाना राज्यपाल का कर्तव्य है। इसी प्रायोजन के तहत मैने जनता के बीच जाने का फैसला लिया है। लोगों को राजभवन जाने का कष्ट न उठाना पडें, इसलिये मैं वास्तविकता से अवगत होने के लिए आप सबों के बीच उपस्थित हूं। ये बातें झारखंड के राज्यपाल महामहिम सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को जिले के करमा पंचायत भवन मे जनसंवाद और परिसंपति वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा। राज्यपाल ने आगे कहा कि विकास के काई भी काम में अवरोध नहीं होना चाहिए। करमा जैसे छोटे-छोटे पंचायत का विकास होगा तभी प्रखंडों का विकास होगा और प्रखंड का विकास होगा तभी जिले का विकास होगा और जिले के विकास से ही राज्य का विकास होगा और राज्य के विकास से ही देष विकसित होगा। उन्होनें कहा कि कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद जिले के लोगों को व्यापक सुविधायें मिल रही है। महामहिम ने उपस्थित जनसमूह से जिले में उज्जवला योजना, जल जीवन मिषन योजना आदि अन्य संचालित योजनाओं का लाभ उठाने की अपील किया। महामहिम राज्यपाल राजभवन से सडक मार्ग से जिले के करमा पंचायत भवन पहुंचे। इस मौके पर जिला पुलिस द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। साथ ही झारखंड के परंपरागत नृत्य और गीत की प्रस्तुति के साथ उन्हें मंच पर आसीन कराया गया। मंच पर जिले के उपायुक्त अबु इमरान ने राज्यपाल को पौधा भेंट कर उनके चतरा आगमन पर जिला प्रषासन की तरफ से आभार प्रकट किया। इस मौके पर स्थानीय भाजपा विधायक किसुन दास भी उपस्थित थे। उपायुक्त ने महामहिम को जिले का संक्षिप्त परिचय से अवगत कराया तथा जिले में किये जा रहे विभिन्न कार्यों से अवगत कराते हुए खेल, पर्यटन षिक्षा समेत अन्य क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों का उल्लेख किया।

परिसंपत्तियों का वितरण

महामहिम राज्यपाल द्वारा करमा पंचायत सचिवालय में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं से संबंधित परिसंपतियों का वितरण किया गया। इस मौके पर कल्याण विभाग के तहतएक लाभुक को स्वीकृत पत्र, शिक्षा विभाग के दो लाभुकों को नियुक्ति पत्र, 123 स्वयं सहायता समूह की दीदीयों को बैंक क्रेडिज लिंकेज के तहत 1 करोड 20 लाख का चेक, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक लाभुक को गृह प्रवेश हेतू भवन की चाभी, मनरेगा के तहत दो मजदूरों को जॉब कार्ड, भूमि संरक्षण विभाग के एक सखी मंडल को 5 लाख का चेक, परिवहन विभाग के गुड समार्टियन पॉलिसी के तहत एक लाभुक को प्रशस्ति पत्र, सहकारिता विभाग के एक निबंधित सहकारिता समिति को निबंधन प्रमाण-पत्र,जिला समाज कल्याण विभाग के तीन लाभुकों को सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना, तीन लाभुकों को कन्या दान योजना तथा तीन दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल दिया गया। इस कार्यक्रम के दौरान पचन भुइयां की पुत्री काजल कुमारी को अदम्य साहस दिखाते हुए एक डुबते बच्चे को बचाने के लिए वीरता पूर्ण कार्य करने के कारण वीरता प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में उपायुक्त अबु इमरान, पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, डीडीसी उत्कर्ष गुप्ता, अपर समाहर्ता पवन कुमार मंडल, सदर अनुमंडल पदाधिकारी मुमताज अंसारी, समेत अन्य विभागीय पदाधिकारी, पुलिस के जवान के साथ साथ काफी संख्या में दूर-दराज से आये हुए ग्रामीण जनता उपस्थित थे।

महिलाओं से अभद्र व्यवहार करते हैं हंटरगंज बीडीओ: प्रखंड प्रमुख

चतरा। करमा पंचायत सचिवालय में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में उपस्थित हंटरगंज प्रखंड प्रमुख ममता कुमारी द्वारा हंटरगंज प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिशेक पांडेय पर गंभीर आरोप लगाया गया। प्रखंड प्रमुख ने कहा कि प्रखंड विकास पदाधिकारी महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं। निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की बात नहीं सुनते हैं और न ही योजना के चयन में उनकी राय लेते है।राज्यपाल से जांच कर कारवाई करने की मांग की। इस संबंध में प्रखंड प्रमुख ने महामहिम को लिखित आवेदन भी सौंपा। इस आरोप के जवाब में राज्यपाल ने इसकी जांच कर दोषी पाये जाने पर न्याय संगत कारवाई का भरोसा दिया।

छापामारी के दौरान बालू तस्करों ने सीओ से की बदसलूकी, दो आरोपी गये जेल

सिंदरी (आजाद सिपाही)। गोशाला ओपी क्षेत्र के कांड्रा बस्ती में मंगलवार को झरिया सीओ प्रमेश कुशवाहा ने गोशाला पुलिस के सहयोग से बालू के अवैध खनन एवं परिवहन पर कार्रवाई करते हुए दो बालू तस्करों को पकड़ा है। सीओ के लिखित शिकायत पर गोशाला ओपी में भोलानाथ गोराई, मोहम्मद अकरम, अजय सिंह व अन्य के विरुद्ध सरकारी काम में बाधा डालने तथा बालू के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। वहीं पकड़े गये आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई से बालू तस्करों में हड़कंप मच गया है। सीओ ने बताया कि वे दो अंचल गार्ड के साथ बालू के अवैध खनन व परिवहन के मद्देनजर छापामारी करने काण्ड्रा बस्ती पहुंचे। अवैध बालू लदा एक ट्रैक्टर को पकड़ा। इस दौरान उक्त तीनों आरोपी पहुंचे। अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को भगा दिया। उनके साथ गाली गलौज की और उनकी सरकारी गाड़ी की हवा निकाल दी।

राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन रांची ने सीएम के नाम डीसी को सौंपा ज्ञापन

रांची (आजाद सिपाही)। राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार रांची जिला अध्यक्ष संजय साहू के नेतृत्व में सोमवार को मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से कहा गया है कि झारखंड के तेली समाज सहित संपूर्ण पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग के संवैधानिक अधिकारों की उपेक्षा केंद्र और राज्य सरकारें करती आ रही हैं। विगत दिनों राज्य सरकार द्वारा आरक्षण रोस्टर प्रकाशित किया गया था। इसमें पिछड़ा जाति और अति पिछड़ा जाति को सात जिला में आरक्षण शून्य औरं शेष जिलों में न्यूनतम कर दिया गया है। इससे झारखंड के सभी पिछड़ा और अति पिछड़ा समाज उपेक्षित और मर्माहत है। जिला अध्यक्ष के द्वारा बताया गया कि पहले से ही एक गहरी साजिश के तहत क्रीमी लेयर के माध्यम से पिछड़ा और अति पिछड़ा जाति के आरक्षण को छीन लेने का प्रयास किया गया है। इतना ही नहीं, जब सदियों से समाज में जाति आधारित व्यवस्था बनी हुई है, तो फिर जाति आधारित जनगणना क्यों नहीं! उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की कि पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिश के आधार पर पिछड़ा और अति पिछड़ा जाति को अविलंब आरक्षण दिया जाये। क्रीमी लेयर को समाप्त करने के लिए अविलंब उचित कार्रवाई की जाये और जितनी जल्द हो सके जाति आधारित जनगणना करायी जानी चाहिए। यदि मांगें पूरी नहीं हुईं तो जिला से लेकर प्रदेश तक आंदोलन तेज किया जायेगा। मौके पर जिला अध्यक्ष संजय साहू के साथ रामविलास साहू, मनोज साहू, विजय साहू,अनिल साहू उपस्थित थे।

केंद्र का पैसा झारखंड में नहीं हो रहा खर्च: वसुंधरा राजे सिंधिया

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड के भ्रष्टाचार की चर्चा पूरे देश में है। झारखंड में लगातार अधिकारी भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से मिलने वाली विकास की राशि झारखंड सरकार खर्च नहीं कर पा रही है। केंद्र की योजनाओं में झारखंड सरकार बाधा डाल रही है। वसुंधरा मंगलवार को देवघर में मोदी सरकार के नौ साल के उपलक्ष्य में आयोजित जन संपर्क अभियान में बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे के नेतृत्व में गोड्डा लोकसभा क्षेत्र विकास के मामले में मॉडल बना है। गोड्डा में जिस तरह से विकास के काम हुए हैं, मुझे नहीं लगता है कि यहां आने वाले लोकसभा चुनाव में अधिक मेहनत करनी पड़ेगी, लेकिन झारखंड की सभी 14 लोकसभा सीटें इस बार भाजपा की झोली में दिलाने का काम कार्यकर्ता करेंगे। उन्होंने कहा कि आनेवाले लोकसभा चुनाव में एक ऐसी सरकार बनानी है, जो खुद का नहीं, देश का विकास करे, जो खुद का नहीं, लोगों का पेट भरे, जो खुद के लिए नहीं, देश की जनता के लिए सोचे, जो खुद का नहीं, देश का भला करे और ये सिर्फ. नरेंद्र मोदी की एनडीए सरकार ही कर सकती है। साथ ही कहा कि नरेंद्र मोदी के नौ साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की चर्चा देश में ही नहीं विदेशों में भी हो रही है। वसुंधरा ने कहा कि जनधन, उज्ज्वला, कोरोना में बिना वक्त गंवाये देशव्यापी लॉकडाउन, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण, पीएम किसान समृद्धि, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत मिशन, डिजिटल क्रांति, स्टार्ट अप इंडिया, मुद्रा, प्रधानमंत्री आवास, जीएसटी, तीन तलाक की समाप्ति, सर्जिकल और एयर स्ट्राइक, अनुच्छेद 370 की समाप्ति और अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण का अदालती फैसला भी मोदी की बड़ी उपलब्धियां हैं। उल्लेखनीय है कि तीन दिवसीय झारखंड दौरे पर आयी राजस्थान की पूर्व सीएम देवघर में जनसभा करने के बाद दुमका और गिरिडीह में भी जनसभा करेंगी।

भाजपा के महा जनसंपर्क अभियान में जनता का मिल रहा समर्थन : सरोज पांडेय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा की राष्ट्रीय नेता, जनसंपर्क अभियान की झारखंड प्रभारी सांसद सरोज पांडेय मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर रांची पहुंची। प्रदेश कार्यालय में शाम छह बजे उन्होंने प्रदेश भाजपा कार्यालय में महा जनसंपर्क अभियान की प्रदेश टोली की बैठक को संबोधित किया। सरोज पांडेय ने कहा कि देशभर में महा जनसंपर्क अभियान को जनता का अपार समर्थन मिल रहा है। भाजपा का जनसंपर्क अभियान सर्वव्यापी, सर्व समावेशी और सर्व स्पर्शी है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की 9 वर्ष की उपलब्धियां बेमिसाल हैं। जनता तीसरी बार नरेन्द्र मोदी को अपार समर्थन के साथ प्रधानमंत्री बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार के पास कोई उपलब्धियां नहीं हैं। इसलिए महा ठगबंधन सरकार चलाने वाले भाजपा के अभियान से डरे हैं। उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार ने जनता की भलाई के लिए कुछ किया है तो उन्हें प्रचारित करने से कौन रोका है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता सब जानती है और 2024 के चुनाव में ठगबंधन को सबक सिखाने के लिए तैयार है। बैठक में प्रदेश महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा, बालमुकुंद सहाय एवं प्रदेश उपाध्यक्ष गंगोत्री कुजूर ने अंगवस्त्र एवं पुस्तक देकर उनका स्वागत किया। बैठक में गणेश मिश्र, विधायक बिरंची नारायण, प्रशिक्षण प्रमुख मनोज कुमार सिंह, हेमंत दास, सूरज चौरसिया, शिवपूजन पाठक, अमित कुमार सिंह, राहुल अवस्थी, मृत्युंजय शर्मा, राजश्री जयंती, उमाशंकर केडिया, चंदन कुमार आदि उपस्थित थे।

डी राजा समेत पांच राष्ट्रीय सचिव 16 को झारखंड आयेंगे

रांची (आजाद सिपाही)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी राज्य कार्यालय में राज्य सचिव महेंद्र पाठक, जिला सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि राज्य की राजनीतिक परिस्थिति को देखते हुए 2024 के लोकसभा विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के चिन्हित करने राज्य में जल जंगल जमीन की हिफाजत एवं लूट भ्रष्टाचार के विरोध में जन आंदोलन की तैयारी के लिए 16 जून को रांची सीपीआई कार्यालय में राज्य कार्यकारिणी की बैठक एवं रामगढ़ में कार्यकर्ता सम्मेलन एवं दो दिवसीय राज्य परिषद की बैठक होगी। इसमें भाग लेने के लिए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व सांसद डी राजा, राष्ट्रीय सचिव झारखंड प्रभारी अतुल कुमार अंजान, डॉ भालचंद्र कांगो , नारायणा, पूर्व सांसद नागेंद्र नाथ ओझा भाग लेंगे। बैठक की तैयारी के लिए पूरे जोर-शोर से रांची से रामगढ़ तक बड़े काफिले के साथ स्वागत करने की तैयारी की जा रही है।

शिक्षा विभाग छोटे निजी विद्यालयों को बंद करने की साजिश बंद करे : आलोक दुबे

- यू डाइस पोर्टल के भरने के नाम पर छोटे विद्यालयों को बंद करने की साजिश हो रही है

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मंगलवार को प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने बयान जारी कर शिक्षा विभाग के तुगलकी फरमान के विरुद्ध अपनी नाराजगी जताते हुए कहा कि यू डाईस पोर्टल एक सॉफ्टवेयर है, जिसमें विधार्थियों, शिक्षकों के डेटा को भरना होता है, इस कार्य को पूरा नहीं करने पर निजी विद्यालयों को मृत्युदंड दिया जा रहा है। आरटीइ के तहत संपूर्ण राष्ट्र में कहीं भी इस तरह की शर्त नहीं है, ऐसी स्थिति में सिर्फ झारखंड में आरटीइ और यूडायस की कठिन शर्त रखी गयी है, जिसका कोई भी निजी विद्यालय पालन नहीं कर सकता है। कोर्ट के आदेश के खिलाफ पुनः एक बार मान्यता की आवेदन की बात हो रही है। यू डाइस पोर्टल के भरने के नाम पर छोटे विद्यालयों को बंद करने की साजिश हो रही है। लगभग प्रत्येक जिले में इस तरह का इस आशय का पत्र निर्गत किया जा रहा है ऐसी स्थिति में निश्चित रूप से 47000 निधि विद्यालयों में लगभग 40,000 निजी विद्यालय जो काफी छोटे स्तर पर चल रहे हैं, जिसमें झारखंड के लाखों मूलवासी,आदिवासी ग्रामीण क्षेत्र के छोटे बच्चे कम पैसे में क्वालिटी एजुकेशन प्राप्त कर रहे हैं। उनकी शिक्षा बंद हो जाएगी। पूर्व शिक्षा मंत्री दिवंगत श्री जगरनाथ महतो जी इस समस्या को समझ भी रहे थे और इसके समाधान करने के दिशा में प्रयासरत भी थे। किंतु उनके असामयिक निधन शिक्षा विभाग को निरंकुश करता चला गया और इस तरह के आदेश निर्गत होने प्रारंभ हुए।

राज्य के मुख्यमंत्री से पासवाा का यह अनुरोध है कि इस मामले को व्यक्तिगत तौर पर देखें और झारखंड में पूर्व की सरकार की तरह निजी विद्यालयों को बंद करने की साजिश समाप्त करें, ताकि झारखंड के हजारों मूलवासी, आदिवासी ग्रामीण क्षेत्र के पिछड़े बच्चे भी कम पैसे में शिक्षा प्राप्त कर सके।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं. eT-M-KUR-BBSSTNCLG-225-23

कार्य का नाम: भुवनेश्वर (BBS) स्टेशन के साथ प्लेटफॉर्मों, यार्ड, रेल की पटरियों, कार्यालय भवनों, आरक्षण कार्यालय, कॉनकोर्स क्षेत्र, सर्कुलेटिंग क्षेत्र, प्रतीक्षालयों, होम सिग्नल से होम सिग्नल तक यार्ड की 03 वर्षों (1096 दिन) की अवधि के लिए सफाई एवं हाउसकीपिंग।

विज्ञापित मूल्य: रु. 17,20,20,959.72, EMD: रु. 10,10,100.00. निविदा दस्तावेज की कीमत: रु. 11,800.00. कार्य समापन की अवधि: 36 महीने।

बोली शुरू होने की तारीख: 14.06.2023,

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 28.06.2023 को 1530 बजे।

इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा इस तरह के प्राप्त किसी भी मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट: **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता, खोरधा रोड

PR-257/O/23-24

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. ETELGSUT-05E, दिनांक: 07.06.2023

कार्य का नाम: पूर्व तट रेलवे के खोरधा रोड मंडल में एनटीपीसी लाइन के लिंगराज सिलो (SILO) संयोजन की दोहरीकरण तथा एनटीपीसी एक्सचेंज यार्ड तथा एनटीपीसी ब्लॉक केबिन यार्ड फेज-II के विस्तार के संबंध में 25 KV OHE के साथ SSP एवं SCADA की डिजाइन, आपूर्ति, संस्थापन, रूपांतरण, जांच एवं चालू करना।

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 1189.43 लाख, EMD : रु. 7,44,700/-, कार्य समापन की अवधि: 12 महीने।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 29.06.2023 को 1200 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

ऊपर उल्लेखित ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम पंद्रह दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए तथा आईआरईपीएस पोर्टल पर पंजीकृत होना चाहिए। ई-निविदा में सिर्फ पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ही भाग ले सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ना चाहिए एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत सत्यापित और हस्ताक्षरित अनुलग्नक-B/G एवं G1 जमा करने के साथ, निविदा दस्तावेज के चैप्टर 2 के अनुलग्नक-I, निविदा फॉर्म (द्वितीय शीट) की जाँच सूची, पैरा 3.1 (अतिरिक्त जाँच सूची) सहित सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य विद्युत अभियंता/जीएसयू अनुगुल

PR-34/CG/23-24

श्री श्याम मंदिर में सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा निर्मित और संचालित हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 54 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर हनुमान जी को लाल गेंदा फूल से श्रृंगार करके रजनीगंधा लाल गुलाब की माला पहनायी गयी थी। इस अवसर पर हनुमान जी महाराज को केसरिया पेड़ा, गुड, चना, आमफल आदि का भोग अर्पित किया गया। पिंटू वर्णवाल, स्वीटी बरनवाल याना, यूबी, कृष, कृत, येनी, ईशु और अदिति वर्णवाल ने संयुक्त रूप से महाबली बजरंगबली की अखंड पावन दिव्य ज्योति प्रज्वलित कर परिवार के लिए सुख समृद्धि की प्रार्थना की। मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने पूजन अनुष्ठान विधिवत रूप से संपन्न करवाया। श्रवण ढांढनिया ने चना प्रसाद सेवा, अन्नपूर्णा सरावगी ने आमफल प्रसाद सेवा निवेदित की। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त एकल सुरताल के 15 कलाकार वृंद भक्तजनों द्वारा श्री गणेश वंदना और श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ प्रारंभ किया। ढोलक ढपली, झांझ, कड़ताल और ऑर्गन के संगीत और पाठ में उपस्थित सैकड़ों भक्तजन झूम रहे थे। मंदिर में उपस्थित पाठ कर रहे भक्तजन हनुमान जी की आराधना में लीन थे। महाबली बजरंगबली की जय जयकार से मंदिर और हरमू रोड गूंज रहा था। एकल सुरताल के 15 भक्तों ने नये ढंग से श्री सुंदरकांड का भक्तिमय वातावरण में पाठ किया तथा करवाया। पुनः श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर-के यजमान बर्नवाल परिवार ने महाआरती की। इसके बाद भक्तजनों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। हनुमान जी महाराज सभी भक्तों पर अपना आशीष बरसा रहे थे। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, श्याम सुंदर शर्मा, गौरव अग्रवाल मोनू, श्याम सुंदर जोशी, अनिल नारनौली, रतन शर्मा, रमेश धरणीधरका उपस्थित थे।

आज एकादशी संकीर्तन : योगिनी एकादशी के अवसर पर बुधवार को हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में रात्रि 9:30 बजे से एकादशी कीर्तन होगा। विशेष श्रृंगार किया जायेगा। स्वदेश भगत, शशि भगत, हितेश भगत, आकांक्षा भगत परिवार के साथ श्याम बाबा की ज्योति प्रज्वलित करेंगे। अध्यक्ष सुरेश सरावगी और मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने भक्तों को आमंत्रित किया है।

पहले हम लोग यादव थे, सामंती ताकतों के कारण मुस्लिम धर्म अपनाने को मजबूर हुए: फुरकान अंसारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लोकसभा चुनाव से पहले धर्म आधारित ध्रुवीकरण की राजनीति तेज हो गई है। गोड्डा के पूर्व सांसद फुरकान अंसारी ने इस बीच एक चौंकाने वाला बयान दिया है। गोड्डा में मंगलवार को उन्होंने कहा कि पहले हम लोग यादव थे, सामंती ताकतों के कारण मुस्लिम धर्म अपनाने को मजबूर हुए। इसके पीछे सामंती लोगों का अत्याचार अहम कारण रहा।उन्होंने कहा कि सामंती ताकतों ने इतने अत्याचार और जुल्म किए कि हमारे दादा-परदादा धर्म बदलने को मजबूर हो गए। उन्होंने आगे कहा कि मुसलमानों में मंडरिया जाति है। वह वास्तव में मंडल सरनेम लिखने वाले लोग रहे हैं। मतांतरण के बाद वे लोग मंडल से मंडरिया मुसलमान बन गए। उस समय बहुत सारे यादव, महतो और मंडल धर्मांतरण कर मुस्लिम बन गए।

सामंती लोगों के डर से बने थे मुसलमान : फुरकान ने दावा किया कि इसके पीछे कोई जोर जबर्दस्ती या तलवार की ताकत का काम नहीं था, बल्कि सामंती लोगों का डर था। फुरकान अंसारी ने दावा किया कि पहले गरीबों और छोटी जातियों के लोगों को मंदिर जाने से रोका जाता था। आज भी स्वतंत्र भारत की कुछ ऐसी ही तस्वीर है। हाल यह है कि अनुसूचित जाति के एक राष्ट्रपति के मंदिर में प्रवेश करने के बाद पांच टैंकर गंगाजल से धुलवाया गया था। मोदी सरकार में भी कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिल रहा है।

औरंगजेब की थ्योरी गलत है : फुरकान अंसारी ने औरंगजेब को जबरन धर्मांतरण करानेवाला राजा करार देने की थ्योरी को सरासर गलत करार दिया है। उन्होंने कहा कि हम लोगों के इलाके में 1886 के आसपास लोगों का धर्मांतरण कराया गया था। किसी के दबाव में नहीं बल्कि मोहब्बत में बदलाव हुआ था। धर्मांतरण हमेशा दिल से होता है। देश में कुछ लोग जानबूझकर औरंगजेब को बदनाम करने के लिए ऐसी बातें करते हैं।

दोस्तों की तलाश

एक तरफ विपक्षी दलों में एकजुटता के प्रयास हो रहे हैं तो दूसरी ओर एनडीए ने भी नये साथियों की तलाश तेज कर दी है। केंद्रीय गृहमंत्री और पूर्व बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह की हाल में हुई तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश की यात्रा से इसके पक्के संकेत मिले। बीजेपी लंबे समय से दक्षिण भारत में अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही है। 2024 लोकसभा चुनाव के लिए भी उसने इस सिलसिले में तैयारियां शुरू कर दी हैं। वैसे भी उत्तर भारत में वह पिछले लोकसभा चुनाव में इतना तगड़ा प्रदर्शन कर चुकी है कि इस बार उसे दोहराना मुश्किल लग रहा है। इसलिए अगर उसे फिर से बहुमत के साथ केंद्र की सत्ता में आना है, तो दक्षिण में सीटें बढ़ानी होंगी। इससे उत्तर भारत में सीटों की संख्या में संभावित कमी की भरपाई हो जायेगी। बीजेपी इस योजना पर कॉन्फिडेंस के साथ बढ़ भी रही थी, लेकिन कर्नाटक विधानसभा चुनावों से उसे झटका लगा। इसके बाद से कहा जा रहा है कि बीजेपी पहले जितनी ताकतवर नहीं रही। खैर, जो बात बीजेपी की सबसे बड़ी ताकत साबित हुई है, वह यह कि हार हो या जीत, इससे निकले सबक को समझने और अपनाने में पार्टी देर नहीं करती। कर्नाटक में मिली हार के बाद भी बीजेपी यही कर रही है। वह दक्षिण में नये दोस्त बनाने की पहल कर रही है। टीडीपी नेता चंद्र बाबू नायडू काफी समय से बीजेपी के करीब आना चाहते थे, लेकिन पार्टी नेतृत्व उन्हें घास नहीं डाल रहा था। वजह शायद यह थी कि पिछले लोकसभा चुनावों से पहले नायडू ने न केवल एनडीए को बाय-बाय कह दिया था, बल्कि उसके बाद बीजेपी लीडरशिप पर तीखे हमले भी किये थे। मगर बदले हालात में बीजेपी न सिर्फ उनके संकेतों पर पॉजिटिव रेस्पॉन्स देने लगी, बल्कि अमित शाह और नायडू की बैठक भी हो गयी। यही नहीं, यूपी में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के नेता ओमप्रकाश राजभर के बेटे की शादी के मौके पर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्र लिख कर नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया। इसके बाद यह चर्चा शुरू हो गयी कि अगले लोकसभा चुनाव में एसबीएसपी फिर से एनडीए से जुड़ सकती है। माना जा रहा है कि दूसरे राज्यों में भी बीजेपी सहयोगियों की तलाश तेज कर सकती है। वह पहले इस तरह के कामयाब प्रयोग कर भी चुकी है। हालांकि ये कोशिशें क्या रंग लायेंगी, इस बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन इधर बीजेपी जो संकेत दे रही है, उससे इतना तो पता चल ही रहा है कि पार्टी नये दोस्तों का स्वागत करने के मूड में है।

केंद्रीय गृहमंत्री और पूर्व बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह की हाल में हुई तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश की यात्रा से इसके पक्के संकेत मिले। बीजेपी लंबे समय से दक्षिण भारत में अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

अभिमत
आजाद सिपाही

डिजिटल स्वास्थ्य की उत्साहपूर्ण दुनिया छोटे किंतु प्रभावपूर्ण प्रायोगिकों और उप-क्षेत्रों में स्मार्ट वियरेबल्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, वर्चुअल केयर, रिमोट मॉनिटरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉक-चेन, डेटा एक्सचेंज को सक्षम बनाने वाले उपकरण, स्टोरेज, दूरस्थ डेटा कैप्चर जैसे नवाचारों से परिपूर्ण हैं, परंतु यह एकीकृत वैश्विक दृष्टिकोण के अभाव में एक बिखरे हुए इकोसिस्टम में उलझी हुई है।

डिजिटल सार्वजनिक वस्तुएं ग्लोबल साउथ में स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांति ला सकती हैं

डॉ मनसुख मांडविया

आज इंटरनेट के बिना हम एक ऐसी दुनिया की कल्पना करें, जहां कंप्यूटर नेटवर्क एक-दूसरे से जुड़े न हों। इस तरह की संपर्क रहित दुनिया में, एक देश के लोग ऐसी क्षमता के पुनः आविष्कार पर कार्य करना जारी रख सकते हैं, जिसे विश्व के दूसरे भाग में वर्षों से उपयोग किया जा रहा है। लेकिन एक मानकीकृत इंटरनेट प्रोटोकॉल (आइपी) के बिना, वास्तविकता का हमारा संस्करण मूल रूप से ऐसी व्यवस्था से अलग दिखायी देगा, जिसके पास कई स्थानीय क्षेत्रीय नेटवर्क तो हैं लेकिन प्लग-इन करने के लिए कोई समान मानक इंटरनेट सुविधा नहीं है। वास्तविकता का यह वैकल्पिक संस्करण उस प्रवाह के समान है, जिसका डिजिटल स्वास्थ्य क्षेत्र आज सामना कर रहा है- विघटनकारी प्रौद्योगिकियों के मुहाने पर मौजूद दुनिया इस मामले में अंतरराष्ट्रीय नेतृत्व से एक मानकीकृत ढांचे और दिशा के साथ-साथ एक निर्णायक पहल की प्रतीक्षा कर रही है, ताकि इसके माध्यम से अरबों लोगों को लाभान्वित करने की क्षमता रखने वाले नवाचार को ग्लोबल साउथ में बढ़ावा देते हुए बनाये रखना सुनिश्चित किया जा सके।

कोविड-19 के दौरान, कोविन और ई-संजीवनी जैसे प्लेटफॉर्म पूरी तरह से गेम-चेंजर सिद्ध हुए।

डिजिटल स्वास्थ्य की उत्साहपूर्ण दुनिया छोटे किंतु प्रभावपूर्ण प्रायोगिकों और उप-क्षेत्रों में स्मार्ट वियरेबल्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, वर्चुअल केयर, रिमोट मॉनिटरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉक-चेन, डेटा एक्सचेंज को सक्षम बनाने वाले उपकरण, स्टोरेज, दूरस्थ डेटा कैप्चर जैसे नवाचारों से परिपूर्ण हैं, परंतु यह एकीकृत वैश्विक दृष्टिकोण के अभाव में एक बिखरे हुए इकोसिस्टम में उलझी हुई है। ये सारी परिस्थितियां ऐसे समय में हैं, जब महामारी ने हमें पहले से ही स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में डिजिटल उपकरणों की असाधारण क्षमता का अहसास करा दिया है।

डिजिटल स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की रूपरेखा तैयार करना- भारत में एक महान प्रयोग : हाल के दिनों में हम भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में डिजिटल उपकरणों की परिवर्तनकारी क्षमता का उपयोग करने के साथ-साथ इसका अनुभव कर चुके हैं। कोविड-19 के दौरान, कोविन और ई-संजीवनी जैसे प्लेटफॉर्म पूरी तरह से गेम-चेंजर सिद्ध हुए। इन डिजिटल उपकरणों ने न सिर्फ टीके लगाने के तरीके को ही बदल दिया, बल्कि इनके माध्यम से एक अरब से अधिक लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचायी गयीं और इनमें वे लोग भी शामिल थे, जिन तक पहुंचना सबसे मुश्किल कार्य था।

भारत के कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम का डिजिटल आधार- कोविन, जहां एक ओर वैक्सीन की उपलब्धता और इसे लगाये जाने की व्यवस्था पर नजर रखता है, तो वहीं दूसरी ओर यह प्रत्येक लाभार्थी के कोविड-19 टीकाकरण के लिए पंजीकरण करने के अलावा वास्तविक टीकाकरण प्रक्रिया, टीकाकरण के प्रमाण के रूप में डिजिटल प्रमाणपत्र के साथ-साथ अन्य सुविधाऐं भी प्रदान करता है। लोगों और व्यवस्था के बीच सूचना की विषमता को कम करते हुए, कोविन ने टीकाकरण अभियान को लोकतंत्रात्मक बनाते हुए यह सुनिश्चित भी किया कि सभी पात्र लाभार्थियों के लिए टीकों की उपलब्धता को सुलभ बनाया जा सके। अमीर हो या गरीब, यह सभी के लिए टीकाकरण कराने का समान तरीका था और सभी टीका लगवाने के लिए एक ही कतार में खड़े थे। इस सशक्त साधन की क्षमता को देखते हुए, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे दुनिया के लिए एक भेंट के रूप में प्रस्तुत किया। इसी तरह से टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म ई-संजीवनी, जिसके माध्यम से लोगों को अपने घर पर ही आरामपूर्वक डॉक्टरों के साथ ऑनलाइन परामर्श की सुविधा मिली, शीघ्र ही लोकप्रिय हो गया और इसके माध्यम से 10 करोड़ से अधिक परामर्श लिये गये।

डिजिटल रूप से सक्षम कोविड वार रूम ने लगभग वास्तविक समय पर ही हमें साक्ष्य-आधारित नीतिगत निर्णय लेने में सहायता की। एक विशेष निगरानी प्रणाली- कोविड-19 इंडिया पोर्टल ने भौगोलिक स्थिति के आधार पर न सिर्फ बीमारी बल्कि मामलों की संख्या के आधार पर राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर मांग का आकलन करते हुए आवश्यक आपूर्ति के लिए आवश्यक वस्तु सूची की निगरानी भी की। आरोग्य सेतु, आरटी-पीसीआर ऐप और अन्य डिजिटल उपकरणों के माध्यम से हमारे देश के डेटा को नीति में परिवर्तित करने का मार्ग प्रशस्त किया जिसने हमारी कोविड-19 नीति प्रतिक्रिया को एक परिमाण के क्रम से मजबूत किया।

सार्वजनिक स्वास्थ्य में डिजिटल उपकरणों की पूरी क्षमता का उपयोग करने के लिए, भारत पहले से ही एक राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम- आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) को तैयार कर रहा है। इसके माध्यम से रोगी अपने मेडिकल रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने और इसे प्राप्त करने के अलावा उचित उपचार और उपचार उपरांत की प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ साझा कर सकते हैं। यह रोगियों को स्वास्थ्य सुविधाओं और सेवा प्रदाताओं के बारे में सटीक जानकारी दिलाने में मदद करता है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सक्षम नेतृत्व में भारत दुनिया के लिए, विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में समान डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए हमारे शिक्षण और संसाधनों को साझा करने के लिए तैयार है, ताकि हमारे अनुभव उन्हें डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं के लिए किए जाने वाले प्रयासों में मदद कर सकें। विश्व के इन क्षेत्रों में सुविधाओं से वंचित लोग अत्याधुनिक डिजिटल समाधानों और नवाचारों का लाभ प्राप्त कर सकते हैं और इसे सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाव कवरेज का सपना साकार हो सकता है।

वैश्विक डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम क्या है : कॉपीराइट व्यवस्थाओं और स्वामित्व प्रणालियों ने डिजिटल समाधानों तक पहुंच को अवरुद्ध कर दिया है। अधिकांश परिवर्तनकारी डिजिटल समाधान आसानी से उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि वे भाषा, सामग्री और उन तक पहुंचने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के संदर्भ में असमान रूप से वितरित हैं।

प्रासंगिक डिजिटल सार्वजनिक सामान या ओपन-सोर्स समाधान मौजूद होने पर भी, उनकी उपयोगिता सीमित है, क्योंकि वे एक मंच, डेटा और नीति से बंधे हैं जिसके लिए कोई समान वैश्विक मानक नहीं हैं। इसके अलावा, डिजिटल स्वास्थ्य के लिए कोई व्यापक वैश्विक प्रशासनिक प्रारूप भी नहीं है जो विभिन्न प्रणालियों में पारस्परिकता का ध्यान रख सके।

डिजिटल स्वास्थ्य के संदर्भ में वैश्विक मानकों को निर्धारित करने के लिए कई स्वतंत्र प्रयास भी जारी हैं, लेकिन ये पहल एकाधिकार के तौर पर कार्य कर रही हैं, और लागू होने के लिए किसी भी समर्थन के बिना काफी हद तक असंगठित हैं। ये चुनौतियां अवसरों में बदल सकती हैं यदि हम एक वैश्विक समुदाय के रूप में एक प्रभावी एकल मंच पर सभी प्रयासों को समान रूप से साथ रखने का संकल्प कर सकते हैं। इस मामले में जी-20 प्रभावी रूप से डिजिटल स्वास्थ्य हेतु भविष्य के लिए दृष्टिकोण पर विचार करने और इसका निर्माण करने के लिए एक शक्तिशाली मंच के रूप में तैयार है।

जी-20 में भारत की अध्यक्षता एक डिजिटल स्वास्थ्य सफलता के लिए प्रयासरत : कल्पना कीजिए कि अगर हम मानवता के लिए डिजिटल स्वास्थ्य के लिए एक प्रभावी वैश्विक प्रारूप बनाते हैं और उसे लागू करते हैं, तो इस असाधारण क्षमता को सबके लिए समान रूप से उपयोग किया जा सकता है। इसके लिए हमें सामूहिक रूप से वर्तमान में जारी विभिन्न प्रयासों को डिजिटल स्वास्थ्य पर एक समान वैश्विक पहल में परिवर्तित करने के साथ-साथ एक शासन ढांचे को संस्थागत बनाने, एक समान प्रोटोकॉल पर सहयोग करने, डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं के रूप में स्वास्थ्य सेवा में आशाजनक डिजिटल समाधानों की पहचान करने और उनका विस्तार करने, विभिन्न विषयों और क्षेत्रों से सभी प्रासंगिक हितधारकों को एक साथ लाने के लिए संस्थाओं को स्थापित करने के अलावा वैश्विक स्वास्थ्य डेटा विनिमय के लिए विश्वास निर्माण और ऐसी पहलों को वित्तपोषित करने के तरीकों को खोजने की आवश्यकता है जैसा कि दशकों पहले इंटरनेट के लिए किया गया था।

जी-20 की अध्यक्षता के अंग के रूप में, हम भारत में इनमें से कुछ मुद्दों पर आम सहमति बनाने और उन्हें संचालित करने के लिए एक व्यवहार्य व्यवस्था के साथ एक रोडमैप बनाने का प्रयास करेंगे, ताकि डिजिटल स्वास्थ्य की पूरी क्षमता को ग्लोबल साउथ देशों सहित पूरी दुनिया के लिए उपयोग किया जा सके। डिजिटल स्वास्थ्य में सफलता की गाथा लिखने के लिए हमें अपने संकीर्ण हितों से परे सामूहिक कल्याण को महत्व देना होगा और यह समझना होगा कि सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल कवरेज के मामले में 'ब्रह्मांड' हमारे अपने देशों की सीमा से कहीं अधिक विस्तारित है। संक्षेप में, जी-20 में हमारी इच्छा और कार्रवाई 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावपूर्ण प्रेरणा से जुड़ी है जिसका अर्थ है कि ब्रह्मांड एक परिवार है और उस परिवार के लिए, ब्रह्मांड के लिए किसी भी कीमत पर स्वास्थ्य की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है।

(लेखक : केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, रसायन और उर्वरक मंत्री, भारत सरकार हैं।)

जमशेदपुर की खबरें

नरेंद्र मोदी विचार मंच ने निःशुल्क आयुष्मान कार्ड का किया वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। सोनारी वीर मंच अखाडा के कार्यालय में नरेंद्र मोदी विचार मंच झारखंड प्रदेश के द्वारा शिविर लगाकर आयुष्मान कार्ड वितरण किया गया। मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघचालक अभय सामंत, विशिष्ट अथिति नरेंद्र मोदी विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष बिनोद राणा, सम्मानित अतिथियों में प्रदेश संयोजक आश्वनी कुमार झा,प्रदेश संगठन मंत्री सुजीत वर्मा, वीर मंच अखाड़ा के सचिव दीपक यादव, जिला अध्यक्ष रितेश सिंह और जिला महामंत्री नितीश राय शामिल हुए। अतिथियों को अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया। मौके पर नरेंद्र मोदी विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष बिनोद राणा ने बताया बीते 11जून को सोनारी वीर मंच अखाडा के कार्यालय में नरेंद्र मोदी विचार मंच द्वारा आयुष्मान कार्ड के लिए निःशुल्क कैम्प का आयोजन किया गया था। कैम्प के माध्यम से 120 लोगों का निःशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाया गया था। मंगलवार को शिविर के माध्यम से सभी जरूरतमंद लोगो के बीच आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि अभय सामंत ने कहा नरेंद्र मोदी विचार मंच के द्वारा बहुत ही सराहनीय कार्य किया जा रहा है। आयुष्मान कार्ड प्रत्येक परिवारों के लिए जीवन का रक्षक साबित होगा।आयुष्मान कार्ड देश के हर गरीब के लिए स्वास्थ्य कि गारंटी हैं। जिला अध्यक्ष रितेश सिंह ने कहा कैम्प के माध्यम से शहर के जरूरतमंद लोगों का जीवन सिक्योर सुरक्षित करने का एक प्रयास है। बहुत से गरीब परिवार जागरूकता और पैसे के आभाव में अपना कार्ड नहीं बना पा रहें थे। मंच ने इन सभी लोगों का निःशुल्क कार्ड बनाने का काम किया। आगे भी इस तरह के कैम्प लगाकर लोगों को मदद पहुँचाने का काम किया जाएगा। आयुष्मान कार्ड राष्ट्रीय स्वास्थ्य संरक्षा योजना का अहम हिस्सा है। जिसके द्वारा गरीब और वंचित लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाओं का निःशुल्क लाभ प्रदान किया जाता है। इसके माध्यम से, लाभार्थियों को अस्पतालीय खर्च, निदान, दवाएं और अन्य चिकित्सा सेवाओं के लिए आर्थिक सहायता मिलती है। मंच संचालन प्रदेश सांगठन मंत्री सुजीत वर्मा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री नितीश राय के द्वारा किया गया।

होमगार्ड लोक सेवक संघ को हरसंभव मदद : बंधु

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। गृहरक्षा वाहिनी लोक सेवक संघ के प्रदेश समिति की बैठक रांची में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अथिति कांग्रेस के पूर्व विधायक बंधु तिर्की शामिल हुए। गृहरक्षकों के द्वारा माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया गया। मौके पर कमल शर्मा के नेतृत में गृहरक्षको के प्रतिनिधि मंडल ने पूर्व विधायक को प्रार्थना पत्र समर्पित किया। इस अवसर पर उन्हें गृहरक्षा वाहिनी लोक सेवक संघ के मुख्य संरक्षक का पद स्वीकार करने के लिए आग्रह किया गया। मौके पर पूर्व विधायक ने मुख्य संरक्षक का दायित्व निर्वाहन करने के लिए स्वीकार कर ली। इसके पश्चात संघ के प्रतिनिधियों ने उनको पुष्पगुच्छ देकर और माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर संघ के प्रदेश अध्यक्ष द्वारका नाथ दुबे ने राज्य स्तर पर गृह रक्षकों की उत्पन्न समस्याओं व कठिनाइयों से अवगत कराया। उन्होंने कहा राज्य के 24 जिले के होमगार्ड कार्यालयों में भ्रष्टाचार व्याप्त है। प्रत्येक जिला कार्यालय में

बिचौलियों की भरमार है। इन के माध्यम से खुलेआम रिश्वत वसूली की जाती है। विरोध करने वाले गृह रक्षकों को प्रताड़ित किया जाता है। नाना प्रकार के आरोप लगाकर कर्तव्य से विरमुक्त करने का काम निरंतर जारी है। उन्होंने गृहरक्षको के परेशानी पर अंकुश लगाने के लिए गुहार लगाई। श्री दुबे ने बताया समान काम का समान वेतन को लेकर डब्ल्यू पी एस केस नंबर 582/2017 झारखंड उच्च न्यायालय में मामला दर्ज किया गया था। झारखंड उच्च न्यायालय के द्वारा 25 अगस्त 2017 को न्यायिक निर्णय पारित किया गया था। इस निर्णय के विरुद्ध झारखंड सरकार के द्वारा केस नंबर एलपीए 27220/18 झारखंड उच्च न्यायालय में दायर किया गया। न्यायालय द्वारा इस को खारिज करते हुए 12 जनवरी 2023 को न्यायिक निर्णय पारित किया जा चुका है। इसके बावजूद झारखंड सरकार के द्वारा इस मामले पर अब तक कोई न्यायिक निर्णय नहीं लिया गया। न ही इसकी सुविधा गृह रक्षकों को दी गई। उन्होंने अनुरोध करते हुए गृहरक्षको की बाते राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तक पहुंचाने की अपील की। ताकि राज्य के गृह रक्षकों को समान काम का समान वेतन की सुविधा मिल सके। मौके पर पूर्व विधायक ने सारी बातों को ध्यानपूर्वक सुनने के बाद गृह रक्षकों की मांग को न्यायोचित बताया। उन्होंने कहा कि इसका हक एवं अधिकार गृह रक्षकों को मिलना चाहिए। सभी संगठनात्मक एकता बनाए रखें। न्यायोचित मांग को सरकार के समक्ष रखकर इसका निदान करवाने का यथासंभव प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि गृहरक्षकों के दुख दर्द और संघर्ष के साथ खड़ा रहूंगा। मौके पर संघ के प्रतिनिधि व सदस्यों ने पूर्व विधायक के प्रति आभार प्रकट की। बैठक में गृहरक्षा वाहिनी लोक सेवक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अमर कुमार तिरिया,उपाध्यक्ष रिंकेश कुमार यादव, प्रदेश सचिव द्वारकानाथ दुबे,प्रदेश प्रवक्ता कमल कुमार शर्मा,कोषाध्यक्ष हरेराम सिंह, कार्यालय सचिव हिमांशु देवगम, संगठन सचिव गयासुद्दीन, महिला प्रदेश अध्यक्ष कांति देवी सहित मंटू सिंह, राजन महतो, कामेश्वर पंडित, देवेंद्र सिंह, किशन माझी, विरसा भेगारा, संतोष तिवारी, उपेंद्र कुमार राम के अलावा काफी संख्या में गृहरक्षक गण उपस्थित रहे।

भाजपा के सम्मेलन में केंद्र की मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनायीं

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र में संयुक्त मोर्चा सम्मेलन का आयोजन किया गया। मंगलवार को आयोजित सम्मेलन में महाराष्ट्र के विधान पार्षद राम शिंदे, सांसद विद्युत वरण महतो, भाजपा प्रदेश मंत्री सह महानगर प्रभारी सुबोध सिंह गुड्डू, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह क्लस्टर प्रमुख जवाहर पासवान, जिलाध्यक्ष गुंजन यादव शामिल हुए। मौके पर महाराष्ट्र सरकार के विधान पार्षद राम शिंदे ने केंद्र सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के नौ साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। देश और सरकार के प्रति विपक्ष की सोच हमेशा नकारात्मक रही है।जबकि मोदी सरकार सकारात्मक सोच के साथ विकास कार्यो में लगी है। उन्होंने संयुक्त मोर्चा सम्मेलन में सभी मोर्चों के कार्यकताओं और पदाधिकारियों से महाजनसंपर्क अभियान के तहत घर-घर जाकर पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही केंद्र सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएं का आह्वान किया। ताकि आगामी लोकसभा चुनाव में देश में सेवा, सुशासन और सशक्त सरकार के रूप में फिरसे नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाया जा सके। सांसद विद्युत वरण महतो ने कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने का काम करें। बूथ स्तर पर कार्यकताओं को और मजबूत होना होगा। कार्यकताओं के साथ बैठक कर बूथ स्तर पर लोगों को ज्यादा से ज्यादा जोड़ने का काम करें। उन्होंने वर्तमान हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा केंद्र सरकार के कई योजनाओं में राज्य सरकार का रवैया निराशाजनक रहा है। राज्य में विकास कार्य ठप्प है। वहीं केंद्रीय योजनाओं में राज्य सरकार का अपेक्षित सहयोग नही मिल रहा है। मंच संचालन जिला मंत्री जितेंद्र राय, स्वागत भाषण किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष मुचिराम बाउरी एवं धन्यवाद ज्ञापन अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष अजीत कालिंदी ने किया। मौके पर महानगर अध्यक्ष गुंजन यादव, प्रदीप महतो,जितेन्द्र राय,नीलू मछुआ, विमल बैठा, मुचीराम बाउरी,अमित अग्रवाल,अजीत कालिंदी,धर्मेंद्र प्रसाद,ज्योति अधिकारी,निसार अहमद,प्रधान चंद्र महतो,शांतनु मुखर्जी, मंटूचरण दत्ता, सहित सभी मंडल अध्यक्ष,जिला पदाधिकारी,मंडल कार्यसमिति सदस्य समेत मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे।

उपप्रमुख ने इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन के खिलाफ उपायुक्त से की शिकायत

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। गम्हरिया प्रखंड के उपप्रमुख कियाम हुसैन ने उपायुक्त को पत्र लिखकर सरायकेला अंचल के विजय ग्राम स्थित इंस्टीट्यूट फॉर एजुकेशन के रविंद्र नाथ मोहंती के खिलाफ उपायुक्त से शिकायत की। उन्होंने कहा कि सरायकेला में बीएड कॉलेज के

तीन मंजिला भवन के निर्माण का आधा हिस्सा कॉलेज की अपनी जमीन पर तथा आधा हिस्सा सरकारी जमीन पर है। उपप्रमुख ने कहा इस मामले में सुनवाई नहीं होने पर वे उच्च न्यायालय रांची में याचिका दायर करेंगे। उन्होंने कहा इसकी कई बार शिकायत भी की गई। लेकिन अभी तक बीएड कॉलेज के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

महत्वपूर्ण न्यूज

मंत्री मिथिलेश आज करेंगे एक साथ 400 योजनाओं का मेगा शिलान्यास, तैयारी पूरी

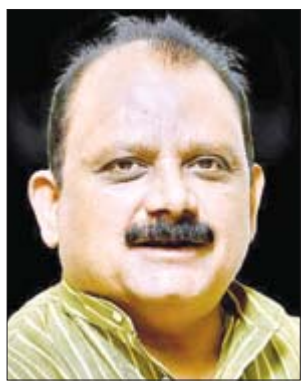

गढ़वा (आजाद सिपाही)। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में गढ़वा प्रखंड के डुमरो, नारायणपुर गांव में एनएच 75 बाईपास के समीप बुधवार को एक साथ करीब 400 योजनाओं का मेगा शिलान्यास किया जाएगा। इन योजनाओं का शिलान्यास मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर करेंगे। इस मेगा शिलान्यास कार्यक्रम की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। जानकारी देते हुए मंत्री श्री ठाकुर ने बताया कि इस मेगा शिलान्यास कार्यक्रम में ग्रामीण कार्य विभाग पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, कल्याण विभाग, भवन निर्माण विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, लघु सिंचाई, भूमि संरक्षण एवं झारखंड शिक्षा परियोजना की लगभग 400 योजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि योजनाएं बहुत सारी हैं। समयाभाव के कारण इनका शिलान्यास नहीं हो पा रहा था। अब एक ही साथ सभी योजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे शिलान्यास पर विशेष फोकस नहीं करते हैं। बल्कि जल्द से जल्द एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण हो यही उनकी प्राथमिकता होती है।

शारदा महेश शर्मिष्ठा देव डिग्री कॉलेज को कला एवं वाणिज्य के विषयों में मान्यता मिलने पर दी बधाई

श्री बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। स्थानीय नगर पंचायत वार्ड 15 अधौरा में स्थित शारदा महेश शर्मिष्ठा देव डिग्री कॉलेज को सरकार के द्वारा कला एवं वाणिज्य के विषयों में मान्यता दे दी गयी है। शारदा महेश शर्मिष्ठा देव डिग्री कॉलेज को नीलाम्बर पीताम्बर विश्वविद्यालय एवं सरकार के द्वारा मान्यता मिलने के बाद श्री बंशीधर नगर पंचायत अंतर्गत पहला डिग्री महाविद्यालय के रूप में शारदा महेश शर्मिष्ठा देव डिग्री कॉलेज अपना नाम दर्ज कर लिया है। जानकारी देते हुए शासी निकाय के सचिव शारदा महेश प्रताप देव ने बताया कि आप सभी के सहयोग से नगर पंचायत शहरी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अधौरा में शारदा महेश शर्मिष्ठा देव डिग्री कॉलेज की स्थापना की गई, जिसकी मान्यता सरकार एवं विश्वविद्यालय से मिल चुकी है। मैं सरकार एवं विश्वविद्यालय को भी मान्यता प्रदान करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि पूर्व में शहरी क्षेत्र अंतर्गत टी डी एम इंटर कॉलेज की स्थापना की गई थी। जिसमें कला वाणिज्य एवं विज्ञान की पढ़ाई सुचारू रूप से हो रही है। गुणवत्तापूर्ण एवं अनुशासित रूप से शिक्षा प्रदान करना संस्था का पहला लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि भविष्य में यह कॉलेज शिक्षा के क्षेत्र में ऊंचा मुकाम हासिल करने में सफलता हासिल करेगा। वहीं अधौरा स्थित शारदा महेश शर्मिष्ठा देव डिग्री कॉलेज को विश्वविद्यालय एवं सरकार के द्वारा मान्यता प्राप्त करने पर लोगों में हर्ष व्याप्त है। शिक्षा प्रेमियों ने मान्यता मिलने पर सचिव एवं महाविद्यालय परिवार को बधाई दी है। बधाई देने वालों में मुनेश्वर सिंह, माणिक चंद्र शुक्ल, सिधेश्वर लाल अग्रवाल, वरिष्ठ व्यवसाई गोकुल प्रसाद आढ़त, विजय सिंह (सलसलादि,) राजेश्वर प्रताप देव, कमलेश्वर पांडे, शिवधारी राम, वरिष्ठ व्यवसाई विजय सिंह, वरिष्ठ पत्रकार धीरेंद्र कुमार चौबे आचार्य श्रीकांत मिश्र, राजू सिंह, मथुरा पासवान, राणा प्रताप सिंह, गदाधर पांडे, श्याम बिहारी शुक्ला, रामानंद पांडे, प्रेम शुक्ला, शंभू शुक्ला, सुनील चौबे, वकील चौबे, शिवनारायण चौबे, संतोष प्रसाद, लोहा दुकान, सुरेंद्र नाथ चतुर्वेदी, उदय प्रताप देव, कुमार कनिष्क, महेंद्र प्रसाद चंद्रवंशी, विजय देव, अनुपम चतुर्वेदी, शैलेंद्र कुमार चौबे, धनंजय कुमार देव, सुरेश्वर प्रताप देव, ब्रजकिशोर देव, इंद्र प्रताप देव, विनय प्रताप देव, गिरजा गणेश देव, प्रभात कुमार देव, विनोद कुमार देव, राम परिखा राम, रामाधार राउत, विंध्याचल शुक्ल, राम जन्म राम, राजेश शर्मा, नागेंद्र पासवान, उपेंद्र तिवारी, धनंजय कुमार, सुरेंद्र प्रसाद चंद्रवंशी, वार्ड पार्षद अनिल कुमार चंद्रवंशी, विकास पाल, अमन देव, ललित पासवान, विनोद मेहता, आशीष शुक्ला, वरुण कुमार पांडे, उमेश सिंह, पंकज पासवान, अमरेश यादव, रजनीश कुमार, टूटू सिंह, अमित कुमार सिंह, विवेक सिंह, शैलेंद्र देव, राजीव कुमार सिंह, कमलेश कुमार, दिलीप कुमार, राम पवन पासवान, विकास सिंह, रजनीश पाल, प्रवीण कुमार, रजनीश पाल सहित अन्य के नाम शामिल हैं।

कार्यक्रम : रंका प्रखंड परिसर में राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

सभी के प्रयास से होगा टीबी का उन्मूलन : मिथिलेश ठाकुर

मंत्री ने सीएचओ बहनों को सम्मानित किया एवं टीबी रोगियों के बीच किया पोषाहार फूड बास्केट का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। रंका प्रखंड कार्यालय परिसर में मंगलवार को राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम गढ़वा के तत्वावधान में एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन गढ़वा सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यक्रम में अध्यक्षीय भाषण में सीएस डॉ अनिल कुमार ने कहा कि झारखंड राज्य में टीबी रोगियों के एक्टिव केस 44000, गढ़वा जिला में 850 एवं रंका प्रखंड में 201 हैं। उन्होंने कहा कि 1992 से लगभग 30 वर्ष कार्यक्रम चला किंतु वांछित सफलता नहीं मिली। तब से इस कार्यक्रम का नाम राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम स्थाई रूप से पूरे देश में चलाया जा रहा है। जिसका उद्देश्य टीबी मुक्त पंचायत बनाना है और इसमें मुखिया और सीएचओ को मुख्य रूप से जिम्मेदारी निभानी होगी।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री सह गढ़वा विधायक मिथिलेश कुमार ठाकुर ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी लोगों के सामूहिक प्रयास से ही यक्ष्मा टीबी रोग का उन्मूलन हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम को सिर्फ मुखिया और सीएचओ के भरोसे छोड़ना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि यह रोग अक्सर गरीबी और कुपोषण से होता है। इसके लिए सरकार की ओर से टीबी रोगी को निःशुल्क जांच, मुफ्त इलाज, निःशुल्क दवा और पोषाहार के लिए प्रति मांह पांच सौ रुपए दिए जाते हैं। टीबी के मरीज दवा की कोर्स को पूरा करें तभी यह रोग जड़ से खत्म किया जा सकता है। इस दिशा में गढ़वा जिला पूरे झारखंड में नंबर वन है। इसके लिए गढ़वा सीएस को मंत्री ने बधाई दी है। इस मौके पर मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने सीएचओ भाईयों बहनों को सम्मानित किया। वहीं दूसरी ओर टीबी के मरीजों के बीच पोषाहार फूड बास्केट का वितरण भी किया।

मौके पर रंका अनुमंडल पदाधिकारी राम नारायण सिंह, अंचल पदाधिकारी शंभू राम, रंका सीएचसी के डॉ गोपाल प्रसाद, डॉ गोरखनाथ पांडेय, जिला परिषद अध्यक्ष, रंका प्रखंड प्रमुख हेमंत लकड़ा, रंका बीस सूत्री अध्यक्ष अहमद अली अंसारी, बीस सूत्री उपाध्यक्ष कार्तिक पांडेय, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता, झामुमो युवा प्रखंड अध्यक्ष दीपक कुमार सोनी, विधायक प्रतिनिधि संजय सिंह छोटू, जिला पार्टी प्रवक्ता धीरज दूबे, जिला सचिव मनोज ठाकुर, पूर्व मुखिया मालती देवी, रंकाकला मुखिया प्रतिनिधि राजेश कुमार मद्धेशिया, खरडीहा पंचायत मुखिया प्रतिनिधि सह झामुमो युवा सचिव पप्पू यादव, चुटिया पंचायत मुखिया प्रतिनिधि शंभू गुप्ता, मुमताज अली रंगसाज, उपाध्यक्ष मुकेश तिवारी, अरविंद सोनी, राजकिशोर रवि, संतोष कुमार रवि, द्वारिका आदि उपस्थित थे।

किरण देवी हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार हत्या में प्रयुक्त खून लगी कुल्हाड़ी बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरपुर। किरण देवी हत्याकांड का उद्भेदन पुलिस ने कर लिया है। ज्ञात हो कि हत्या करने वाले व्यक्ति को लेकर मंगलवार को भवनाथपुर थाना पुलिस इंस्पेक्टर कृष्णा कुमार की अध्यक्षता में भवनाथपुर थाने में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हत्याकांड का खुलासा किया गया। कान्फ्रेंस से मिली जानकारी के अनुसार भवनाथपुर थाना अंतर्गत हरिहरपुर ओपी क्षेत्र के मझिगावां गांव के आजाद नगर टोले पर 4/5 जून 2023 की रात्रि में अज्ञात व्यक्ति के द्वारा किरण देवी 40 वर्ष, पति सुनेश्वर राम की हत्या कुल्हाड़ी से गर्दन पर वारकर कर दी गई थी। उक्त हत्याकांड का अभियुक्त मनोज कुमार रजवार 35 वर्ष, पिता स्व. विफन रजवार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। घटना के संबंध में बताया कि मृतका किरण देवी, पति सुनेश्वर राम अपने पूर्व के पड़ोसी मनोज रजवार, उम्र 35 वर्ष, पिता स्व. विफन रजवार, मझिगावां गांव के सवंडीह टोला निवासी से प्रेम प्रसंग चल रहा था। परंतु बाद में अपने पूर्व प्रेमी मनोज रजवार को छोड़कर ग्राम मझिगावां, अकड़हवा टोला निवासी जयराम शर्मा, पिता बाचा शर्मा से प्रेम करने लगी। यह बात पूर्व प्रेमी मनोज रजवार को रास नहीं आयी और इसी बात को लेकर मृतका किरण देवी के साथ अक्सर विवाद होता था। 4/5 जून की रात्रि में मृतका किरण देवी की सोयी हुई अवस्था में ही पूर्व प्रेमी मनोज रजवार, पिता स्व. विफन रजवार के द्वारा आक्रोश में मृतका के घर आकर धारदार कुल्हाड़ी से गर्दन पर वार कर हत्या कर दी गई। इधर पुलिस ने हत्या में प्रयोग की गयी खून लगी कुल्हाड़ी व खून का धब्बा लगा हुआ सफेद - काला चेकदार फूल शर्ट बरामद किया है। उक्त अनुसंधान एवं छापेमारी दल में अनुमंडल पदाधिकारी प्रमोद कुमार केशरी, भवनाथपुर अंचल पु.नि. कृष्णा कुमार, पु.अ.नि. हरिहरपुर ओपी कुंदन कुमार सिंह, पु.अ.नि रामभरोसा शर्मा, पु.अ.नि पतरस भेंगरा, पु.अ.नि कामदेव महतो तथा सशस्त्र बल शामिल थे।

गढ़वा-रंका विधानसभा स्तरीय संयुक्त मोर्चा सम्मेलन 15 जून को

भाजपा को सशक्त बनाने के लिए सभी मोर्चा के कार्यकर्ता एक साथ संयुक्त सम्मेलन में शामिल होंगे : रितेश चौबे

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजयुमो जिला कार्यालय में प्रेस को संबोधित करते हुए भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे ने कहा कि महाजनसंपर्क अभियान कार्यक्रम को लेकर 15 जून को जिला मुख्यालय पर गढ़वा रंका विधानसभा स्तरीय संयुक्त मोर्चा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें गढ़वा रंका विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडल से भाजपा के सभी सातों मोर्चा जिसमें युवा मोर्चा, किसान मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा, एससी मोर्चा, एसटी मोर्चा, ओबीसी मोर्चा, महिला मोर्चा के कार्यकर्ता शामिल होंगे। साथ ही सभी मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पदाधिकारी जिलाध्यक्ष जिला पदाधिकारी कार्यसमिति सदस्य भी संयुक्त मोर्चा सम्मेलन में शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा को सशक्त बनाने के लिए सभी मोर्चा के कार्यकर्ता एक साथ संयुक्त सम्मेलन में शामिल होंगे। कार्यक्रम में प्रदेश एवं जिला के वरिष्ठ नेतागण भी शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि संयुक्त मोर्चा सम्मेलन में मोदी सरकार के नव वर्ष पर योजनाओं के बारे में चर्चा वर्तमान झारखंड की स्थिति को लेकर मंथन किया जाएगा। झारखंड में गिरती कानून व्यवस्था भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि झारखंड के वर्तमान हालात पर चर्चा कर आगामी योजना की रूपरेखा तैयार की जाएगी। मोदी सरकार के द्वारा चलायी गयी योजना जनहित में चलायी गयी योजना है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य रूप से भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष अविनाश पासवान, जिला मंत्री संजय जायसवाल, जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मीकांत पाण्डेय, नवीन जायसवाल राम उनय तिवारी, राम सकल कोरवा सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

पिपरा खुर्द गांव में बंद घर से लगभग नौ लाख रु. नगद और जेवर की चोरी

गढ़वा (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र के चिनिया रोड नहर चौक पिपरा खुर्द गांव में रविवार की रात्रि चोरों ने दो घरों से लगभग नगद व जेवरात सहित लगभग 9 लाख की चोरी कर ली है। घटना के बाद पीड़ित ने सदर थाना में आवेदन दिया है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि संतोष कुमार पांडे फौजी के रूप में कार्यरत हैं। संतोष कुमार पांडे की ड्यूटी बाहर किसी अन्य शहर में है। पिपरा खुर्द में स्थित संतोष कुमार पाण्डे के मकान में एक किराएदार धनंजय कुमार रहते हैं। वो भी सीआरपीफ में कार्यरत हैं। धनंजय कुमार पूरे परिवार के साथ किराए पर रहते हैं। धनंजय कुमार भी 8 जून को अपने रिश्तेदार के घर शादी समारोह में पूरे परिवार के साथ गये हुए थे। जब 12 जून को धनंजय कुमार अपने घर पहुंचे तो देखा कि घर के अंदर चैनल गेट में लगे ताले टूटे हुए हैं। जिसके बाद धनंजय कुमार ने घटना की सूचना अपने मकान मालिक संतोष कुमार पांडे को दी। उसके बाद आसपास के लोगों को बुलाकर वह घर में गये। जहां उन्होंने पाया कि धनंजय कुमार के रूम की अलमीरा सहित सभी सामान बिखरा पड़ा है। जिसके बाद मकान मालिक के एक रिश्तेदार जब उनकी रूम की तलाशी करने लगे तो उनके भी दो रूम का सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था। जब वे रखा हुआ सामान ढूंढने लगे तो संजय कुमार पांडे के रूम में रखें 25 हजार नगद, पांच सोने की अंगूठी, दो सोने की चेन, एक सोने की हार, सोने की कान का झुमका, लटकन सहित अन्य सामान गायब हैं। जबकि धनंजय कुमार के रूम में रखे 67 हजार नगद, एक सोना का गले का हार, एक कान का झुमका, कान का लटकन, चांदी के अन्य सामान अलमीरा से गायब हैं। सूचना के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। पीड़ित ने सदर थाना में आवेदन देकर चोरों पर उचित कार्रवाई करने की गुहार लगायी है।

बेरोजगारी की मार झेल रहे युवाओं को एसआइएस देगा रोजगार

14 जून से एक जुलाई तक सभी प्रखंडों में लगाया जा रहा है बहाली कैंप

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिला प्रशासन के सहयोग से सिक्यूरिटी स्किल्स कॉन्सिल ऑफ इंडिया एवं सिक्यूरिटी एण्ड इन्टलिजेंस सर्विसेज लि. द्वारा गढ़वा जिले के सभी प्रखंड परिसर में बहाली कैंप लागाया जा रहा है। 14 जून को खरौंधी थाना परिसर, 15 जून को केतार थाना परिसर, 16 जून को कांडी थाना परिसर में, 17 जून को भवनाथपुर थाना परिसर में, 18 जून को विशुनपुरा थाना परिसर, 19 जून को मंझिआंव, 20 जून को धुरकी थाना परिसर, 21 जून को नगर उटारी थाना परिसर, 22 जून को रमना थाना परिसर, 23 जून को डंडई थाना परिसर, 24 जून को मेराल थाना परिसर, 25 जून को चिनिया थाना परिसर, 26 रंका को थाना परिसर, 27 जून को भंडरिया थाना परिसर, 28 जून को रमकंडा थाना परिसर, 29 जून को डंडा थाना परिसर, 30 जून को बरडीहा थाना परिसर, 01 जुलाई को गढ़वा थाना परिसर में कैंप लगाया जा रहा है, जिसमें जवानों का शारीरिक एवं लिखित परीक्षा के उपरांत उनका रजिस्ट्रेशन किया जाएगा और आवेदन फॉर्म शुल्क रुपए 350 लिया जाएगा, जिसकी जीएसटी सहित रसीद भी दी जाएगी। इसके बाद सभी चयनित उम्मीदवारों को सेन्ट्रल ट्रेनिंग एकेडमी गढ़वा में एक माह का प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। ट्रेनिंग सेंटर में आने पर उनका डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन होने के बाद उनके एक माह की ट्रेनिंग के लिए ट्रेनिंग किट और भोजन के लिए अभ्यर्थी से शुल्क लिया जाएगा। एक माह का भोजन, आवासन और कीट उपलब्ध कराई जाएगी, जिसमें पीटी, ड्रील, ड्रील थ्योरी, औद्योगिक सुरक्षा भीआईपी सुरक्षा, प्राथमिक उपचार, फायर फाइटिंग, कम्प्यूटर, बैंक सिक्यूरिटी, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की सुरक्षा सरकारी कार्यालयों की सुरक्षा इत्यादि का प्रशिक्षण प्रदान करके सिक्यूरिटी एण्ड इन्टलिजेंस सर्विसेज लि. में 2200 कार्यस्थलों पर नौकरी उपलब्ध कराई जायेगी।

कार्यक्रम : 'हेल्थ एंड वेलनेस' विषय पर आरकेवीएस में दूसरी इनहाउस कार्यशाला का आयोजन

स्वास्थ्य से बड़ा कोई धन नहीं: अलखनाथ पांडेय

कार्यशाला में साधनसेवी के रूप में देवेन्द्र सिंह, पूनम राय और अमर कुमार ने संबंधित विषय पर अपने अनुभवों और विचारों को साझा किया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। मंगलवार को आरकेभीएस के सभागार में सीबीएसई के दिशा निर्देशानुसार शिक्षकों के लिए दूसरा इनहाउस कार्यशाला आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में ऑफलाइन ट्रेनिंग के लिए आरके ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस अंतर्गत संचालित सभी स्कूल आरकेपीएस गढ़वा, श्रीबंशीधर नगर, उंचरी, मझिआंव और हूर के शिक्षक-शिक्षिकाएं सम्मिलित हुए। कार्यशाला का शुभारंभ आरके ट्रस्ट के चेयरमैन सह शिक्षाविद् अलखनाथ पाण्डेय ने दीप प्रज्वलित करके किया।

उन्होंने कार्यशाला के विषय पर उपस्थित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को बताया कि स्वास्थय से बड़ा कोई धन नहीं है। किसी भी शिक्षण संस्थान के उत्तरोत्तर विकास के लिए वहां के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ-साथ छात्र-छात्राओं को भी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना होगा। एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है, लेकिन आजकल कम उम्र में ही लोग विभिन्न प्रकार की बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। इसका प्रमुख कारण गलत तरीके से खान-पान अर्थात जंक फूड का अत्यधिक सेवन और शारीरिक श्रम से दूरी बनाए रखना है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से आग्रह किया कि वे बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए शारीरिक श्रम करने के लिए प्रेरित करें। स्कूल अपने स्थापना काल से ही बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित कराते आ रहा है। पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, योगा व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा उनके सर्वांगीण विकास की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। समय समय पर हेल्थ एंड हाइजिन की परीक्षा व शिक्षकों के द्वारा नियमित लंचबॉक्स, बाल, नाखून और यूनिफॉर्म की साफ-सफाई की जांच होती रहती है। इस कार्यशाला का एकमात्र उद्देश्य है कि बच्चों के अंदर साफ-सफाई, संतुलित खानपान और शारीरिक श्रम के प्रति जागरूक बनाये रखना है।

कार्यशाला का विषय 'हेल्थ एंड वेलनेस' की चर्चा करने और विस्तार से हर बातों को साझा करने के लिए साधनसेवी के रूप में आरकेपीएस गढ़वा से देवेन्द्र सिंह, पूनम राय और आरकेपीएस अधौरा से अमर कुमार थे, जिन्होंने संबंधित विषय पर अपने अनुभवों और विचारों को विस्तार से साझा किया।

देवेन्द्र सिंह ने बताया कि बच्चों से फ्रेंडली स्वभाव रखते हुए उन्हें अपने विचारों व बोलने की आजादी देनी चाहिए ताकि उनका मानसिक विकास हो सके। डराकर कार्य करा लेने से उनके अंदर नाकारात्मक विचार उत्पन्न होने लगते हैं।

अमर कुमार ने युवावस्था में होनेवाली शारीरिक बदलाव और बच्चों में होनेवाली हीन भावना के समाधान पर फोकस किया। लैंगिक समानता, पोषण, स्वच्छता और अनुशासित दिनचर्या की जानकारी को साझा किया। पूनम राय ने संबंधित विषय पर एक्टिविटी कराते हुए बिमारियों से बचने और जीवन को निरोग व सुखी बनाने पर फोकस किया। कार्यशाला में श्रीमती प्रियंका बर्मन, जेपी नारायण, संतोष पाण्डेय, अनुप कुमार पाण्डेय, एलके ओझा, प्रमोद झा, राजेश पाण्डेय के साथ-साथ सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन स्कूल के एसटीएनसी राज कुमार व ट्रेनिंग कोर्डिनेटर शहेला खान ने किया।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.com

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल लातेहार
निविदा रद्द करने की सूचना

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल का अति– अल्प कालीन निविदा सूचना सं0–DWSD/LTR/WSS/IRR-03/2023-24 दि0–31-05-2023 जो दैनिक समाचार पत्रों में PR No-298764 Drinking Water and Sanitation(23-24)D से प्रकाशित है। जिसे अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल लातेहार।

PR.NO.299886 Drinking Water and Sanitation(23-24):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – RDD/SD/GUMLA/05/2023-24

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :

ग्रुप सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Construction of Conference Hall **(Part-1)** on 1st floor of (New Collect orate Extension Building-1) located near erstwhile ITDA Bhawan now called as New Collect orate, **Gumla**, Block- Gumla, District- Gumla	23,78,500.00	47,600.00	5000.00	03 माह
2	Construction of Conference Hall **(Part-2)** on 1st floor of (New Collect orate Extension Building-1) located near erstwhile ITDA Bhawan now called as New Collect orate, **Gumla**, Block- Gumla, District- Gumla	12,06,100.00	24,200.00	2500.00	03 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 21.06.2023
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 21.06.2023 से दिनांक 28.06.2023 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय 03.07.2023 अपराह्न 3:00 बजे तक।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि जमा करने का स्थान :– जिला नियंत्रण कक्ष, गुमला।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि जमा करने की तिथि को यदि राज्य में सरकारी अवकाश घोषत होता है, तो उक्त तिथि एवं समय अगले कार्यदिवस तक स्वतः विस्तारित समझी जायेगी।
7. निविदा खोलने का स्थान – ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला।
8. निविदा खोलने की तिथि एवं समय –04.07.2023 अपराह्न 2:00 बजे
9. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला।
10. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 9430377526 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
11. निविदा शुल्क राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत ड्राफ्ट या बैकर्स चेक जो कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला के पदनाम से देय हो देना होगा।
12. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गुमला

PR 299877 Rural Development (23-24)_D

प्रो राम शिंदे सहित भाजपा नेताओं ने दिउड़ी मंदिर में की पूजा-अर्चना

आजाद सिपाही संवाददाता

तमाड़। मंगलवार को महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री सह विधान परिषद के सदस्य प्रो. राम शिंदे एवं झारखंड प्रदेश भाजपा के मंत्री सुबोध सिंह गुड्डू तमाड़ स्थित प्राचीन कालीन प्रसिद्ध दिउड़ी मंदिर पहुंचे। माता के दरबार में पहुंच पूजा अर्चना की तथा माता के चरणों में माथा टेका तथा देश के सुख शांति के साथ ही झारखंड प्रदेश की सुख समृद्धि और झारखंड भाजपा की उत्तरोत्तर संगठन मजबूती हेतु माता से कामना की। मालूम हो कि प्रो राम शिंदे एवं प्रदेश मंत्री सुबोध सिंह गुड्डू रांची से जमशेदपुर भाजपा के सांगठनिक कार्यक्रम में जा रहे थे। आज मां दिउड़ी के दरबार में प्रो. राम सिंदे तथा प्रदेश मंत्री के साथ ही राष्ट्रीय मंत्री आशा लकड़ा दीदी, भाजपा के वरिष्ठ नेता जवाहर पासवान, रांची जिला ग्रामीण भाजपा के जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह मुंडा, भाजयुमो मंडल अध्यक्ष महावीर सोनी, विवेक गुप्ता, मदन सिंह मुंडा, सुरेन्द्र साहु सहित कई लोग शामिल थे।

भाजपा मंडल अध्यक्ष की माता के निधन पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने जताया शोक

अड़की (आजाद सिपाही)। भाजपा के मंडल अध्यक्ष मोती पातर की माता का निधन कुछ दिन पूर्व ही हो गया था। आज स्थानीय सांसद सह केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा उनके आवास पहुंचकर शोक व्यक्त किया। इस अवसर पर एसटी मोर्चा के खूंटी जिला अध्यक्ष संजय मुंडा, अड़की सांसद प्रतिनिधि अनूप साहू, चैतन पुराण, किशोर प्रमाणिक, रंजीत महतो सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

सिंगपुर नर्सिंग होम में किया गया हिप रिप्लेसमेंट

मुरी (आजाद सिपाही)। सिंगपुर नर्सिंग होम में आयुष्मान भारत के तहत निशुल्क टोटल हिप रिप्लेसमेंट का सफल ऑपरेशन किया गया। जबकि यह ऑपरेशन बड़े-बड़े अस्पतालों में किया जाता है। इस छोटे से जगह मुरी में अत्याधुनिक मशीन लगाकर यहां के लोगों को यह सुविधा मिल रहा है। इन मरीजों में दुलमी नीमडीह सरायकेला खरसावा निवासी सुंदर बाला आदि एवं चित्तियां तामारी इचागढ़ सरायकेला निवासी केशव चंद्र महतो का सफल ऑपरेशन किया गया। यह ऑपरेशन ऑथोर्पेडिक सर्जन डॉक्टर पूनम मिश्रा एवं डॉ रमनेश प्रसाद द्वारा किया गया।

शहरी जलापूर्ति योजना के ठेकेदार को बचा रहे हैं प्रभारी मंत्री: दिलीप मिश्रा

खूंटी (आजाद सिपाही)। झाविमो के पूर्व जिलाध्यक्ष और समाजसेवी दिलीप मिश्रा ने आरोप लगाया है कि खूंटी जिले के प्रभारी मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव खूंटी शहरी जलापूर्ति योजना के ठेकेदार कों बचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सोमवार को जिला 20 सूत्री की समीक्षा बैठक मैं प्रभारी मंत्री द्वारा शहरी जलापूर्ति योजना के संवेदक को 45 दिनो की मोहलत देना कहीं न कहीं उसे मदद करने जैसा है। शहरी जलापूर्ति योजना को 2021 में ही पूर होना था। 2021 से लगातार उसको समय दिया गया,इसके बाद मंत्री द्वारा फिर 45 दिनों का समय देने का औचित्य समझ से परे है। उन्होंने कहा कि पानी की जरूरत अभी सभी लोगों को है। पीने के पानी की किल्लत पूरे जिले में है, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आज जब कुआं और तालाब सूख गये हैं, शहर में भी गत तीन-चार दिनों से सप्लाई पानी नहीं मिल रहा है, पानी के लिए लोग तरस रहे है, मवेशी को भी पानी नहीं मिल रहा है, ऐसी स्थिति में भी मंत्री को जलापूर्ति कें बार में गंभीरता से सोचना चाहिए। इस मुद्दे पर राजनीति नही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो ठेकेदार निधारित समय के दो वर्षों के बाद भी आधा काम नहीं कर सका, वह भला 45 दिनों में काम कैसे पूरा कर लेगा।

अर्जुन मुंडा 15 को करेंगे श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति खूंटी उप केंद्र का उद्घाटन

खूंटी (आजाद सिपाही)। जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री और खूंटी के सांसद 15 जून को पूर्वाह्न 11.00 बजे खूंटी-चाईबासा रोड स्थित एसजीवीएस हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर परिसर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति खूंटी उप केंद्र(स्व केदारनाथ पोद्दार स्मृति प्रकल्प) का उद्घाटन करेंगे इस अवसर पर राज्यसभा के पूर्व सांसद समारोह के विशिष्ट अतिथि होंगे। मौके पर लेकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष पद्मभूषण कड़िया मुंडा, ललित केडिया, नेमी अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी एसजीवीएस अस्पताल के निदेशक डॉ निर्मल सिंह ने दी।

मारवाड़ी युवा मंच का रक्तदान शिविर आज

खूंटी (आजाद सिपाही)। मारवाड़ी युवा मंच खूंटी नगर शाखा के तत्वावधान में 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल खूंटी स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। मंच के अध्यक्ष अंकित जैन ने जिला वासियों से रक्तदान करने की अपील की है। मंच के रक्तदान संयोजक विशाल जैन ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से एनीमिया के मरीजों की संख्या बढ़ी है, जिससे रक्त की आवश्कता भी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी युवा मंत्र द्वारा मई और जून महीने में सदर अस्पताल को पांच यूनिट रक्त उपलब्ध कराया गया है।

खूंटी के लोधमा में दहशत फैलाने के लिए गोलीबारी करने के चार आरोपी गिरफ्तार

दो पिस्टल, नौ गोलियां और घटना में प्रयुक्त दो वाहन बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। कर्रा थाना क्षेत्र के लोधमा स्थित राम लाइन होटल के समीप गत रविवार की देर शाम रंगदारी को लेकर गोलीबारी कर दहशत फैलाने के चार आरोपितों को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपितों में अंकित केसरी उर्फ बिट्टू (32 वर्ष), शिवम सिंह उर्फ पार्थ सारथी (27 वर्ष), नीरज कुमार पाईक (22 वर्ष) सभी लोधमा थाना कर्रा निवासी और धनबाद जिले के चिरकुंडा थाना निवासी मंटू दांग (30 वर्ष) शामिल हैं।

उनके पास से पुलिस ने 7.65 एमएम की दो पिस्टल, नौ जिंदा कारतूस, एक खोखा घटना में प्रयुक्त एक स्कॉर्पियो वाहन, एक टाटा हैरियर वाहन और सात मोबाइल बरामद किये हैं।

यह जानकारी खूंटी के प्रभारी एसपी नौशाद आलम ने मंगलवार शाम एसपी कार्यालय खूंटी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि वादी आनंद महतो से जमीन और पैसों के लेनदेन के विवाद में हुई गोलीबारी की इस घटना को खूंटी एसपी ने गंभीरता से लेते हुए कांड के उद्भेदन के लिए तोरपा एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया था।

गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के 24 घंटे के अंदर गोलीबारी के सभी चार आरोपितों को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों का आपराधिक इतिहास भी रहा है।

गिरफ्तार शिवम सिंह के विरुद्ध कर्रा थाने में आर्म्स एक्ट, रंगदारी आदि संगीन धाराओं में दो मामले दर्ज हैं, वहीं अंकित केसरी उर्फ बिट्टू के विरुद्ध कांके थाने में हत्या का एक मामला और कर्रा थाने में आर्म्स एक्ट का एक मामला दर्ज है। इसी प्रकार गिरफ्तार नीरज कुमार पाइक और मंटू दांग के विरुद्ध भी कर्रा थाने में आर्म्स एक्ट व रंगदारी का मामला दर्ज है।

छापामारी टीम में तोरपा एसडीपीओ ओम प्रकाश तिवारी के अलावा तोरपा अंचल के पुलिस निरीक्षक दिग्विजय सिंह, कर्रा थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह, एसआई संदीप कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

तपकारा पेरिश में 156 लोगों का पवित्र दृढ़ीकरण संस्कार

जो यहोवा पर भरोसा रखता, वह धन्य है : बिशप बीबी बास्के

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। छोटानागपुर डायसिस के अंतर्गत उत्तर भारत की कलीसिया(सीएनआई चर्च) संत अंद्रियास उपासना तपकारा पेरिश में मंगलवार को पवित्र दृढ़ीकरण संस्कार बिशप बीबी बास्के ने आराधना अनुष्ठान कें साथ दृढ़ीकरण संस्कार संपन्न कराया। दृढ़ीकरण में पहली बार तीन पेरिश मुरहू, डोड़मा और तपकारा पेरिश के विश्वासी शामिल हुए। कन्फर्मेशन में 156 मसीही विवासियों ने पहली बार प्रभु भोज ग्रहण किया। पवित्र दृढ़ीकरण संस्कार में पेरिश पुरोहित रेव्ह मनु महेश हांसदा, सीएनआई डायसिस रांची केन्द्र के पूर्व डायसिस सचिव निर्मल सामद, धर्म जिला कामडारा के जिलाध्यक्ष प्रताप भुईयां तथा तपकारा पेरिश केन्द्र के प्रचारक जोन तोपनो और रेव्ह इमानुएल हंस के अलावा विभिन्न मण्डियों से उपस्थित प्रचारक ने सामूहिक रूप से दृढ़ीकरण संस्कार की आराधना में शामिल रहे।

कार्यक्रम में तपकारा पेरिश के अंतर्गत तपकारा, बरदा, ईटाम, जराकेल, खिजुर टोली, जिलिंगबुरू, लताऊली, और पटपुर की मंडलियां उपस्थित थीं। छोटानागपुर डायसिस के बिशप बीबी बास्के ने दृढ़ीकरण संस्कार प्राप्त करनेवाले 156 लोगों को को शुभकामना देते हुए कहा कि जो वचन पर मन लगाता, वह कल्याण पाता है, और जो यहोवा पर भरोसा रखता, वह धन्य होता है। पेरिश पुरोहित रेव्ह मनु महेश हांसदा कहा ने कहा कि जीवन्त ईश्वर सदा सर्वदा धन्य है। उसका राज्य धन्य है, वह दण्ड देता और दया करता है। कार्यक्रम में तपकारा पेरिश पेरिश सचिव शिरीन गुड़िया, कोषाध्यक्ष सेनेम आश्रिता तोपनो करना डीसीआइएम छोटानागपुर युवा आंदोलन समिति, के निर्देशक आशीष गुड़िया, अध्यक्ष रोहित सुरीन अनीता हेमरोम, जीरेंन तोपनो, आलोक हेमरोम, उषा रानी तोपनो, सोनिया कोनगाड़ी मसीही सेवा महिला समिति की अध्यक्ष मैनी गुड़िया, आजादी हेमरोम, शशिबाला गुड़िया, पेरिस प्रभुवार पाठशाला समिति अधीक्षक जोसेफ गुड़िया, सचिव इमानुएल गुड़िया, सुदीप गुड़िया, तपकारा मुखिया रोशनी गुड़िया आदि उपस्थित थे।

भाजपा का विधानसभा स्तरीय संयुक्त मोर्चा सम्मेलन आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

तमाड़ (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी का विधानसभा स्तरीय संयुक्त मोर्चा सम्मेलन का आयोजन भारतीय जनता युवा मोर्चा, रांची ग्रामीण के जिला अध्यक्ष विवेक आनंद जायसवाल के नेतृत्व में डोडेया मोड़ तमाड़ में संपन्न हुआ।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि भारत सरकार के जनजातीय कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा ने अपने संबोधन में कांग्रेस के शासनकाल के 55 साल और भाजपा के शासन के नौ सालों की तुलनात्मक व्याख्या कर पिछले नौ सालों में पार्टी द्वारा किए गए कार्यों को कार्यकर्ताओं से जन जन तक पहुंचाने की बात कही एवं पार्टी के सातों मोर्चा के दायित्व एवं कार्यों पर विशेष प्रकाश डाला।

विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष आरती कुजूर एवं रांची जिला ग्रामीण के अध्यक्ष सुरेंद्र महतो ने भी

कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

मंच संचालन रांची जिला ग्रामीण के युवा मोर्चा अध्यक्ष विवेकानंद जयसवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन अड़की प्रखंड सांसद प्रतिनिधि अनूप साहू ने किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा रांची ग्रामीण के जिला प्रभारी विनोद सिंह ,अड़की सांसद प्रतिनिधि अनूप साहू, जिला परिषद सदस्य दिलीप सेठ, पंचायती राज प्रदेश सह संयोजक रंजीत लाहिरी, जिला उपाध्यक्ष प्रभुदयाल बड़ाइक, खिजरी सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, रांची जिला ग्रामीण सोशल मीडिया सह प्रभारी भास्कर मुखर्जी, बुंडू नगर मंडल अध्यक्ष आलोक दास, बुंडू ग्रामीण मंडल अध्यक्ष धीरेन महतो, तमाड़ मंडल अध्यक्ष विष्णुपद महतो, युवा मोर्चा अध्यक्ष महावीर सोनी, अपुल राज गुप्ता, विवेक गुप्ता, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीता बड़ाईक, सखी देवी, रेखा देवी, किरण देवी, रितु मुंडा, बंटी चौधरी, पवन जायसवाल, विश्वजीत डे, रंजित महतो सहित सातों मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सम्मेलन में हिस्सा लिया।

एकल अभियान क्षमता विकास वर्ग रांची भाग 1 का समापन सह भोज कार्यक्रम का आयोजन

बुंडू (आजाद सिपाही)। मंगलवार को अरूणालय बैंक्विट हॉल में एकल अभियान क्षमता विकास वर्ग रांची भाग 1 के समापन सह भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री सह स्थानीय सांसद अर्जुन मुंडा भाग लिया।

बैठक : पुरनाडीह परियोजना में रैयत विस्थापित मोर्चा ने की गेट मीटिंग

संडे कटौती हुआ तो विस्थापित करेंगे जोरदार आंदोलन : बिगन भोगता

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। संडे कटौती के विरोध में रैयत विस्थापित मोर्चा एनके एरिया द्वारा मंगलवार को पुरनाडीह परियोजना में गेट मीटिंग किया गया। मोर्चा के एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता ने कहा कि प्रबंधन के द्वारा संडे ड्यूटी में कटौती करने के बारे जो निर्णय लिया है इससे मजदूरों में आक्रोश है। उन्होंने कहा कि आज पूरे एरिया में रैयत विस्थापितो को जमीन के बदले नौकरी मिली है और अब प्रबंधन मजदूरों के संडे में कटौती कर रहा है, यह विस्थापित कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। केंद्रीय सदस्य रंथू उरांव ने

कहा कि अपनी भविष्य को देखते हुए रैयत विस्थापित कोयला खनन के लिए जमीन देते हैं कि नौकरी मिलेगी तो उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा एव उनका समुचित विकास होगा लेकिन इसके उल्टा प्रबंधन के द्वारा संडे कटौती करने का निर्णय लेने का काम कर रहा है। इससे विस्थापित जो नौकरी कर रहे उनको आर्थिक नुकसान होगा। प्रबंधन का यह निर्णय सरासर अन्याय है जिसे विस्थापित मजदूर कभी बर्दाश्त नही करेगा और यही हाल रहा तो फिर कोयला खनन के लिए जमीन देने का क्या फायदा होगा। उन्होंने कहा कि विस्थापित मजदूरों का जो संडे कटौती करने की साजिश की जा रही है इसके खिलाफ रैयत विस्थापित भी आंदोलन करेगा और आने वाले समय में कोई भी रैयत खदान के लिए जमीन नही देंगे। गेट मीटिंग को जगरनाथ महतो, बहुरा मुंडा, राम लखन गंझू,अमृत भोगता, महेन्द्र उरांव सहित कई लोगों ने संबोधित किया। इस अवसर पर नरेश गंझू,प्रभाकर गंझू,विजय उरांव, शिवनारायण लोहरा, रामधारी गंझू, कुलदीप ठाकुर, मनोज गंझू, बालेश्वर उरांव, बंधन गंझू सहित कई मजदूर मौजूद थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

पुनर्वास स्थल को लेकर प्रबंधन एवं मोर्चा के सदस्यों ने किया स्थल का निरीक्षण

खलारी (आजाद सिपाही)। केडीएच प्रबंधन के द्वारा रैयत विस्थापित मोर्चा के सदस्यों के साथ पुनर्वास स्थल को लेकर निरीक्षण किया केडीएच प्रबंधन एव मोर्चा के पदाधिकारी केडीएच खदान के बगल में कई जगहों का निरीक्षण कर पुर्नवास स्थल का चयन को लेकर दौरा किया इस दौरान किस जगह पुनर्वास स्थल ठीक रहेगा जहाँ एकसाथ विश्रामपुर के लोगो को विस्थापित कर पुनर्वास दिया जाएगा प्रबंधन ने कहा कि जहाँ रैयत विस्थापित स्थल का चयन करेंगें वही जगह को पुनर्वास स्थल के लिए फाइल बनाकर मुख्यालय को भेजा जाएगा। प्रबंधन एव मोर्चा के लोगो ने स्थल निरीक्षण कर उस पर चर्चा की प्रबंधन ने पुनर्वास को लेकर हर तरह से सकारात्मक पहल करने एव पुनर्वास स्थल पर सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही। इस अवसर पर रैयत विस्थापित मोर्चा के लोगो ने कहा कि विश्रामपुर गांव के जो लोग विस्थापित होंगे उन्हें जमीन समतलीकरण कर एक जगह बसाने का काम प्रबंधन करे ताकि विस्थापितो को उनकी पहचान बनी रहे।और उन्हें सारी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का काम करे इस मौके पर प्रबंधन की ओर से जे अब्राहम ,मैनेजर ,सर्वेयर एव मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष जालीम सिंह, विनय खलखो, दामोदर गंझू, सिपता गंझू, सोमरा गंझू,किसुन गंझू,बालजीत गंझू,जयराम गंझू आदि मौजूद थे

कोयलांचल से श्रद्धालुओं का जत्था अजमेर शरीफ की यात्रा पर हुआ रवाना

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र के बचरा और राय कोयलांचल क्षेत्र से श्रद्धालुओं का जत्था हिन्द वली ख्वाजा गरीब नवाज के दरगाह अजमेर शरीफ की यात्रा पर रवाना हुआ। सोमवार की रात राय और बचरा से दर्जनो लोग गरीब रथ से कोयलांचल क्षेत्र से अजमेर शरीफ के लिए रवाना हुआ। इस संबंध में श्रद्धालुओ ने बताया कि सभी श्रद्धालु अजमेर शरीफ में हिन्द वली ख्वाजा गरीब नवाज मोईनउद्दीन चिस्ती के दरगाह पहुंचकर जियारत करेगे,साथ ही कोयलांचल सहित राज्य और देश की अमन चैन एवं खुशहाली की दुआ करेगें। उन्होंने कहा कि श्रध्दालुओ का यह जत्था प्रत्येक साल अजमेर शरीफ की यात्रा पर जाते है। अजमेर शरीफ से पूर्व दिल्ली मे हजरत निजामउद्दीन ओलिया और हजरत अमीर खुसरो की दरगाह पर भी जियारत करेगें। अजमेर शरीफ की यात्रा पर जाने वालो मे राय अंजुमन के सदर जुल्फिकार आलम,सेक्रेटरी राजू खान, बचरा अंजुमन के अब्दुल कुदूस, शाहनवाज आलम, मोहम्मद इरफान,पप्पू खान, सादिक अंसारी,मोहम्मद शोएब,मोहम्मद आयान, मोहम्मद आफरान सहित अन्य लोगों के नाम शामिल हैं।

प्रजापति कुम्हार महासंघ ने पिपरवार के बेंती मे चलाया जनसंपर्क अभियान

पिपरवार (आजाद सिपाही)। प्रजापति कुम्हार महासंघ के द्वारा मंगलवार को सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बेंती गांव मे जनसम्पर्क अभियान चलाया गया। संघ के पिपरवार क्षेत्रिय अध्यक्ष सिकेन्द्र प्रजापति के नेतृत्व मे बेंती पंचायत के कई टोला मे यह अभियान चलाया गया, जिसमे मे महासंघ के 14 जून को टंडवा नगर भवन मे होने वाले सम्मान समारोह मे समाज के सभी लोगो से शामिल होने की अपील की गई।संघ के अध्यक्ष सिकेन्द्र प्रजापति ने बताया कि इस सम्मान समारोह में इस वर्ष मैट्रिक और इंटर परीक्षा में सफल हुए समाज के बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही समाज की दशा और दिशा सहित समाज से जुड़ी समस्या पर चर्चा की जाएगी।इस समारोह मे मुख्य अतिथि के रूप मे महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष ईश्वरचंद प्रजापति और विशिष्ट अतिथि में सिमरिया विधायक किशुन दास,पूर्व विधायक योगेश्वर महतो सहित कई गणमान्य लोग शामिल होंगे।समारोह को लेकर सारी तैयारी पुरी कर ली गयी है। इस मौके पर सिकेन्द्र प्रजापति,अजय प्रजापति,राजेश प्रजापति, हेमराज प्रजापति, बैजनाथ प्रजापति, बिनोद प्रजापति, महाबीर प्रजापति, मनोज प्रजापति, मोहन प्रजापति, खजांची प्रजापति, विजय प्रजापति, उमेश प्रजापति सहित कई लोग मौजूद थे।

करंट लगने से सात मवेशियों की मौत

बुंडू (आजाद सिपाही)। बुंड के बारेडीह गांव में बिजली करंट लगने से आधा दर्जन मवेशियों की मृत्यु हो गयी। ग्रामीणों ने बताया कि यह घटना अहले सुबह की है। गुरुचरण प्रमाणिक के एक बैल, बुद्धू मुंडा दो बैल, सुखराम मुंडा का एक बैल, जगरनाथ महतो एक बैल, शंभू ठाकुर की एक गाय और पुष्कर ठाकुर की एक गाय मर गयी। घटना की जानकारी मिलते ही जिला परिषद सदस्य परमेश्वरी शांडिल घटना स्थल पहुंच कर सम्बंधित पदाधिकारियों को फोन में जानकारी दें कर करंट को बंद कराया जानकारी मिलते ही बीडीओ संध्या मुंडू सीओ राजेश डुगडुग प्रमुख राजकुमार पशु चिकित्सक पंचायत समिति सदस्य सिंह राय दास, जिला परिषद सदस्य परमेश्वरी शांडिल ,तारा मुंडा, श्याम कुमार महतो आदि घटनास्थल पहुंचे, लेकिन विधुत विभाग से कोई भी पदाधिकारी नहीं पहुंचे पदाधिकारी पीड़ित परिजनों से मिले। अंचल अधिकारी राजेश डुंगडुंग के नेतृत्व में मृत सभी जानवरों का पशु चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। पीड़ित परिवारों ने अंचलाधिकारी से बैलों की उचित मुआवजा देने की मांग की। अंचलाधिकारी ने किसानों को उचित मुआवजा देने हेतु शीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

आजसू पार्टी के स्थापना दिवस की तैयारी में जुटें कार्यकर्ता : राजेंद्र शाही मुंडा

टाटी एवं सुरसू पंचायत आजसू पार्टी ग्राम प्रभारियों की बैठक आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

सिकिदिरी। प्रस्तावित जोन्हा प्रखंड अन्तर्गत टाटी एवं सुरसु पंचायत के ग्राम प्रभारियों की बैठक मंगलवार का अमर सिंह मुंडा की अध्यक्षता में टाटी मैदान में की गई। बैठक का संचालन भोलानाथ बेदिया के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के केंद्रीय सचिव सह जिला परिषद सदस्य अनगड़ा पूर्वी राजेंद्र शाही मुंडा उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि श्री मुण्डा ने बैठक में उपस्थित ग्राम प्रभारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सबको पार्टी की मजबूती के लिए संगठित एवं अपने कार्य को इमानदारी पूर्वक करने की आवश्यकता है। साथ ही सभी कार्यकर्ताओं को आगामी 22 जून को होने वाले स्थापना दिवस की तैयारी जोर-शोर से करना है। उन्होंने ये भी कहा कि जल्द ही पार्टी में अन्य दलों के कार्यकर्त्ता सुदेश महतो के समक्ष सदस्यता ग्रहण करेंगे। सभी ग्राम प्रभारियों को निर्देश दिया और कहा कि सभी बूथ में चूल्हा प्रमुखों के साथ बैठक करना सुनिश्चित करें।

बैठक में जिला सचिव शंकर बेदिया, वीरेंद्र सिंह मुंडा, प्रखंड उपाध्यक्ष श्याम सुंदर बेदिया, प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष छुतुलाल बेदिया, महासचिव विक्रम हजाम, पंचायत अध्यक्ष धर्मदेव रजवार, ग्राम प्रभारी दीनदयाल बेदिया, कर्मसिंह बेदिया, मोहन बेदिया, मधुसूदन बेदिया, वीरेंद्र लोहरा, भरतराम बेदिया, सुखदेव बेदिया, हीरालाल बेदिया, सहजू बेदिया, सीताराम रजवार, गुराई महतो, मनोज महतो, सुधू बेदिया, अर्जुन बेदिया, लखींद्र बेदिया, सुकुवा बेदिया, रवि महतो, विनेश बेदिया, सोमरा बेदिया, रमेश बेदिया, बब्लू सहित अन्य लोग मौजूद थे।

खेल स्टेडियम के ऊपर से गुजरने वाला 11 हजार वोल्ट का ओवरहेड बिजली तार को हटाने की मांग

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। ग्रामप्रधान संघ के जिलाध्यक्ष उमेश बड़ाईक नें उर्जा विभाग झारखण्ड के अपर मुख्य सचिव को ज्ञापन प्रेषित कर अनगड़ा के लुपूंगजारा में बने खेल स्टेडियम के बीचों-बीच गुजरे 11 हजार वोल्ट के ओवरहेड बिजली तार को अविलंब हटाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि करोड़ों की लागत से खेल स्टेडियम तो बना दिया पर ओवरहेड बिजली तार को नहीं हटाया गया। बीचों-बीच तार गुजरने से इस स्टेडियम के बनने का कोई औचित्य नहीं रह गया है। इससे क्षेत्र के होनहार नौनिहालों का हर तरह का खेल अभ्यास एवं गतिविधि बंद है। बताया गया कि विगत वर्ष 2019 में उक्त बिजली तार को स्थानांतरित करने हेतु 1,74468/लाख का प्राक्कलन तैयार कर कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल को उपलब्ध कराया गया था। उक्त राशि को विशेष प्रमंडल द्वारा अपने प्राक्कलन में सम्मिलित कर कुल राशि 5,85800 लाख आवंटन विमुक्त करने हेतु डीडीसी रांची को आगे की कारवाई हेतु भेजा गया था। परंतु उक्त राशि को अब तक झारखण्ड बिजली वितरण निगम लिमिटेड को उपलब्ध नहीं कराया गया है। उमेश बड़ाईक ने यथाशीघ्र राशि उपलब्ध कराने की मांग की है ताकि उक्त तार के स्थानांतरण का कार्य कराया जा सके।

हेसातू पंचायत के दुबलाबेड़ा गांव में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। हेसातु पंचायत के दुबलाबेड़ा गॉव में आज मंगलवार के दिन निशुल्क स्वास्थ्य जॉच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 60 लोगों का स्वास्थ्य जॉच की गई व दवा का वितरण किया गया। शिविर में सीएचओ अल्फा केरकेट्टा, सहिया किरण देवी, रस्सी देवी, उपमुखिया चरण बेदिया , किशोर बेदिया, रामलाल मुण्डा, मनेशवरी देवी आदि का अहम योगदान रहा।

उद्योगिनी संस्था ने ओबर गांव में किसानों के बीच किया सोलर पंप का वितरण

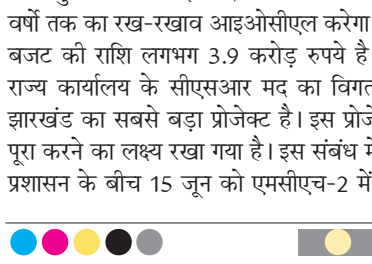

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। नवागढ़ पंचायत के ओबर में आज मंगलवार के दिन उधोगिनी संस्था ने किसानों के बीच सोलर सिंचाई पम्प का वितरण किया। यह मशीन 70 प्रतिशत अनुदान पर किसानों को दी गयी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नवागढ़ मुखिया श्री भुवनेश्वर बेदिया उपस्थित थे । मुखिया के हाथों ही किसानों के बीच पम्प का वितरण किया गया। मुखिया श्री बेदिया ने अपने संबोधन मे कहा कि उधोगिनी संस्था की ये पहल बहुत अच्छी है। इसे किसानों को काफी लाभ मिलेगा । किसानों को सिचाई करने के लिए अब बिजली पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। यह सोलर युक्त सिंचाई मशीन किसानों के लिए वरदान साबित होगा। मौके पर संस्था के प्रतिनिधि आशीष महतो ,दिलीप मिर्धा,संगीता देवी वार्ड सदस्य गयित्री देवी ,किसान सुमित्रा देवी ,रुनी देवी सोमरा बेदिया ,सोहराय बेदिया,लखिचरण बेदिया राजेन्द्र बेदिया एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

आइओसीएल सदर अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन लगायेगा, 15 को होगा एमओयू

खूंटी (आजाद सिपाही)। स्वास्थ्य के क्षेत्र में जिले के मरीजों को सीटी स्कैन मशीन की उच्च गुणवत्तापूर्ण जांच की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आइओसीएल) अपने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व(सीएसआर) के अंतर्गत खूंटी जिला प्रशासन के सहयोग से एक अत्याधुनिक 32 स्लाइस सीटी स्कैन मशीन खूंटी सदर अस्पताल के एमसीएच 2 भवन में स्थापित की जाएगी। इसके लिए एमओयू किया जाएगा। सीटी स्कैन मशीन की खरीद और एमसीएच-2 भवन में इसकी स्थापना से संबन्धित आधारभूत संरचना का निर्माण जैसे सीटी स्कैन मशीन के स्थापना के मानकों के अनुरूप बनाना व सभी अत्याधुनिक संसाधन इत्यादि उपलब्ध कराने के साथ ही स्थापना से पांच वर्षो तक का रख-रखाव आइओसीएल करेगा। इस प्रोजेक्ट के अनुमानित बजट की राशि लगभग 3.9 करोड़ रुपये है। यह आइओसीएल बिहार राज्य कार्यालय के सीएसआर मद का विगत पांच वर्षो में बिहार और झारखंड का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट को अगले एक वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस संबंध में आइओसीएल और जिला प्रशासन के बीच 15 जून को एमसीएच-2 में एमओयू किया जाएगा।

प्रदर्शन : सीआइटी के पास अंडर पास के दोनों छोर पर सर्विस रोड बनाने की मांग

सर्विस रोड नहीं बनाये जाने से आक्रोशित सैकड़ों ग्रामीणों ने रिंग रोड में उतर कर जताया विरोध

दोनों छोर पर सर्विस रोड नहीं रहने से ग्रामीणों को आवागमन में काफी असुविधा हो रही है

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। हेसल मौजा के मिलन चौक मंझिलाटोली में सीआईटी के पास गुजरने वाली अंडरपास एवं हेसल मोड़ से बाहेया जाने वाली सड़क पर बने अंडरपास के दोनों छोर पर सर्विस रोड नहीं बनाए जाने से आक्रोशित सैकड़ों ग्रामीण मंगलवार को रिंग रोड में उतर कर विरोध जताया।

पूर्व विधायक रामकुमार पाहन के नेतृत्व में सर्विस रोड की मांग कर रहे हेसल, मंझिलाटोली, सिलवे, मासु, बाहेया, उलातु आदि गांवों के लोगों का कहना कि एनएचएआई द्वारा एनएच 33 फेज-1 में निर्मित सड़क जो हेसल मौजा के मंझिलाटोली मिलन चौक के समीप से होकर गुजर रही है, इसमें सीआईटी की ओर जाने वाली सड़क पर अंडरपास तो बना दिया गया है, पर इसमें दोनों छोर पर सर्विस एप्रोच रोड नहीं बनाया गया। क्षेत्र में घनी आबादी एवं कई शैक्षणिक संस्थान होने की वजह से वाहनों के आवागमन का भार अत्यधिक बढ़ गया है। अंडरपास के दोनों छोर पर सर्विस रोड नहीं रहने से ग्रामीणों को आवागमन में काफी असुविधा हो रही है। सर्विस रोड बन जाने से ग्रामीणों को काफी सुविधा होगी।

कार्यस्थल पर विरोध प्रदर्शन कर रहे ग्रामीण मौके पर कार्यपालक अभियंता को बुलाने की मांग कर रहे थे। इस दौरान कुछ देर के लिए सड़क पर काम रूक गया था। बाद में कार्यपालक अभियंता द्वारा सर्विस रोड बनाए जाने का ठोस आश्वासन दिए जाने के बाद ग्रामीण आगे काम शुरू कराने को लेकर राजी हुए। मौके पर कार्यपालक अभियंता को मांगों से संबंधित एक ज्ञापन भी सौंपा गया।

विरोध प्रर्दशन में आजसू नेता पारसनाथ उरांव, जगरनाथ महतो, सिलवे पंचायत की मुखिया नूतन पहान, सखीचंद महतो, नरेश साहू, रामनाथ महतो, सिकंदर अंसारी, उमेश बड़ाईक, गबेश्वर महतो, हरिलाल महतो, पंसस श्रुति मुण्डा, सुधांशू महतो, अजय महतो, प्रकाश महतो, रामपोदो महतो आदि शामिल थे।

गांव की हर समस्या का समाधान किया जायेगा: शिल्पी नेहा तिर्की

मांडर विधायक ने किया गांवों का दौरा कर समस्याओ की ली जानकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने मंगलवार को प्रखंड के मुरतो पंचायत के कई गांवों का दौरा किया। जहां ग्रामीणों ने गांव में पेयजल सहित गांव की कई समस्याओं को विधायक के पास रखा।

विधायक ने गांव की समस्याओं से अवगत होकर कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का यथाशीघ्र निराकरण किया जाएगा। राज्य सरकार गांव की हर बुनियादी जरूरत को ध्यान में रख कार्य कर रही है। आपकी हर समस्या का समाधान किया जाएगा। पानी की समस्याओं का नल जल योजना द्वारा निदान किया जा रहा है। सरकार द्वारा ग्रामीणों के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इन योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है की नहीं इसी की जानकारी के लिए उनके द्वारा गांव का दौरा किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों को सरकार की कई योजनाओं की जानकारी दी।उन्होंने अपने कार्यकताओं से कहा कि वे गांवों में जाकर प्राथमिकता के आधार पर सूची तैयार करें ताकि कोई भी गांव विकास से अछूता न रहे।वहीं ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति से विधायक का स्वागत किया। मौके पर जिप सदस्य बेरोनिका उरांव उपप्रमुख मोददसिर हक,करमा उरांव, मनकु कुजुर फहीम, सिल्वेस्टर इम्तियाज, दिलीप सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पलायन रोकने के लिए हर पंचायत के एक हजार लोगों को मनरेगा से जोड़ना होगा : मसीह गुड़िया

जिला परिषद की बैठक में सभी विभागों से क्रियान्वित योजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा की गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला परिषद के सभागार में परिषद की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें पूर्व की बैठक की कार्यवाही के अनुपालन की समीक्षा की गई। साथ ही सभी विभागों द्वारा क्रियान्वित याजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा की गई।

मौके पर पंचायती राज विभाग द्वारा प्राप्त आवंटन के आलोक में स्वीकृत योजनाओं की घटनोत्तर तथा 15वें वित्त आयोग अंतर्गत ग्राम पंचायत एवं पंचायत समिति द्वारा अनुमोदित योजनाओं की स्वीकृति के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। मौके पर पर जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया ने कहा कि जिले का निरंतर विकास हो रहा है, पर हमलोगों को पलायन पर विशेष काम करना होगा। उन्होंने कहा कि पलायन की रोक के लिए प्रत्येक पंचायत से एक हजार लोगों को मनरेगा से जोड़ना होगा। साथ ही खतियान एवं लगान रसीद में हुई त्रुटियों का शुद्धीकरण का कार्य भी करना होगा।

मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,जिला परिषद सह उप विकास आयुक्त नीतीश कुमार सिंह ने कहा कि प्रंखड एवं पंचायत स्तर पर योजनाओं के चयन और कार्यान्वयन में जनप्रतिनिधियों की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन तथा प्लास्टिक का उपयोग बंद करने के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करना आवश्यक है। जिला परिषद की उपाध्यक्ष मुजू देवी की मांग के आलोक में कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ती प्रमंडल, खूंटी द्वारा बताया कि कर्रा प्रखंड के केशरी मोहल्ले मे लगे 11 हजार लाइन तार को अन्य जगह पर हटाने के कार्य के लिए अनुरोधकर्ता के द्वारा प्राक्कलन की राशि जमा करना होगा।

जिला सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार ने मुरहू-तपकारा-तोरपा पथ की मरम्मत की ओर ध्यान आकृष्ट कराया गया। इस पर पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता द्वारा बताया गया कि उक्त पथ की मरम्मत के लिए प्राक्कलन तैयार कर स्वीकृति के लिए विभाग को भेजा गया है।

कार्यक्रम : सरना सनातन धर्म रक्षा सम्मेलन में मुख्य वक्ता रंगनाथ महतो ने कहा

सरना और सनातन को एक मंच पर आकर भाषा संस्कृति की रक्षा करना होगा

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। लापुंग प्रखंड के दानेकेरा बगीचा में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के बैनर तले एक दिवसीय सरना सनातन धर्म रक्षा मंच का आयोजन वैध बंधन सिंह खेरवार की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सह मुख्य वक्ता विहिप प्रान्त सह मंत्री रंगनाथ महतो, विशिष्ट अतिथि रांची जिला जनजाति सुरक्षा मंच जगरनाथ भगत, प्रदेश जनजाति सुरक्षा मंच सन्नी टोप्पो, समाजसेवी किशोर साहू, गुमला जिला मंत्री केशव चन्द्र राय के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर व ऊँकार के उच्चारण से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में सभी वक्ता व मेहमानों को अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया। मुख्य वक्ता रंगनाथ महतो ने कहा कि गौ, मातृ भूमि, माता, धर्म, संस्कृति की रक्षा करना हमारी संस्कृति है। सरना और सनातन को एक मंच में आकर भाषा संस्कृति की रक्षा करना होगा। एकजुटता से ही धर्म की रक्षा होगी।

जगरनाथ भगत ने कहा कि सरना और सनातन धर्म की रक्षा तभी होगी, जब देवी गुड़ी, सरना व मसना सुरक्षित रहेगी। बाहरी शक्ति से बचना होगा। जन्म से ही सनातनी हिन्दू है और रहेगा। हिंदुस्तान में रहने वाले सभी को हिन्दस्तानी कहा जाता है।

सन्नी टोप्पो ने कहा कि सरना सनातन को बरगलाना बंद करे। सरना और सनातन एक है और एक रहेंगे। लव जिहाद और लैंड जिहाद हावी है। नाम बदलकर शादी करके जमीन को हथियाने की नई साजिश हो रही है। कार्यक्रम के उपरांत समरसता पूर्ण भोज का आयोजन किया गया।

मंच संचालन शिव लोचन सिंह खेरवार, मुख्य वक्ता दीपक ठाकुर बजरंगदल प्रांत सयोजक, कार्यकारी अध्यक्ष रामप्रसाद साहू, सुरेश मुन्डा 22 पढहा राजा, कार्तिक लोहरा , समाजसेवी जितेंद्र नायक, कार्तिक लोहरा, चरकु साहू, शंकर साहू, बिरंचि महतो, सत्यनारायण महतो, कलेश्वर गोप, वैध खिलेश्वर सिंह खेरवार, नन्दला साहू, शशि देवी , बैजनाथ भगत, धनन्जय उरांव, पवन गोप, जगरनाथ उराँव आलावे गुमला लोहरदगा के अलावे अनेक कार्यकर्ता ने भाग लिया। कार्यक्रम की सफलता के लिए लापुंग पुलिस सदल बल मौजूद थी।

महत्वपूर्ण न्यूज

बड़ी सवारी ट्रेनों का ठहराव भी टांगर बसली स्टेशन पर हो : बंधु तिर्की

मांडर (आजाद सिपाही)। रांची लोहरदगा रेल मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन टांगर बसली का आज दक्षिण पूर्व रेलवे के अभियंता एवं सीओ के साथ पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने स्टेशन का भ्रमण किया। वहां चल रहे विकास कार्य का निरीक्षण किया गया। पूर्व से ग्रामीणों की मांग थी कि स्टेशन पर बड़े सवारी ट्रेनों का ठहराव हो ताकि जक्सन के रूप में इस स्टेशन का विकास हो सके और आसपास के ग्रामीण इलाकों के लोगों को रेल मार्ग की सुविधा उपलब्ध हो सके। पूर्व विधायक बंधु तिर्की ने दक्षिण पूर्व रेलवे के डीआरएम से मुलाकात कर ओवर ब्रिज एवं स्टेशन की सुविधाओं को लेकर स्थिति से अवगत कराया था। जिसके बाद रेलवे की टीम ने निरीक्षण किया और सभी बुनियादी सुविधाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के क्रम में मांडर के अंचल अधिकारी विजय हेमराज, प्रखंड प्रमुख फिलिप इक्का, उपप्रमुख अमानत अंसारी, विधायक प्रतिनिधि जमील अंसारी के साथ सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सीआइटी के तीन विद्यार्थियों का कैंपस सिलेक्शन

नामकुम (आजाद सिपाही)। कैंब्रिज इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस इंजिनियरिंग ब्रांच के तीन विद्यार्थियों का कैंपस सिलेक्शन मल्टी नेशनल कंपनी टेक महेंद्रा ने किया है। विद्यार्थियों का चयन टेक्निकल सपोर्ट एक्यूटिव के पद पर किया गया। प्लेसमेंट ऑफिसर तृस्ता घोष ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों का जॉब लोकेशन भुवनेश्वर में होगा तथा शुरुआती दौर में इन्हें 1.8 लाख का सालाना वेतन मिलेगा। कंपनी की एचआर हेड रोहिणी कुमारी ने चयनित विद्यार्थियों को जॉयनिंग लेटर दिया। चयनित विद्यार्थियों में शिवानी कुमारी, अंजलि कुमारी व वेदांत हिम्मत सिंह का नाम शामिल हैं। मौके पर प्रभारी प्राचार्य प्रो. अर्शद उस्मानी, डॉ ए भट्टाचार्य, प्रो. अंकित कुमार आदि शिक्षक मुख्य रूप से उपस्थित थे। सभी सफल विद्यार्थियों को कैंब्रिज ट्रस्ट की चेयरपर्सन जानकी देवी ने बधाई दी है।

भाजपा नेता अशेष बारला ने पद्मश्री सिमोन उरांव से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की ली जानकारी

बेड़ो (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक अशेष बारला ने मंगलवार को बेड़ो स्थित आवास में पद्मश्री सिमोन उरांव से मुलाकात कर उनका कुशल क्षेम जाना। उन्होंने उनकी स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि वे पूर्व से लकवाग्रस्त हैं। इस संबंध में उन्होंने बेड़ो के बीडीओ डॉ प्रवीण कुमार से उनके स्वास्थ्य के संबंध में बातचीत की। साथ ही चिकित्सा कराने की बात कही। वहीं बीडीओ ने इसे संज्ञान में लेते हुए अशेष बारला को बताया कि सिविल सर्जन से चर्चा कर पद्मश्री की उचित चिकित्सा की व्यवस्था की जाएगी। प्रदेश संयोजक अशेष बारला ने कहा कि ऐसे सम्मानित व्यक्तित्व को राज्य सरकार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। यह राज्य सरकार की जिम्मेवारी होती है। सिमोन उरांव गत सात महीने से ज्यादा समय से बीमार चल रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार से उनके उचित चिकित्सा व्यवस्था मुहैया कराने की गुहार लगाई।

सड़क हादसा में गोविंदपुर निवासी नेसार अंसारी गंभीर रूप से घायल, रिम्स रेफर

लापुंग (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के बेड़ो सांई मंदिर मार्ग पर मंगलवार की अपराह्न लगभग साढ़े चार बजे हरिहरपुर जामटोली बैर टोली गांव के कच्चा छापर पुल के समीप समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार गोविंद पुर गांव (जरियागढ़ थाना) निवासी 49 वर्षीय नेसार अंसारी पिता रहमान खान गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे घघारी निवासी समाज सेवी दशरथ उरांव ने ने ग्रामीणों के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेड़ो पहुंचाया। जहां डा प्रियंका ने घायल का प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए रिम्स रेफर कर दिया।

लाभुकों के बीच बत्तख चूजा का वितरण

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय के परिसर में मंगलवार को मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना वितिय वर्ष 2022-23 के अन्तर्गत बत्तख चूजा का वितरण किया गया। योजना में 90 प्रतिशत सरकारी अनुदान है शेष 10 प्रतिशत लाभुक से अंशदान लिया गया। वितरण पशुपालन पदाधिकारी डा संजय उरांव के देखरेख में प्रमुख विनिता कच्छप मुखिया नीरज कुजूर,जतरू उरांव पूर्व मुखिया सुनील कच्छप, तेजु दास ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर नीरज कुजूर कहा कि राज्य सरकार द्वारा बेरोजगारी दूर करने और स्वरोजगार को बढ़ावा देने लिए यह योजना लागू किया गया है। इस योजना का स्थानीय लाभुक अधिक से अधिक लाभ उठा सकते है।बतख पालन आमदनी का बेहतर साधन है। बतख पालन कर लोग आत्मनिर्भर बन सकते है। मौके पर पशुधन मित्र बिरसा उरांव,रामु मुंडा,टीआरआईएफ लक्ष्मी कुमारी, पिंकी कुमारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

1.77 एकड़ आम गैरमजरुआ भूमि पर लोगों का अवैध कब्जा

1.77 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण कर रह रहे लोग सरकार को लाखों रुपये का लगा रहे हैं चूना

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। हरिहरगंज शहरी क्षेत्र के रेवन्यू विलेज सतगांवा में 1.77 एकड़ आम गैरमजरूआ व केसर-ए-हिंद भूमि पर लोगों ने अवैध कब्जा जमाए बैठे हैं।

वहीं नाम नहीं छापने के शर्त पर कई लोगों ने बताया कि प्रसाशन के मिली भगत से आम गैरमजरूआ जमीन को कब्जा कर अतिक्रमण किए हुए हैं। भारत सरकार की केसर-ए-हिंद जमीन जिसे केन्द्र व राज्य सरकार को सुरक्षित रखना है। इसकी देख रेख की जिम्मेदारी जिला बोर्ड के पास है। लेकिन पलामू जिले के हरिहरगंज शहर अंतर्गत रेवन्यू विलेज सतगांवा में प्लॉट संख्या 1153, खाता 253, रकवा 1.77 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण कर स्थानीय लोगों द्वारा मकान बना लिया गया है और मकान को किराये पर लगा कर रकम वसूली कर रहे हैं।

उक्त भूमि पर देखा जाए तो करीब पच्चास से भी अधिक दुकानें बनी हुई है। जिसे मालिकाना हक समझ कर किराये के दुकानदारों से लाखों रुपये वसूली जा रही है। जबकि सरकार के खाते में एक रुपये भी नहीं जा रही है।अतिक्रमण कर रहे लोगों ने अपने मकानों को बनाने के बाद सरकारी लगान को ताक पर रख कर इनकम बना रखी है। इससे सरकार को प्रति माह लाखों रुपये का क्षति हो रही है। वहीं जिला बोर्ड भी मौन साधे हुए है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह अतिक्रमण काफी समय से चल रहा है। जिस पर प्रसाशन कभी संज्ञान में नहीं ली, अगर ली होती तो केसर-ए-हिंद भूमि पर अतिक्रमण नहीं होती।इस पर सरकार को संज्ञान में लेने की आवश्यकता है और उचित कार्रवाई करे।

डीसी ने शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा की

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू डीसी आंजनेयुलु दोड्डे ने मंगलवार को शिक्षा विभाग के पदाधिकारियों व कर्मियों संग बैठक कर जिले में जिले में शिक्षा विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। समाहरणालय के सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने छात्रों का खाता खोलने, छात्रवृत्ति, पोशाक, पाठ्य पुस्तक मध्यान भोजन आदि की समीक्षा करते हुए कई निर्देश दिये।

कस्तूरबा बालिका विद्यालय के दो वार्डन पर कार्रवाई करने के निर्देश

मैट्रिक के परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने विश्रामपुर व लेस्लीगंज के तत्कालीन वार्डन के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिये। विश्रामपुर व लेस्लीगंज के कस्तूरबा गांधी विद्यालय में मैट्रिक के रिजल्ट में संतोषजनक परिणाम नहीं आने के कारण उपायुक्त ने यह निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि कस्तूरबा के सभी विद्यालयों में बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, सभी वार्डन यह सुनिश्चित करें।

विद्यालयों में बेंच, डेस्क, पोशाक या अन्य सामग्री स्थानीय एसएचजी ग्राम संगठन से ही लेना सुनिश्चित करें : उपायुक्त

बैठक में उपायुक्त श्री दोड्डे ने स्कूल प्रबंधन समिति को स्कूलों में बेंच, डेस्क, पोशाक या अन्य सामग्री की आपुर्ति के लिये बाहर की एजेंसी से कार्य लेने के बजाय जेएसएलपीएस के स्थानीय स्वयं सहायता समूह से काम करवाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्य से स्थानीय महिलाओं को रोजगार में सहूलियत होगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भविष्य में विद्यालयों में किसी भी तरह की सामग्री की आपुर्ति स्थानीय एसएचजी ग्राम संगठन के माध्यम से ही होना चाहिए।

बच्चों के शिक्षा से खिलवाड़ किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं :

बैठक में उपायुक्त श्री दोड्डे ने दो टूक शब्दों में कहा कि जिले में बच्चों के शिक्षा से खिलवाड़ किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा कि किसी कस्तूरबा बालिका विद्यालय के स्कूल में बगैर सूचना दिए कोई शिक्षिका अनुपस्थित पायीं गयी तो संबंधित वार्डन को सस्पेंड किया जायेगा। उन्होंने कहा कि कोई भी सरकारी शिक्षक अपने स्थान पर किसी दूसरे निजी व्यक्ति को रखकर शिक्षण का कार्य करवाते हुए पाया जाता है तो ऐसे शिक्षकों के विरुद्ध सीधे बर्खास्तगी की कार्रवाई की जायेगी। मौके पर उप विकास आयुक्त रवि आनंद, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी,सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, अकाउंटेंट, बीपीओ, विभिन्न वार्डन समेत अन्य उपस्थित थे।

भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ टिफिन बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। महाजनसंपर्क अभियान के तहत वरिष्ठ कार्यकताओं के साथ दीनदयाल सभागार में मेदिनीनगर में टिफिन बैठक किया गया। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने कहा कि मोदी सरकार के नौ साल में कई ऐतिहासिक कार्य हो रहे हैं। देश के विकास एवं जनकल्याण की योजनाएं धरातल पर उतारी गई है। पार्टी ने भी महाजनसंपर्क अभियान के तहत केंद्र सरकार की उपलब्धियों को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से घर-घर पहुंचाने का प्रयास कर रही है। पलामू संसदीय क्षेत्र में भी सड़क

पुल पुलिया का निर्माण सहित एनएच 75 और एनएच 98 में कार्य जारी है। शिक्षा के क्षेत्र में मेडिकल, इंजीनियरिंग पॉलिटेक्निक कॉलेज, केंद्रीय, नवोदय, एकलव्य, विद्यालय का निर्माण कराया गया है। बिजली के क्षेत्र में बड़े पावर ग्रीड लगे है। वही सोलर प्लांट लगाने के लिए पलामू एवं गढ़वा मे स्वीकृति मिल गयी। पानी सप्लाई के लिए भी वर्षों से पैसा आकर पड़ा हुआ है। रेलवे तीसरी लाइन निर्माण और रेल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए इंटरसिटी एवं अन्य ट्रेनों का परिचालन जारी है। केंद्र कि मोदी सरकार द्वारा जन कल्याण के लिए किए जा रहे कार्य पीएम आवास योजना, शौचालय योजना, जनधन योजना, अन्न योजना, किसान योजना, आयुष्मान भारत जन औषधि सहित विभिन्न योजनाओं से शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को लाभ पहुंच रहा है। कार्यकर्ताओं से अपील है कि मोदी सरकार की जनकल्याण योजनाओं के बारे में घर-घर तक जाकर बताएं ताकि लाभार्थियों को इसका लाभ हो सके।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विजयानंद पाठक ने किया संचालन विभाकर नारायण पांडे एवं धन्यवाद ज्ञापन अविनाश वर्मा ने किया।

टिफिन बैठक को श्याम नारायण दुबे,मुकेश निरंजन सिन्हा, परशुराम ओझा, अमलेश्वर दुबे, उदय शुक्ला, दुर्गा जोहरी ने भी संबोधित किया।

बैठक में प्रफुल्ल कुमार सिंह, शिव कुमार मिश्रा, विजय ओझा, सोमेश सिंह, नरेंद्र पांडे, विनोद सिंह, अमित तिवारी, मंगल सिंह, सीटू गुप्ता, रूपा सिंह, लवली गुप्ता, सुमन गुप्ता, बसंती देवी, ज्योति कुमारी, सुमन कुमार, भीषम चौरसिया, ज्ञान धन चौरसिया, पंकज तिवारी, प्रदीप बाबुल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत, एक गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

बिश्रामपुर (पलामू)। रेहला ओवर ब्रिज के पास एनएच 75 पर हुए सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना सोमवार रात दस बजे की है। मिली जानकारी के अनुसार डंडीला खुर्द गांव निवासी श्रीकांत शुक्ला का पुत्र राकेश शुक्ला उर्फ टिंकल शुक्ला मोटरसाइकल से घर आ रहा था। इसी बीच ओवर ब्रिज के पास सामने से आ रही एक दूसरी मोटरसाइकल से जोरदार टक्कर हो गई। जिससे टिंकल शुक्ला और दूसरी मोटरसाइकल पर सवार आनंद विश्वकर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही रेहला पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने दोनों घायलों को बिश्रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु मेदिनीनगर एमएमसीएच रेफर कर दिया गया। एमएमसी में इलाज के दौरान देर रात टिंकल शुक्ला (28) की मौत हो गई। वहीं दूसरा घायल आनंद विश्वकर्मा का अभी इलाज चल रहा है।

ई – प्रोक्योरमेन्ट सेल मुख्य अभियंता का कार्यालय, कम्बाईन्ड ऑफिस बिल्डिंग भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड, रांची।
ई–प्रोक्योरमेन्ट नोटिस
(अति अल्पकालीन)

टेन्डर रेफरेन्स नं0–BCD/CE/25/ Dumka/2023-24 दिनांक–13-06-2023

Sl.No	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Construction of Stainless Steel Q-Barricading Work in Q-Complex Ground Floor in the Occasion of Sharawani Mela 2023 at Basukinath Dham Under Jarmundi Block, Dist- Dumka For the Year 2023-24	Rs.2,14,82,910.00	01 Month
2	वेबसाइट पर निविदा प्रकाषन की तिथि	16-06-2023	
3	वेबसाइट पर बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय	22-06-2023 up to 11:00 A.M	
4	निविदा प्रकाषित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	ई – प्रोक्योरमेन्ट सेल मुख्य अभियंता का कार्यालय , कम्बाईन्ड ऑफिस बिल्डिंग, भवन निर्माण विभाग, लाईन टैंक रोड, रांची।	
5	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	9631476651	
6	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	9631476651	

किसी भी प्रकार का बदलाव http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
•अन्य किसी भी प्रकार की सूचना http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
Note: UCAN Registration is mandatory for the Bidders
PR 299941 Building(23-24)D

नोडल पदाधिकारी ई – प्रोक्योरमेन्ट सेल,
मुख्य अभियंता का कार्यालय, कम्बाईन्ड ऑफिस बिल्डिंग,
भवन निर्माण विभाग, लाईन टैंक रोड, रांची।

जीवनदान के समान रक्तदान पुण्य का कार्य: धीरज मिश्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। विश्व रक्तदाता दिवस पर पलामू प्रमंडल के सामाजिक कार्यकर्ता सह सहायक अध्यापक धीरज मिश्रा ने अपने सभी रक्तदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद प्रेषित किया है।सामाजिक संस्था इंसानियत का रिश्ता के संस्थापक सह संचालक धीरज मिश्रा द्वारा पिछले दस वर्षों से रक्तदान को लेकर रक्तदान महादान जागरूकता अभियान कार्यक्रम चलाकर लोगो को रक्तदान के प्रति जागरूक करने के साथ ही अपने सहयोगियों के माध्यम से पलामू, गढ़वा, लातेहार, रांची, बोकारो, चतरा,

रामगढ़, धनबाद समेत झारखंड के अन्य जिलों में रक्तदान कराकर रक्त उपलब्ध कराने का कार्य करते हुए सैकड़ों लोगो की जान बचाने का कार्य किया गया है। धीरज ने बताया कि प्रतिवर्ष 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है और रक्तदाता वह व्यक्ति है जो अपना खून किसी जरूरतमंद के लिए दान करता है। रक्तदान को बढ़ावा देने और रक्तदाता का आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। रक्तदाता दिवस मनाने की शुरूआत विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2004 में की थी। तब से हर साल 14 जून को रक्तदाता दिवस मनाया जाने लगा। इस मौके पर दुनिया भर के लोगों को जरूरतमंदों को खून उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया जाता है ताकि खून की कमी से किसी मरीज की जान न जाए। रक्त के बिना शरीर हाड़ मांस का ढांचा है। शरीर के सुचारू संचालन के लिए खून की आवश्यकता होती है खून की कमी से व्यक्ति का जीवन खतरे में पड़ सकता है। खून की जरूरत होने पर अगर समय से रक्त की पूर्ति न की जाए तो व्यक्ति की जान भी जा सकती है। खून की कमी को पूरा करके जीवन की रक्षा रक्तदान के जरिए की जा सकती है। इस कारण लोगों को रक्तदान के लिए जागरूक किया जाता है ताकि एक स्वस्थ व्यक्ति रक्त के जरूरतमंद को रक्तदान कर सके और जीवन बचा सके।धीरज ने बताया कि हर वर्ष रक्तदाता दिवस की एक खास थीम होती है। इस साल विश्व रक्तदाता दिवस 2023 की थीम है रक्त दो,प्लाज्मा दो जीवन साझा करो, अक्सर साझा करो ।

कार्यालय:- जिला स्वास्थ्य समिति, पलामू
जेलहाता, रोड,मेदिनीनगर,पलामू /ईमेल आई0डीः–pmupalamu@gmail.com

पत्रांक :– दिनांक :–

विज्ञापन संख्या– 01/2023

अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड रांची के पत्रांक 171 (03) ब0यो0 दिनांक 25.02.2023 के निर्देश के आलोक में पलामू जिला के 09 "चलत ग्राम क्लीनिक" में outsourcing व्यवस्था के तहत कार्य लेने हेतु निम्न पदों पर एक वर्ष की नियुक्ति हेतु विज्ञापन प्रकाशित की जाती है।

क0सं0	पद का नाम	पद की संख्या	योग्यता
01	आयुष चिकित्सक	09	Bachelor in Ayurved/ Homoeopath/ Unani with working knowledge of computer.
02	चिकित्सा सहायक	09	B.Sc Nursing/ GNM or B.Sc Community Health or Bachelor/ Diploma in pharmacy from recognize University/Institution.

01. चयनित कर्मियों का एक (01) वर्ष के लिए कार्य लिया जायेगा। कार्य संतोष जनक पाये जाने पर या परियोजना के विस्तार होने पर अवधि विस्तार की जायेगी।
02. आवेदन हेतू आवेदनकर्त्ता का अधिकतम उम्र सीमा सामान्य वर्ग हेतु 35 वर्ष, अत्यंत पिछड़ा वर्ग/पिछड़ा वर्ग के लिए 38 वर्ष, अनुसुचित जाति एवं जनजाति हेतु 40 वर्ष होगी।
03. इच्छुक अभ्यार्थी अपने सभी प्रमाण पत्र (मैट्रिक से लेकर उच्च स्तर तक, जाति, आवसीय) प्रमाण पत्रों के साथ दिनांक 15.06.2023 को 11:00 बजे पूर्वाहन से आहूत अन्तरवीक्षा/स्कील टेस्ट में उप विकास आयुक्त के सभागार, पलामू में आना सुनिश्चित करेंगे।
04. आवेदक को यह नियुक्ति outsourcing व्यवस्था के तहत की जा रही है भविष्य में नियमित/अनुबंध पर नियुक्ति करने का दावा मान्य नहीं होगा।
05. विज्ञापन किसी भी समय रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
06. विज्ञापन की शर्त www.palamu.nic.in में भी देखी जा सकती है।
07. नियुक्ति प्रक्रिया में स्थानीय उमीद्वार को प्राथमिकता दी जायेगी।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, पलामू। उप विकास आयुक्त पलामू। उपायुक्त पलामू।
PR 299959 Palamu(23-24).D

करारी हार के बाद अब एक्शन की बारी

टीम इंडिया को खोजने होंगे इन तीन धुरंधरों के विकल्प

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 209 रनों से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। लंदन के ओवल मैदान पर खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम को जीत के लिए 444 रनों का टारगेट मिला था, लेकिन उसकी पूरी टीम पांचवें दिन लंच से पहले ही धराशायी हो गयी।

टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन की बड़ी वजह उसके टॉप ऑर्डर की नाकामी रही. विराट कोहली, चेतेश्वर पुजारा और रोहित शर्मा जैसे धुरंधर बल्लेबाजों से बड़ी पारियों की उम्मीद थी, लेकिन तीनों ही बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने में असफल रहे। रोहित, पुजारा और कोहली में से किसी एक ने भी शतकीय पारी खेली होती तो मुकाबले का नतीजा कुछ और ही हो सकता था।

रोहित, कोहली और पुजारा ने भारतीय फैन्स को मुस्कुराने के कई मौके दिए हैं, लेकिन अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर खड़ी इस तिकड़ी के बाद टेस्ट में भारत कितना तैयार है, यह सबसे बड़ा सवाल है. आने वाले दिनों में टीम इंडिया को इन खिलाड़ियो के विकल्प तलाशने के साथ ही कुछ सख्त फैसले लेने होंगे।

सबसे पहले चेतेश्वर पुजारा की बात करते हैं जिनका फ्लॉप रहना भारतीय फैन्स को काफी खल रहा क्योंकि वह काफी दिनों से इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलने के कारण सबसे ज्यादा तैयार थे। पुजारा के लिए पिछले कुछ साल अच्छे नहीं गुजरे हैं। 2021 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में 77 रनों की यादगार पारी खेलने के बाद से पुजारा के फॉर्म में काफी गिरावट आई है। बांग्लादेश के खिलाफ चटगांव में बनाए गए 90 और 102 रनों के अलावा 2022 में वह कुछ खास नहीं कर सके।

पुजारा-कोहली के टेस्ट फॉर्म में आई बड़ी गिरावट

पुजारा ने 2021-2023 के डब्ल्यूटीसी सीजन में 17 टेस्ट खेलकर 32 की औसत से 928 रन बनाए, जिसमें एक शतक शामिल रहा। भारत ने श्रीलंका के

खिलाफ 2022 की शुरूआत में घरेलू सीरीज में पुजारा के स्थान पर हनुमा विहारी को आजमाया, जिन्होंने तीन पारियों में एक अर्धशतक लगाया. पुजारा की वापसी के बाद उनका भी पत्ता कट गया।

टीम इंडिया के लिए दिक्कत चौथे नंबर की भी है, जहां किंग कोहली उतरते हैं। कोहली ने अपने करियर के दौरान जिस तरह गेंदबाजों पर दबाव बनाया है, वह बहुत कम बल्लेबाज ही कर पाए हैं, लेकिन असलियत यह भी है कि टेस्ट क्रिकेट में उनके फॉर्म में गिरावट आ चुकी है। कोहली ने डब्ल्यूटीसी 2021-23 के सत्र में कुल 17 टेस्ट खेलकर 32.13 की औसत से 932 रन बनाए, जिसमें एकमात्र शतक शामिल रहा जो अहमदाबाद की सपाट पिच पर बनाया गया था।

चौथे नंबर पर भारत के पास क्या हैं विकल्प

चौथे नंबर के लिए श्रेयस अय्यर और सरफराज खान के नाम पर विचार किया जा सकता है. फिलहाल चोट से जूझ रहे श्रेयस को शॉर्ट पिच गेंदों पर अपनी कमजोरी से पार पाना होगा, तभी वह टेस्ट में टीम इंडिया के परमानेंट सदस्य बन सकते हैं. सरफराज खान ने पिछले सत्र में घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाए, लेकिन तेज गेंदबाजी का सामना करने के लिए उनके पास तकनीक की कमी नजर आती है. सरफराज इंडिया-ए के लिए सात टेस्ट मैचों में एक भी शतक नहीं लगा पाए.

उधर कप्तान रोहित शर्मा ने पिछले डब्ल्यूटीसी चक्र में अच्छा प्रदर्शन किया था, हालांकि फाइनल में वह चल नहीं पाए. रोहित ने 11 टेस्ट में 42.11 की औसत से 758 रन बना विदेश में उनका औसत 52.57 रहा, जबकि भारत में उन्होंने 36.88 की औसत से रन बनाए, लेकिन 36 वर्ष के हो चुके रोहित क्या 2025 में खेलेंगे ये बड़ा सवाल है।

युवा बल्लेबाज शुभमन गिल एक छोर संभालने के लिए तैयार हैं, लेकिन उनका जोड़ीदार कौन होगा. भारत को मयंक अग्रवाल के रूप में विकल्प मिला था, लेकिन वही काफी अरसे से टीम मे अपनी जगह नहीं बना पाए हैं. वहीं अभिमन्यु ईश्वरन और यशस्वी जायसवाल को अभी इस प्रारूप में खुद को साबित करना बाकी है।

कार्यालय, जिला शिक्षा अधीक्षक, राँची
(आवश्यक सूचना)
जिले के प्रारंभिक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक/शिक्षिकाओं का विभिन्न ग्रेडों में प्रोन्नति देने हेतु औपबंधिक मास्टर वरीयता सूची का प्रकाशन के संबंध में
आवश्यक सूचना :–

जिले के प्रारंभिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक/शिक्षिकाओं का विभिन्न ग्रेडों में प्रोन्नति देने हेतु औपबंधिक मास्टर वरीयता सूची का प्रकाशन जिले के अधिकारिक बेबसाईट www.ranchi.nic.in एवं कार्यालय के वेबसाईट www.dseranchi.com पर करते हुए संबंधित शिक्षकों से प्रकाशित औपबंधिक सूची के संदर्भ में दावा/आपत्ति की मांग विज्ञप्ति संख्या PR- 298209 Human Resource Development (2023-24) # D इस कार्यालय के ज्ञापांक 1455 दिनांक 24.05.2023 के द्वारा की गयी थी। प्रकाशित सूची में किसी प्रकार का दावा/आपत्ति की स्थिति संबंधित शिक्षक अपना/दावा/आपत्ति साक्ष्य सहित नियंत्री पदाधिकारी के माध्यम से निम्न विहित प्रपत्र में दिनांक 10.06.2023 तक हार्ड कॉपी अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में जमा करने का निदेश दिया गया था। विद्यालय में गृष्मावकाश के मद्देनजर अवधि विस्तार करते हुए दिनांक 25.06.2023 तक संबंधित दावा आपत्ति की मांग की जाती है। जिसे कार्यालय के ई.मेल. dseranchi@gmail.com पर भी उपलब्ध करायेंगे। प्रकाशित सूची में यदि किसी शिक्षक/शिक्षिका का नाम छूट गया है तो प्रकाशित सूची के अनुसार विहित प्रपत्र में "कॉलम 1 से 66 तक" भरकर कार्यालय के ई.मेल dseranchi@gmail.com पर सॉफ्ट कॉपी (Excel sheet) में तथा हार्ड कॉपी नियंत्री पदाधिकारी के माध्यम से उपलब्ध करायेंगे।

निर्धारित अवधि के बाद किसी प्रकार का दावा/आपत्ति मान्य नहीं होगा।

विहित प्रपत्र

आपत्ति कर्ता का नाम एवं पदनाम	पदस्थापित विद्यालय का नाम एवं प्रखण्ड	प्रकाशित सूची में क्र० सं०	जिस कॉलम में त्रुटि है उसकी संख्या	त्रुटि का विवरण	सुधार का विवरण	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7

आपत्तिकर्ता का हस्ताक्षर नियंत्री पदाधिकारी का हस्ताक्षर

जिले के सभी क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी/अवर विद्यालय निरीक्षक/प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी एवं निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी अपने–अपने क्षेत्राधीन कार्यरत शिक्षक/शिक्षिकाओं का वेतन भुगतान पंजी से मिलान करते हुए संबंधित सूची की जाँच करेंगे। संबंधित सूची में यदि कोई त्रुटि/विसंगति हो या किसी शिक्षक/शिक्षिका का नाम छूट गया हो तो प्रकाशित सूची के अनुसार विहित प्रपत्र "कॉलम 1 से 66 तक" कार्यालय के ई.मेल पर सॉफ्ट कॉपी (Excel sheet) में तथा हार्ड कॉपी विशेष दूत के माध्यम से प्रखण्डवार समेकित कर अधोहस्ताक्षरी कार्यालय को दिनांक 26.06.2023 तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

ह0/–
जिला शिक्षा अधीक्षक,राँची
PR 299897 Human Resource Developement(23-24).D

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 14 जून, 2023
www.azadsipahi.in
11

आइआइटी आइएसएम के प्रोफेसर की स्विमिंग पुल में डूबने से हुई मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। मंगलवार को आइआइटी आइएसएम के असिस्टेंट प्रोफेसर यशवंत उजाला की मंगलवार आइआइटी परिसर में ही बनी स्विमिंग पूल में डूबने से मौत हो गयी। प्रोफेसर यशवंत उजाला अपने साथियों के साथ स्विमिंग कर रहे थे, इसी दौरान यह हादसा हुआ।

यशवंत ओड़िशा के रहने वाले है, उनके एक भाई आइआइटी राउरकेला में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं।

इस बाबत आइआइटी के डिप्टी डायरेक्टर प्रोफेसर धीरज कुमार ने बताया कि माइनिंग डिपार्टमेंट के फैकल्टी मेंबर मंगलवार को अपने साथियों के साथ आइआइटी कैंप्स में ही स्विमिंग पुल में नहा रहे थे। इसी

क्रम में वे पानी के नीचे चले गये और यह हादसा हो गया। फिलहाल संस्थान की ओर से भी हादसे की जांच की जा रही है।

उन्होंने बताया की यशवंत उजाला अपने दोस्तों के साथ मंगलवार की सुबह आइएसएस परिसर में ही स्विमिंग कर रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ, जिसके बाद आनन- फानन में उन्हें आइएसएम के स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, वहां से उन्हें एसएनएमएमसीएच अस्पताल भेज दिया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

एक माह पहले हुई थी शादी

घटना के बाद आइआइटी में अफरा-तफरी मच गयी। पुलिस को तत्काल सूचना दी गयी। यशवंत के शव को एसएनएमएमसीएच के मोर्चरी में रखा जग है। परिजनों के आने के बाद उनका पोस्टमार्टम कराया जायेगा। लगभग एक साल पहले ही उन्होंने यहां ज्वाइन किया था। उनकी उम्र लगभग 38 साल बतायी जा रही है। वह खड़कपुर आइआइटी से पास आउट थे। उनकी शादी पिछले महीने 4 मई को ही हुई थी। उनका ससुराल भी खड़कपुर में ही है। उनकी पत्नी खड़कपुर गयी हुई है। आशंका यह भी है कि पानी में उन्हें हृदयाघात हुआ हो और उनकी मौत हो गयी। पोस्टमार्टम के बाद ही असली कारण का पता चल पायेगा।

धनबाद में 155 युवाओं को दिया गया नियुक्ति पत्र

प्रधानमंत्री ने रोजगार देने का वादा किया था हम उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं : अन्नपूर्णा

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। मंगलवार को धनबाद टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम में धनबाद के 155 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी, सांसद पशुपतिनाथ सिंह और धनबाद विधायक राज सिन्हा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद चयनित युवाओं को अतिथियों के हाथों नियुक्ति पत्र बांटे गये। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री हेमंत सरकार पर खूब गरजीं। कहा कि केंद्र सरकार रोजगार एवं युवाओं को नयी दिशा देने में लगी है, जबकि झारखंड सरकार विकास हीन और दिशाहीन है।

अभी तक कोई नीति ही नहीं बना पायी है और युवा स्थानीय नीति को लेकर आंदोलन पर है। झारखंड सरकार केवल अपना विकास कर रही है।

वहीं सांसद पीएन सिंह ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में केंद्र सरकार ने काफी बेहतर काम किया है। इसका परिणाम दिख रहा है कि युवाओं में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ी है। खास करके लड़कियां घरों से निकल कर शिक्षा के क्षेत्र में नये नये आयाम के साथ कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री की ऑनलाइन भाषण का सीधा प्रसारण भी किया गया। मौके पर टुंडी विधायज मथुरा महतो, सिंदरी विधायक इंद्रजीत महतो की पत्नी तारा देवी इत्यादि मौजूद थीं।

पैसे लेनदेन के विवाद में चचेरे भाई ने नाबालिग बहन को मारी गोली

पुलिस की सक्रियता से पिस्टल के साथ कुछ घंटों में ही अपराधी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। मंगलवार की दोपहर कतरास के भगत मुहल्ला में जमीन के पैसे विवाद में चचेरे भाई ने नाबालिग बहन को गोली मारकर घायल कर दिया और फरार हो गया। हालांकि पुलिस ने अपनी सक्रियता दिखाते हुए कुछ घण्टों में ही आरोपी युवक को घटना के प्रयुक्त पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर लिया। वहीं घायल लड़की का इलाज धनबाद एसएनएमएमसीएच में चल रहा है।

जमीन के पैसे का लेनदेन बना घटना का कारण : बताया जा रहा है कि घटना का कारण जमीन के पैसे का लेनदेन है। इस बाबत आरोपी युवक के चाचा अजय गुप्ता ने बताया कि घर के समीप ही एक जमीन के राहुल के पिता और अजय ने पूर्व में बेचा था। जिस के

बाद राहुल के पिता ने अपने हिस्से का 30 हजार रुपया जमीन खरीदने वाले से नहीं लिया था। थोड़े दिन बाद आरोपी युवक राहुल ने उक्त जमीन को किसी दूसरे व्यक्ति से दुबारा बेच दिया। पैसे के लेन देन को लेकर मंगलवार दोपहर दोनों के परिवारों के बीच विवाद हो गया इसी बीच राहुल ने पिस्टल निकाल कर उसकी 14 वर्षीय पुत्री प्रियंका उर्फ निशा पर गोली चला दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गयी। घटना के समय अजय बाजार में था। अजय के अनुसार उसका भतीजा राहुल अपराधिक प्रवर्ती का है और पहले भी जेल जा चुका है।

पुलिस की सक्रियता से आरोपी युवक पिस्टल के साथ हुआ गिरफ्तार : इधर घटना की सूचना मिलते ही कतरास थानेदार रणधीर सिंह दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और तहकीकात शुरू कर दी। इसी कड़ी में पुलिस ने आरोपी युवक राहुल के परिजनों को उठाकर थाने ले आयी और सख्ती से पूछताछ करने लगी। पूछताछ के क्रम में ही राहुल के ठिकाने का पता चला और पुलिस ने उसे कुछ घण्टों में ही घटना में प्रयुक्त पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल युवक पर मामला दर्ज कर पुलिस उसे जेल भेजने की तैयारी कर रही है।

शराब पीने से मना करने पर कर दी हत्या

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। जोरापोखर थाना अंतर्गत जामाडोबा 4 नंबर पावर हाउस के समीप रहने वाले 55 वर्षीय चांदो यादव को सोमवार की रात घर मे घुसकर दो अपराधियों ने दारू पिलाने के बहाने से बुला कर धारदार हथियार से हत्या कर दिया। चांदो यादव का शव खून से सना हुआ पुलिस को उसके घर के खटाल से मिला है। अपराधियों ने मृतक पर तीन बार गर्दन तथा सर हमला किया। मृतक की पत्नी पनाती देवी के अनुसार सोमवार की रात दो व्यक्ति महुआ शराब लेकर उसके घर मे आये थे और चांदो यादव को जबरन शराब पीने को कहा। चांदो ने जब शराब पीने से मना कर दिया तो धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। सुबह जब परिजनों ने चांदो यादव का शव देखा तो जोड़ापोखर पुलिस को सूचना दी। वही सूचना

पाकर जोरापोखर थाना प्रभारी बिनोद उरांव दलबल के साथ मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर जांच में जुट गयी है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया। इस घटना से पूरे क्षेत्र मे सनसनी फैल गयी। मृतक पत्नी मानती देवी तथा दो पुत्र और दो पुत्री का रो रोकर बुरा हाल है।

थाना प्रभारी बिनोद उरांव ने बताया कि शव को कब्जे मे लेकर जांच-पड़ताल किया जा रहा है। वो कौन लोग थे और हत्या करने की क्या मंशा थी? सभी बिंदुओं पर गंभीरता पूर्वक जांच जारी है।

पीएन सिंह और रागिनी मिली केंद्रीय राज्यमंत्री अन्नपूर्णा से

सांसद ने मांगा केंद्रीय विद्यायल तो रागिनी ने दो घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच की रखी मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। मंगलवार को केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी एक दिवसीय धनबाद दौरे पर थीं। इस दौरान सर्किट हाउस में सांसद पशुपतिनाथ सिंह और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह ने अलग अलग मुलाकात कर मांग पत्र सौंपा। सांसद ने केंद्रीय राज्य मंत्री से जिले में दो और केंद्रीय विद्यालय की मांग की तो रागिनी में धनबाद के दो चर्चित घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। सांसद ने केंद्रीय मंत्री को दिए पत्र में लिखा है कि धनबाद लोकसभा के झरिया और सिंदरी विधानसभा शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी प्रतिष्ठित विद्यायल की कमी झेल रहा है। इस दौरान सांसद के साथ धनबाद

विधायक राज सिन्हा भी मौजूद थे।

रागिनी ने की धैया सड़क हादसे और तीसरा के दिनेश सिंह के पुत्र पर हुए गोलीकांड की उच्च स्तरीय जांच की मांग : वहीं दूसरी ओर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य रागिनी सिंह ने केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मिलकर धैया सड़क हादसे और तीसरा थाना अंतर्गत दिनेश सिंह के पुत्र पर हुए गोलीकांड की उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। बताया कि पिछले दिनों बीसीसीएल कर्मी राणा दास उनकी पत्नी और उनके बच्चे को जेएच 10 सीएफ 0045 संख्या की कार से धैया रानीबांध तालाब के समीप कुचल दिया गया था। इस दुर्घटना में दम्पति की मृत्यु हो चुकी है, जबकि पुत्र ऋषभ गंभीर हालत में इलाजरत है। उक्त कार झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह के देवर हर्ष सिंह की है। वही छह माह पूर्व झरिया के तीसरा थाना क्षेत्र निवासी बीसीसीएल कर्मी दिनेश सिंह के पुत्र को झरिया विधायक के छोटे देवर एकलव्य सिंह द्वारा गोली मारी गई इस गोली कांड में भी पुलिस प्रशासन ने न अब तक कोई कार्रवाई की न ही गोलीकांड में प्राथमिक अभियुक्त को पूछताछ के लिए बुलाया। उपरोक्त मामलों को उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

कांग्रेस की जिला स्तरीय बैठक में बूथ कमेटी को मजबूत बनाने का हुआ निर्णय

सांसद ने धनबाद का कर दिया विनाश : संतोष सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। मंगलवार को सर्किट हाउस में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर धनबाद जिला कांग्रेस कमिटी की बैठक हुई। बैठक में जिला, प्रखंड, नगर सहित सभी मंच व मोर्चा के जिलाध्यक्षों के साथ लोकसभा चुनाव 2024 की को लेकर रणनीति तय की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने कहा कि बूथ कमिटी और भी मजबूत बनाया जाए। इस

बार का चुनाव भाजपा का झुठा वादा बनाम कांग्रेस की ईमानदार पहल के बीच होगा। बूथ कमिटी के माध्यम से कांग्रेस की विचारधारा को घर घर पहुंचाने और वर्तमान सरकार की झूठ, नफरत और नाकामी को जनता को अवगत कराने का संकल्प लिया गया। श्री सिंह ने कहा कि वर्तमान सांसद ने धनबाद का विनाश किया है। बिना किसी का नाम लिए कहा कि एक भाजपा नेत्री अपराध की बात करती हैं जिनके खुद के घर का बुनियाद ही अपराध है। कहा कि जिले में जिले भर में कोयला की तस्करी भाजपाइयों के संरक्षण में चल रहा है। इसके अलावे बैठक को कार्यकारी अध्यक्ष राशिद रजा अंसारी, उपाध्यक्ष शाहिदा कमर, महिला कॉंग्रेस की अध्यक्ष सीता राणा ने भी संबोधित किया। बैठक में मुख्य रूप से बिके सिंह, राजेश्वर यादव, नवनीत नीरज, योगेंद्र सिंह योगी, लक्ष्मण तिवारी, मंटू दास, कयूम खान, इरफान खान चौधरी, सतपाल सिंह ब्रोका, जहीर अंसारी, महेंद्र दुबे, डीएन यादव, बाबू अंसारी, राजा अंसारी, बकील बाउरी, अवधेश पासवान इत्यादि मौजूद थे।

आजसू सुप्रीमो से मिले मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष, कहा

डुमरी उपचुनाव में पार्टी ने मौका दिया तो छीन लेंगे सीट : जयलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बोकारो मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष सह प्रखंड के गुंजरडीह पंचायत के मुखिया जयलाल महतो उर्फ जैली ने आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो से मुलाकात कर डुमरी विधान सभा में होने वाली उपचुनाव को लेकर राजनीतिक विचार विमर्श करते हुए प्रत्याशी के रूप मे अपना दावा पेश कर एक मौका देने की मांग की। जिस पर सुप्रीमों ने पार्टी संगठन से विचार विमर्श व कार्यकर्ताओ की राय पर उचित विचार करने का भरोसा दिया।

जिलाध्यक्ष जयलाल महतो जैली ने कहा कि सुबे के शिक्षामंत्री जगरनाथ महतो के अकास्मिक निधन से डुमरी विधानसभा रिक्त हो गया है जिसके लिए उपचुनाव होना भी निश्चित है। पिछले चुनाव में झामुमो ने जो भी चुनावी वादा किया था एक भी पुरा नही किया पुरे झारखंड मे स्थानीय नीति व नियोजन नीति को लेकर

युवा पीढ़ी सड़कों पर आंदोलनरत है। क्षेत्र मे विकास के नाम पर ठेकेदारी की गई है। डुमरी नावाडीह के युवा आजसू पार्टी को निगाह भरी नजरों से देख रही है तथा युवा उम्मीदवार के होने से यह सीट झामुमो से छीनकर आजसू के झोली मे आ जायेगी। चुंकि शिक्षामंत्री के निधन के बाद कोई उनके परिवार मे राजनीतिक परिपक नही है पुत्र अखिलेश महतो जहां बच्चा बराबर है वही पत्नी बेबी देवी गृहणी तथा अनपढ है पार्टी कार्यकर्ता भी नाखुश है बीस वर्षो मे सिर्फ पांच लोग की दुकानदारी चली कार्यकर्ता व जनता की हालत जस की तस बनी हुई है ऐसी स्थिति में पार्टी एक मौका दी तो डुमरी मे पार्टी कार्यकर्ता व युवा वर्ग के आशीर्वाद से यह सीट आजसू के झोली मे देने का काम करूंगा। जैली ने कहा कि शिक्षामंत्री जगरनाथ महतो के कार्यकाल के दौरान उनके निजी आप्ति सचिव सह बांय हाथ कहा जाने वाले लोकेश्वर महतो को पंचायत चुनाव में भारी वोट से हराकर धुल चटा दिया हुं विधानसभा चुनाव मे पार्टी का सहयोग मिला तो उनके पुत्र अखिलेश महतो को भी पराजय का मुंह दिखा दूंगा। मौके पर पूर्व जिला परिषद सदस्य नवीन कुमार महतो आदि मौजूद थे।

महिला कर्मचारियों के लिए कंपनी की नीतियों पर प्रस्तुति

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। इडी वर्क्स सेमिनार हॉल में सुष्मिता सोरेन, प्रबंधक (कार्मिक-संकार्य) ने मातृत्व अवकाश, बाल देखभाल अवकाश, पितृत्व अवकाश और यौन उत्पीड़न रोकथाम (पीओएसएच) अधिनियम में नवीनतम विकास पर एक प्रस्तुति दी। प्रस्तुति की अध्यक्षता नीना सिंह, महाप्रबंधक- प्रभारी (कार्मिक-संकार्य) ने की।सोरेन ने कामकाजी माताओं के लिए मातृत्व अवकाश और बाल देखभाल अवकाश के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये अवकाश केवल सुविधा का विषय नहीं हैं, बल्कि मां और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रस्तुति के दौरान नीना सिंह सोरेन ने सेल में महिला सशक्तिकरण को सक्षम बनाने के लिए एक नयी नीतिगत पहल की घोषणा की। नीना सिंह ने अपने समापन भाषण में सुश्री सोरेन की उनकी अंतर्दृष्टिपूर्ण प्रस्तुति के लिए प्रशंसा की और दर्शकों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

प्रस्तुति में संकार्य प्रभाग समूह और कार्मिक विभाग की कुल 57 महिला अधिकारियों ने भाग लिया। कार्मिक विभाग की वरिष्ठ महिला अधिकारियों ने प्रस्तुति में उपस्थित सभी महिला अधिकारीयों के प्रश्नों का उत्तर दिया और मातृत्व अवकाश, बाल देखभाल अवकाश, पितृत्व अवकाश और पॉश अधिनियम में नवीनतम विकास की बेहतर समझ के साथ प्रस्तुति को सम्पन किया।

मोदी सरकार की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी घर-घर जाकर दें : कर्मवीर

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। केंद्र की मोदी सरकार के 9 वर्ष की उपलब्धि के तौर पर पूरे देश में जनसंपर्क अभियान चल रहा है, जो 30 मई से लेकर 30 जून तक होगी। जिसकी समीक्षा हेतु मंगलवार को झारखंड प्रदेश भाजपा के संगठन मंत्री करमबीर सिंह ने बोकारो जिला जनसंपर्क अभियान के टोली एवं मंडल संयोजक के टोलियों के साथ बोकारो परिसदन में बैठक की। बोकारो विधायक बिरंची नारायण भी मौजूद रहे।

संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक हर कार्यकर्ता को मोदी सरकार के 9 वर्ष की उपलब्धि को जन-जन तक पहुंचाना, जिसके लिए टोली बनाकर हर घर संपर्क अभियान बूथ स्तर पर शुरुआत करनी है, जिसमें जिले स्तर राज्य स्तर के वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल होंगे। 9 वर्ष की उपलब्धियों के तहत विधानसभा स्तर पर लाभार्थी सम्मेलन वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मेलन

प्रबुद्ध सम्मेलन तथा पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस 25 जून को काला दिवस 21 जून को योग दिवस तथा मन की बात बूथ स्तर पर करनी है। इसकी सफलता के लिए जनसंपर्क अभियान की जिला टोली वह मंडल टोली अपने-अपने बूथ स्तर पर मंडल स्तर पर बैठक कर रूपरेखा तैयार करेंगे। साथी साथ आजीवन सहयोग निधि पर चर्चा की गई हर मंडल पर आजीवन सहयोग निधि की रसीद विभिन्न संयोजक को दी गयी। संगठन मंत्री ने कहा बोकारो जिला में बहुत से मंडलों में अब तक आजीवन सहयोग निधि का शुरूआत नहीं हुई है उसे जल्द से जल्द जिला टोली की ओर से बटवा कर शुरुआत की जाये।

घर-घर जनसंपर्क अभियान कर लोगों को मोदी सरकार के महत्वपूर्ण योजनाओं को उनके समक्ष बताना है, ताकि जरूरतमंद लोग वैसी योजनाओं का लाभ ले सके जो अब तक उस योजना से वंचित है। मोदी सरकार किसान युवा महिला बुजुर्ग हर वर्ग को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला है। बैठक में जनसन जनसंपर्क अभियान के जिला संयोजक जयदेव राय, सहसंयोजक संजय त्यागी सदस्य के रूप में कमलेश राय अनिल स्वर्णकार, सुरेंद्र राज चंद्रशेखर महथा, रामकिंकर पांडे दशरथ महतो भैरव महतो धीरज झा, रणविजय सिंह मौजूद थे।

शिवम रवानी सह संयोजक नियुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। कतरास रेलवे कॉलोनी निवासी शिवम रवानी को अखिल भारतीय विधार्थी परिषद के धनबाद विभाग अंतर्गत बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के सह संयोजक के पद पर नियुक्त किया गया। गढ़वा के बेलचम्पा में आयोजित अभाविप के चार दिवसीय प्रांत अभ्यास वर्ग में इनके नाम की घोषणा हुई। कतरास की धरती से इनके नाम की घोषणा होने पर कतरास के सभी कार्यकताओं में खुशी की लहर व उत्साह का भाव है। मंगलवार को इस खुशी में कतरास कॉलेज में एक सम्मान

समारोह का आयोजन किया गया। प्राचार्य व सभी कर्मचारियों ने शिवम रवानी को शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश कार्यकारिणी अक्षय गुप्ता, कतरास कॉलेज अध्यक्ष स्वयं स्वर्ण, मंत्री सुशांत कुमार, भौतिकी विभाग संयोजक विवेक राज कर्मकार, मनोविज्ञान विभाग संयोजक पिंटू राज कर्मकार, कार्यकारिणी अनिकेत गुप्ता, भौतिकी विभाग संयोजक आलोक सिंहा, हिंदी विभाग संयोजक राहुल सोनी, आशीष पांडे, राहुल कुमार, ज्योति कुमारी, अनिशा, मनीषा, वंदना सिंह, रानी, छोटी, जयंती , अंजलि सिंह, पूजा सिंह, पिंकी, सुनीता, सुनीता उपस्थित थीं।

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 14 जून, 2023
www.azadsipahi.in
12

ओड़िशा मोटर चालक और कर्मचारी कल्याण योजना-2023 को मिली मंजूरी

दुर्घटना में चालक की मृत्यु होने पर परिजनों को मिलेंगे 4 लाख रुपये

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सोमवार को ओड़िशा मोटर चालक एवं कर्मचारी कल्याण योजना-2023 को मंजूरी देते हुए कल्याण बोर्ड के गठन को मान्यता प्रदान की। जल संसाधन, वाणिज्य और परिवहन राज्य मंत्री टुकुनी साहू ने योजना का शुभारंभ किया।

मंत्री श्रीमती साहू ने सोमवार शाम को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सम्मेलन कक्ष में योजना का शुभारंभ करते हुए मीडिया प्रतिनिधियों एवं मोटर चालक संघ के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह कल्याणकारी योजना मोटर चालकों और अन्य मोटर जान कर्मचारियों के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा लागू की गई है। इस योजना को लागू करने के लिए राज्य सरकार शुरूआत में बोर्ड को अनुदान देगी। बदले में, बोर्ड

पंजीकरण शुल्क, वाहन मालिक के योगदान और अन्य स्त्रोतों से धन एकत्र करके योजना का संचालन करेगा।

मंत्री श्रीमती साहू ने आगे कहा कि चालक/कर्मचारी की दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रुपये तथा गंभीर रूप से घायल होने पर 80 हजार रुपये उनके द्वारा नामित व्यक्तियों को योजना के तहत भुगतान का प्रावधान है. इसी तरह स्थायी रूप से विकलांग होने पर वाहन चालकों या कर्मचारियों को 1.5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है ।

साथ ही प्राकृतिक मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये अनुग्रह राशि का प्रावधान है। राज्य सरकार की बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना, मधुबाबू पेंशन योजना आदि के तहत मोटर वाहन चालक एवं कर्मी भी योग्यता आकार में पात्र होंगे। इस उद्देश्य के लिए गठित कल्याण बोर्ड में मोटर वाहन चालकों/कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ सरकारी सदस्य होंगे। मंत्री श्रीमती साहू ने कहा कि इस योजना के लागू होने से प्रदेश के 5 लाख से अधिक मोटर वाहन चालक एवं कर्मचारी लाभान्वित होंगे। अमिताभ ठाकुर राज्य परिवहन आयुक्त ने मीडिया प्रतिनिधियों और उपस्थित चालक/कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों को योजना के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी। इस मौरे पर वाणिज्य एवं परिवहन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सरकारी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ा

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री नबीन पटनायक ने राज्य सरकार के कर्मचारियों के महंगे भत्तों में बढ़ोतरी की है। रज से पहले मुख्यमंत्री नवीन पटनायक इसकी घोषणा कर चुके हैं। इसके परिणामस्वरूप महंगाई भत्ता 38 प्रतिशत से बढ़कर 42 प्रतिशत हो गया है। यह जनवरी 2023 से लागू होगा। यह बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता इस जून में वेतन के रूप में नकद में मिलेगा। इसके अलावा पेंशनभोगी के टीआई में भी चार फीसदी की बढ़ोतरी की गयी है। उन्हें यह बढ़ा हुआ टीआई भी उसी हिसाब से जून पेंशन में मिलेगा। इससे करीब साढ़े सात लाख कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को फायदा होगा।

मोदी सरकार की योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचायें : लक्ष्मण प्रसाद सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

राजधनवार। धनवार के बरजो स्थित भाजपा कार्यालय में मंगलवार को भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता भाजपा नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण सिंह ने की। इस दौरान धनवार विधानसभास्तरीय आठो मंडलों की आयोजित बैठक पर चर्चा की गयी। इसमें आदर्श कॉलेज के पास रिसोर्ट में बैठक आयोजित की जायेगी। इस बाबत श्री सिंह ने कहा कि होनेवाली बैठक में कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी, झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री सह प्रतिपक्ष के नेता व धनवार विधायक बाबूलाल मरांडी भाग लेंगे। वहीं कार्यककर्ताओं को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के नौ वर्षों के कार्यकाल की चर्चा करते हुए कहा कि इनके कार्यकाल में कई कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा गया है। इसमें प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानंत्री गरीब कल्याण योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मेक इन इंडिया, सेंट्रल विषय आदि शामिल है। इन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री द्वारा किये गये कार्यो को जन जन तक पहुंचाने का आग्रह किया, ताकि सुदूरवर्ती गांवों के रहने वाले लोगों को यह जानकारी हासिल हो सके कि देश के प्रधानमंत्री देश और गरीबों के हित के लिए कितने सारे काम किये गया। उन्होंने कहा कि देश की जनता आज भी मोदी के साथ है और आने वाले 2024 के चुनाव में जनता पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा को जीता कर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के हाथों को मजबूत करेगी। आज 80 करोड़ जनता को मुफ्त में अनाज मिल रहा है। 10 करोड लोगों को शौचालय और प्रधान मंत्री आवास दिया गया है। 28 हजार गांवों में बिजली बहाल की गयी है। घर घर में नल जल योजना के तहत पीने का पानी मुहैया कराया जा रहा है। गरीबों को इलाज के लिए आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख मुहैया कराया गया है। हर दिन सैकड़ों किमी रेलवे लाइन बिछायी जा रही है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री पूरी दुनिया का नेतृत्व करने में सक्षम है। यही सब कारणों से विपक्षी को पच नहीं रहा है। मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष नकुल राय, भाजपा नेता पवन साव, शंभू अग्रवाल, युवा नेता उपेंद्र सिंह, पवन सिंह, मुरलीधर यादव, सिकंदर पंडित, रोहित कुमार, विक्की कुमार, सूरज कुमार, नवल कुमार, राजकुमार यादव आदि कई लोग मौजूद थे।

सोआ में विदेशी छात्रों के लिए ग्रेजुएशन समारोह

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च (सोआ) में रविवार को अपनी पढ़ाई पूरी करने वाले 36 विदेशी छात्रों को एक विशेष स्नातक समारोह में उनके डिग्री प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। सीरिया, युगांडा, भूटान और नेपाल के इन छात्रों ने सोआ में फार्मास्युटिकल साइंस, एग्रीकल्चरल साइंसेज और हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में अपनी 4 साल की पढ़ाई पूरी की है। विश्वविद्यालय के नए कुलपति प्रो अमित बनर्जी ने छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किये।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो प्रदीप कुमार नंद, परीक्षा नियंत्रक प्रो मंजुला दास, औषधि विज्ञान संकाय के डीन प्रो सुदाम चंद्र सी, प्रबंधन संकाय के डीन प्रो अनूप कुमार सामंतराय, कृषि विज्ञान संकाय के अतिरिक्त

डीन प्रो संतोष कुमार राउत, छात्र मंगल डीन प्रो ज्योति रंजन दास और यूनिवर्सिटी आउटरीच कार्यक्रम निदेशक प्रो नचिकेता के शर्मा मौजूद थे। छात्रों का उतरीय देते हुए, प्रो बनर्जी ने अपनी पढ़ाई के लिए सोआ को चुनने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि उनकी शिक्षा में सुधार हुआ है, क्योंकि हाल ही में भारत सरकार की रैंकिंग में उन्हें देश के विश्वविद्यालयों में 15वां स्थान मिला है। कुलपति प्रो नंद ने कहा कि उत्तीर्ण छात्रों सोआ का हिस्सा है और अपने देश में विश्वविद्यालय की पहचान बनायेंगे। प्रोफेसर नंद ने कहा कि ये छात्रों सोआ में स्नातकोत्तर अध्ययन भी कर सकते हैं। इसके जवाब में नेपाल की एक छात्रा जैनीब मुसीर ने कहा कि इराकी सोआ उनकी जीवन यात्रा में अविस्मरणीय स्मृति रहेगी। भले ही हमारी 4 साल की यात्रा आज समाप्त हो रही है, समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अभी शुरू हुई है। इस अवसर के लिए भारत सरकार और सोआ के संस्थापक अध्यक्ष प्रो मनोजरंजन नायक को धन्यवाद दिया। सीरिया के एक छात्र अहमद इस्कंदर ने भी उनका मार्गदर्शन करने के लिए सोआ का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विदेशी होने के बावजूद भारत और ओडिशा के लोगों को दोस्ती दिखाने के लिए धन्यवाद दिया। प्रो शर्मा ने कहा कि ये छात्र अपने-अपने देशों में सोआ के प्रतिनिधि के तौर पर काम करेंगे। छात्र मंगल डीन प्रोफेसर दास ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

उत्तर भारत में 5.4 तीव्रता का भूकंप

नयी दिल्ली। अमृतसर जम्मू-कश्मीर के डोडा में मंगलवार दोपहर 1:33 बजे 5.4 तीव्रता का भूकंप आया। दिल्ली-एनसीआर के अलावा पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में भूकंप के झटके महसूस किये गये। श्रीनगर में लोग दुकानों और घरों से बाहर आ गये।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर केमिकल टैंकर में आग, 4 की मौत, 3 घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर मंगलवार को एक केमिकल से भरा टैंकर पलट गया, जिससे इसमें आग लग गयी। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गयी, जबकि 3 घायल हैं। घटना दोपहर 12 बजे खंडाला बाईपास स्थिति एक फ्लाईओवर की है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक चंद मिनटों में पूरा टैंकर जलकर खाक हो गया। इससे निकल रहा केमिकल फ्लाईओवर के नीचे तक गिर रहा था। केमिकल जहां-जहां पहुंचा आग वहां तक फैलती गयी।

हादसे के दौरान टैंकर में सवार दो लोग और फ्लाईओवर के नीचे से गुजर रहे दो बाइक सवार आग की चपेट में आ गये, जिसके कारण उनकी मौत हो गयी। फ्लाईओवर के नीचे कुछ वाहन भी आग की चपेट में आये हैं। घायलों को सोमाटणे स्थित पवना अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना के बाद मुंबई और पुणे जाने वाले ट्रैफिक को पूरी तरह से रोक दिया गया। इससे कई किलोमीटर तक वाहनों की कतार लग गयी। पुलिस ने घटना की जानकारी मिलने के बाद फायर फाइटर को बुलाया। आग पर काबू पा लिया गया है।

बंगाल में पंचायत चुनाव से पहले हिंसा: संवेदनशील जगहों पर सेंट्रल फोर्स लगायें, बाकी जगह पुलिस तैनात हो: हाइकोर्ट

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 8 जुलाई को होने वाले पंचायत चुनाव से पहले हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। इस बीच कोलकाता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पंचायत चुनाव में सेंट्रल फोर्सेज की तैनाती का निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस शिवगणमन और जस्टिस हिरण्मय भट्टाचार्य की डिविजनल बेंच ने कहा कि चुनाव से पहले ही हिंसा की 12 घटनाएं हो चुकी हैं। इसलिए राज्य चुनाव आयोग उन सभी जिलों में सेंट्रल फोर्सेज लगाये जो संवेदनशील घोषित किये गये हैं। इसके अलावा जिन इलाकों में केंद्रीय बलों को तैनात नहीं किया जा सकता, वहां राज्य पुलिस सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाले। कोर्ट ने केंद्र सरकार को सेंट्रल फोर्सेज उपलब्ध कराने और उसका खर्च उठाने का निर्देश दिया है। इसके अलावा बेंच ने राज्य चुनाव आयोग को नामांकन दाखिल करने की समय सीमा बढ़ाने का निर्देश देने से इनकार कर दिया। बेंच ने कहा कि नॉमिनेशन की तारीख बढ़ाने का फैसला राज्य चुनाव आयोग देखे।

भाजपा और कांग्रेस ने लगायी थी याचिका : दरअसल, पश्चिम बंगाल के चुनाव आयुक्त राजीव सिन्हा ने 8 जून को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पंचायत चुनाव के शेड्यूल का ऐलान किया था। इसके बाद भाजपा और कांग्रेस ने दो जनहित याचिकाएं लगायी थीं। इसमें पंचायत चुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी नोटिफिकेशन के कुछ हिस्सों को चुनौती दी गई थी। वहीं दूसरी याचिका में सेंट्रल फोर्स तैनात करने की मांग की गई थी। पंचायत चुनाव की तारीख बढ़ाने को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट में 12 जून को सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने मतदान 8 जुलाई के बजाय 14 जुलाई को कराने का प्रस्ताव दिया था।

एमआरएफ का शेयर 1 लाख रुपये का हुआ

मुंबई। भारत में टायर बनाने वाली सबसे बड़ी मल्टीनेशनल कंपनी एमआरएफ यानी मद्रास रबर फैक्ट्री के शेयर्स ने इतिहास रच दिया है। एमआरएफ के स्टॉक ने मंगलवार को कारोबारी सत्र में एक लाख रुपये का रिकॉर्ड आंकड़ा पार कर लिया। ऐसा करने वाली एमआरएफ भारत की पहली कंपनी बन गयी है। स्टॉक ने ट्रेडिंग सेशन के दौरान 1,00,439.95 रुपए का इंट्राडे और 52 वीक हाई भी बनाया। एमआरएफ का शेयर 931.45 रुपये यानी 0.94% की बढ़त के साथ 99,900 रुपये पर बंद हुआ। कारोबारी सत्र की शुरुआत में इसका शेयर 99,150 रुपये पर ओपन हुआ था।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**